तरुण छत्तीसगढ़

सुनालिया ज्वेलर्स
हीरा, स्वर्ण, हॉलमार्क ज्वेलरी, रजत, राशि नग के विक्रेता
मो. 94255-32524,94241-43922
पावर हाउस रोड, कोरबा

e-Paper- tarunchhattisgarhkorba.com कोरबा एवं रायपुर से एक साथ प्रकाशित डाक पंजीयन क्रमांक- जी2-112/सी.जी/बीएलपी/003/2024-2026

वर्ष 36 अंक 290 | कोरबा, मंगलवार, दिनांक 22 जुलाई 2025 डाक 23 जुलाई 2025 | पृष्ठ : 8 मूल्य 2.00 रुपए

विविधा

बिहार विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन पटना में कांग्रेस विधायकों ने विरोध प्रदर्शन किया।

देश-विदेश

जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रक्रिया शुरू, 145 सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष को सौंपा ज्ञापन

फीचर पेज

स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होती है शतावरी आज ही बनाएं अपनी डाइट का हिस्सा

संसद मानसून सत्र का दूसरा दिनः उपराष्ट्रपति नहीं पहुंचे राज्यसभा, विपक्ष के हंगामे के चलते दोनों सदन स्थगित

नईदिल्ली। संसद के मानसून सत्र का आज दूसरा दिन भी हंगामेदार रहा। सोमवार रात उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद मंगलवार को वे राज्यसभा की कार्यवाही में शामिल नहीं हुए। उनकी अनुपस्थिति में राज्यसभा की कार्यवाही उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह ने संभाली। सत्र शुरू होते ही विपक्ष ने लोकसभा और राज्यसभा दोनों में जोरदार हंगामा किया। विपक्ष ने पहलगाम में हुई घटना और 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर सरकार से तत्काल जवाब मांगते हुए नारेबाजी शुरू कर दी।

इस वजह से दोनों सदनों की कार्यवाही 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। विपक्ष पहले दिन यानी सोमवार को भी इन मुद्दों पर चर्चा की मांग को लेकर आक्रामक रहा था। सोमवार को लोकसभा की कार्यवाही दिनभर में चार बार स्थगित करनी पड़ी थी। मंगलवार को कार्यवाही शुरू होने से पहले संसद भवन में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री एस. जयशंकर और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा सहित कई वरिष्ठ नेताओं की अहम बैठक हुई।

वहीं, विपक्षी दलों के I.N.D.I.A. गठबंधन ने भी एक रणनीतिक बैठक की, जिसमें संसद में साझा रणनीति पर चर्चा हुई। उल्लेखनीय है कि उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार रात अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने अपने इस्तीफे का कारण स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों को बताया। सोमवार को ही उन्होंने राज्यसभा की कार्यवाही में हिस्सा लेते हुए एक भावुक भाषण भी दिया था।

उपराष्ट्रपति पद से धनखड़ का इस्तीफा मंजूर

पीएम मोदी बोले- उत्तम स्वास्थ्य की कामना करता हूं

नईदिल्ली, 22 जुलाई [एजेंसी]।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का इस्तीफा मंजूर कर लिया गया है। बीते दिन ही धनखड़ ने राष्ट्रपति मुर्मू को पत्र भेजकर पद से इस्तीफे की बात कही थी। उन्होंने इस्तीफे के पीछे स्वास्थ्य कारणों का हवाला दिया था।

भूपेश बघेल का बेटे चैतन्य पर सौभाग्य की बात करना आश्चर्य जनक, बीजेपी विधायक का बयान

रायपुर, 22 जुलाई [एजेंसी]।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल की गिरफ्तारी के बाद से ही छत्तीसगढ़ राज्य में सियासी पारा सातवें आसमान पर है। भाजपा और कांग्रेस के बीच जमकर बयानबाजी हो रही है। कांग्रेस के इस विरोध प्रदर्शन के बीच भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने कांग्रेस पर जोरदार निशाना साधा है। उन्होंने सवाल किया है कि, जिस तरह का आंदोलन भूपेश बघेल के बेटे के लिए कांग्रेस कर रही है वैसा प्रदर्शन देवेंद्र यादव और कवासी लखमा की गिरफ्तारी पर कांग्रेस ने क्यों नहीं किया? अजय चंद्राकर ने आगे कहा कि, कांग्रेस एक व्यक्ति विशेष की पार्टी बनकर रह गई है। आख़िरकार कांग्रेस के प्रदर्शन का क्या उद्देश्य है? यह आर्थिक नाकेबंदी क्यों और किसके लिए कर रहे? कांग्रेस ने देवेंद्र यादव, कवासी लखमा के लिए आंदोलन क्यों नहीं किया? कुरुद विधायक और भाजपा के फायरब्रांड विधायक चंद्राकर ने आगे कहा कि, नाकेबंदी से साबित हो रहा कांग्रेस व्यक्ति केंद्रित है। भूपेश बघेल ने बता दिया कांग्रेस पार्टी उनके साथ खड़ी है। उन्होंने खुद को नेता साबित कर दिया है। जनता के प्रति उनकी कोई जवाबदारी नहीं है। कांग्रेस को किसी विधायक, कार्यकर्ताओं से मतलब नहीं है। नेता प्रतिपक्ष विधायकों के लिए आंदोलन करने में विफल रहे है।

विपक्षी दलों के सवालों का जवाब देते हुए चंद्राकर ने कहा कि, पेड़ कटाई का पूरा जवाब हमने दे दिया है। जहाँ तक कार्रवाई का सवाल है तो, कोई संस्था कार्रवाई विधानसभा की कार्यसूची देखकर नहीं करती है। कांग्रेस ने विधानसभा की कार्यवाही में बढ़ा पैदा की है। पांच दिनों के मानसून सत्र में तीन दिन विपक्ष ने कार्यवाही का बहिष्कार किया है। सौभाग्य की बात है मेरे बेटे को देशभर के लोग जान गए वाले भूपेश बघेल के बयान पर चंद्राकर ने कहा, भूपेश बघेल के लिए सौभाग्य की बात ऐसे विषय हो सकते हैं। मुझे आश्चर्य है, इस पर कुछ नहीं कहना। किस विषय पर ख्याति है उस पर सौभाग्य मान रहे है। भूपेश बघेल ने कहा था कि, उपराष्ट्रपति के इस्तीफे पर भयंकर तूफान आने की सूचना है। इस बयान पर चंद्राकर ने कहा कि, भूपेश बघेल को राजनीति छोड़कर मौसम विभाग में नियुक्ति होनी चाहिए। मौसम वैज्ञानिक बन जाए जो इतना सटीक जानकारी देते हैं। चंद्राकर ने कहा कि, वह उपराष्ट्रपति के दीर्घायु जीवन की कामना करते है। ईडी की सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी पर पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर ने कहा कि, दोनों पक्ष है, एजेंसी को बदनाम करने की कोशिश हो रही है। वह न्यायालय की प्रक्रिया पर टिप्पणी नहीं करेंगे।

'इंडिया' गठबंधन ने एसआईआर के खिलाफ संसद परिसर में प्रदर्शन किया

नईदिल्ली, 22 जुलाई [एजेंसी]।

विपक्षी सांसदों ने 'नहीं चलेगा-नहीं चलेगा, एसआईआर नहीं चलेगा' और 'वोटबंदी बंद करो' के नारे लगाए। कई सांसदों ने अपने हाथों में तख्तियां ले रखी थीं, जिन पर एसआईआर के विरोध में नारे लिखे हुए थे। कांग्रेस सांसद सैयद नासिर हुसैन ने कहा, ''हम इस मुद्दे को जोरशोर से उठाएंगे। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव सहित विपक्षी सांसदों ने बिहार में एसआईआर (विशेष गहन समीक्षा) अभ्यास के मुद्दे पर संसद के मकर द्वार पर विरोध प्रदर्शन किया। संसद के 'मकर द्वार' के निकट आयोजित इस विरोध प्रदर्शन में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा, राष्ट्रीय जनता दल के नेता मनोज झा और मीसा भारती तथा कई अन्य सांसद शामिल हुए। विपक्षी सांसदों ने 'नहीं चलेगा-नहीं चलेगा, एसआईआर नहीं चलेगा' और 'वोटबंदी बंद करो' के नारे लगाए।

कई सांसदों ने अपने हाथों में तख्तियां ले रखी थीं, जिन पर एसआईआर के विरोध में नारे लिखे हुए थे। कांग्रेस सांसद सैयद नासिर हुसैन ने कहा, ''हम इस मुद्दे को जोरशोर से उठाएंगे। ऐसा नहीं हो सकता कि रातों-रात लाखों लोगों को मतदाता सूची से बाहर कर दिया जाए।'' उन्होंने कहा कि सरकार और निर्वाचन आयोग को इस मामले में अपने कदम पीछे खींचने होंगे। विरोध प्रदर्शन से पहले 'इंडिया' गठबंधन के घटक दलों के सदनों के नेताओं ने बैठक कर मानसून सत्र में आगे की रणनीति पर चर्चा की और एसआईआर के मुद्दे को पुरजोर तरीके से उठाने का फैसला किया।

मुंबई ट्रेन ब्लास्ट के आरोपियों की रिहाई के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची महाराष्ट्र सरकार

● 24 जुलाई को होगी सुनवाई

नईदिल्ली, 22 जुलाई [एजेंसी]।

मुंबई में 2006 के दिल दहला देने वाले ट्रेन धमाकों के मामले में महाराष्ट्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। सरकार ने बॉम्बे हाई कोर्ट के उस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है, जिसमें 12 आरोपियों को बरी कर दिया गया था। महाराष्ट्र की एंटी-टेररिज्म स्क्वॉड ने हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट से इंसाफ की गुहार लगाई है। सुप्रीम कोट ने इस मामले की सुनवाई के लिए 24 जुलाई की तारीख तय की है। चीफ जस्टिस बीआर गवई की अगुवाई वाली बेंच इस मामले की सुनवाई करेगी। बॉम्बे हाईकोर्ट ने 21 जुलाई को इस मामले में सभी 12 आरोपियों को बरी कर दिया है। कोर्ट ने कहा था कि इन आरोपियों के खिलाफ को पुख्ता सबूत देने में अभियोजन पक्ष नाकाम रही है। मुंबई में 11 जुलाई 2006 को ट्रेन विस्फोट मामले में 12 आरोपियों को बरी किए जाने से जांच की विश्वसनीयता पर फिर से सवाल उठने लगे हैं, क्योंकि मुंबई उच्च न्यायालय ने सिमी और लश्कर-ए-तैयबा की संलिप्तता वाली एटीएस की कहानी को सिरे से खारिज कर दिया है।

सुप्रीम कोर्ट, ममता सरकार और संविधान की प्रस्तावना...

जगदीप धनखड़ के वो चर्चित बयान जिनसे मचा सियासी बवाल

नईदिल्ली, 22 जुलाई [एजेंसी]।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कल शाम अचानक पद से इस्तीफे की घोषणा कर दी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को भेजे गए पत्र में धनखड़ ने तत्काल प्रभाव से दिए इस्तीफे के लिए खराब स्वास्थ्य को कारण बताया है। बहरहाल राजनीतिक गलियारे में कयासों का बाजार गर्म हो गया है।संसद के मानसून सत्र के पहले दिन की कार्यवाही का सफलतापूर्वक संचालन के बाद अचानक उनके इस्तीफे की घोषणा ने सबको चौंका दिया है। धनखड़ 2022 में उपराष्ट्रपति के पद के लिए निर्वाचित हुए थे और उनका कार्यकाल अगस्त, 2027 तक था। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने पद पर रहते हुए कई चर्चित बयान दिए। इन बयानों के बाद सियासी हलचल होती रही है। सुप्रीम कोर्ट ने इसी साल मार्च में विधेयकों को मंजूरी देने के लिए राष्ट्रपति और राज्यपालों के लिए समय सीमा तय करने को कहा था। इसपर धनखड़ ने कहा था कि अदालतें राष्ट्रपति को आदेश नहीं दे सकतीं। उप राष्ट्रपति ने इसकी ओर इशारा करते हुए कहा था कि संविधान का अनुच्छेद 142 एक ऐसा परमाणु मिसाइल बन गया है जो लोकतांत्रिक ताकतों के खिलाफ न्यायपालिका के पास चौबीसों घंटे मौजूद रहता है। उन्होंने कहा था कि देश में ऐसी स्थिति नहीं हो सकती कि आप राष्ट्रपति को निर्देश दें। सुप्रीम कोर्ट को ये अधिकार किसने दिया है और वो किस आधार पर ऐसा कर सकता है। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल रहते हुए जगदीप धनखड़ से एक बार कहा था कि ममता सरकार एक खास वर्ग को सहूलियत देती है। उन्होंने कहा था कि एक विशेष वर्ग को ही आर्थिक सहायता दी जा रही है जिसकी इजाजत संविधान नहीं देता है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सिर्फ एक वर्ग के लोगों के आंसू पोछे जाते हैं। उन्हें लाखो रुपये मुआवजा दिया जाता है और दूसरे वर्ग के आंसू नहीं पोछे जाते। जनवरी 2022 में बंगाल को लोकतंत्र का गैस चैंबर बताया था।

जगदीप धनखड़ ने कई बार कहा है कि संविधान की प्रस्तावना में बदलाव नहीं होना चाहिए। ये संविधान की मूल आत्मा है इसलिए इसमें बदलाव नहीं होने चाहिए। एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा था कि किसी भी संविधान की प्रस्तावना उसकी आत्मा होती है। जगदीप धनखड़ ने हिंदू आध्यात्मिक एवं सेवा मेला 2024 के उद्घाटन भाषण में कहा था कि 'शुगर कोटेड फिलॉसफी बेची जा रही है और समाज के कमजोर वर्गों को निशाना बनाया जा रहा है। धनखड़ ने कहा था, सनातन कभी विष नहीं फैलाता, सनातन स्व शक्तियों का संचार करता है। एक और संकेत दिया गया है जो बहुत खतरनाक है और देश की राजनीति को भी बदलने वाला है। यह नीतिगत तरीके से हो रहा है, संस्थागत तरीके से हो रहा है, सुनियोजित षड्यंत्र के तरीके से हो रहा है और वह है धर्म परिवर्तन।

विपक्ष को कुचलने के लिए जांच एजेंसियों का इस्तेमाल कर रही भाजपाः आतिशी

नईदिल्ली, 22 जुलाई [एजेंसी]।

दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता आतिशी ने दावा किया कि ईडी ने कथित शराब घोटाले में आप नेताओं को गिरफ्तार किया, लेकिन जाँच एजेंसी आज तक कोई पैसा बरामद नहीं कर पाई है। उन्होंने कहा, आज सुप्रीम कोर्ट ने ईडी के खिलाफ बेहद तीखी टिप्पणी की। कोर्ट ने सीधे तौर पर पूछा कि ईडी एक राजनीतिक हथियार क्यों बन रहा है और इसका इस्तेमाल राजनीतिक लड़ाई के लिए क्यों किया जा रहा है। कर्नाटक मामले की व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा, ईडी ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री की पत्नी को समन जारी किया था। जब उन समन को चुनौती दी गई, तो कर्नाटक हाईकोर्ट ने उन्हें रद्द कर दिया। इसके बावजूद, ईडी हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट गया। सुप्रीम कोर्ट की पूर्व आलोचनाओं का हवाला देते हुए उन्होंने कहा, यह पहला मामला नहीं है जब सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय एजेंसियों पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। जब सुप्रीम कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल को ज़मानत दी थी, तब भी उसने उतनी ही तीखी टिप्पणी की थी, इन एजेंसियों की तुलना पिंजरे में बंद तोते से करते हुए कहा था कि उनकी गिरफ्तारी राजनीतिक द्वेष से प्रेरित थी।

सुप्रीम कोर्ट ने बार-बार ईडी और सीबीआई के राजनीतिक उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किए जाने पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा, अगर हम पिछले कुछ सालों के ईडी और सीबीआई के रिकॉर्ड पर नज़र डालें, तो एक स्पष्ट पैटर्न नज़र आता है। संजये सिंह को गिरफ़्तार किया गया, उसके बाद कई अन्य नेताओं को भी गिरफ़्तार किया गया। फिर भी, एजेंसियाँ अपराध की कोई भी कमाई सामने लाने में विफल रही हैं।

हरियाणा के फरीदाबाद में भूकंप के झटके, 3.2 रही तीव्रता

नई दिल्ली। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार, मंगलवार तड़के हरियाणा के फरीदाबाद में 3.2 तीव्रता का भूकंप आया। यह भूकंप भारतीय समयानुसार सुबह 6 बजे, 5 किलोमीटर की गहराई पर आया। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि 22 जुलाई 2025 को सुबह 6.00 बजे 3.2 तीव्रता का भूकंप आया। इसका केंद्र फरीदाबाद में था और यह 5 किलोमीटर की गहराई पर था।

चंदन मिश्रा हत्याकांड में पुलिस को बड़ी कामयाबी एसटीएफ के एनकाउंटर में दो बदमाश घायल

आरा, 22 जुलाई [एजेंसी]।

भोजपुर जिले के बिहिया थाना क्षेत्र के कटेया गांव के पास मंगलवार की सुबह पटना एसटीएफ और अपराधियों के बीच हुई मुठभेड़ में तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया गया। इसमें दो बदमाशों को गोली लगी है। इनका इलाज सदर अस्पताल, आरा में चल रहा है। घायलों में बक्सर जिले के चक्की थाना के लीलाधरपुर गांव निवासी बलवंत सिंह और बिहिया थाना क्षेत्र के चकराही गांव निवासी रवि रंजन सिंह शामिल हैं। दोनों के पैर और हाथ में गोली लगी है।

तीसरा गिरफ्तार अभिषेक कुमार बक्सर जिले के चक्की थाना के परसिया गांव का निवासी है। पटना के एक निजी अस्पताल में हुए गैंगस्टर चंदन मिश्रा हत्याकांड में पुलिस तीनों की तलाश कर रही थी।

दो कारों की टक्कर में 5 लोगों की मौत कटर से काटकर बाहर निकाले शव

जयपुर, 22 जुलाई ।

राजस्थान के बीकानेर हाईवे पर भीषण सड़क हादसा हो गया है। इस घटना में 5 लोगों की मौत हो गई और 4 लोग गंभीर रूप से जख्मी हैं। हादसे में 2 कारें भी बुरी तरह से चकनाचूर हो गई हैं। यह हादसा बीती रात बीकानेर हाईवे पर सिखवाल के पास देखने को मिला। तेज रफ्तार से आ रहीं दो कारें आपस में टकरा गईं। कारों में कुल 9 लोग सवार थे, जिनमें से 5 की मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कारों के परखच्चे उड़ गए। कार में सवार 5 लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

बस्ती में दो सगे भाइयों समेत तीन बच्चों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

बस्ती। संदिग्ध हालात में दो सगे भाइयों समेत तीन बच्चों की मौत हो गई। मंगलवार की सुबह इसकी जानकारी मिलने के बाद क्षेत्र में में सनसनी फैल गई।पुरानी बस्ती के लौहरौली गांव में यह दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है।मरने वालों में दो सगे भाइयों समेत तीनों बच्चे एक ही गांव के बताए जाते हैं । सोमवार को शाम को एक ही बाइक पर सवार होकर तीनों निकले थे। मंगलवार सुबह गड्ढे में शव मिले। इस दर्दनाक हादसे के बाद पूरे इलाके में मातम छा गया है और लोगों में दहशत का माहौल है।

सो रहे ससुर को जिंदा जलाने का प्रयास, दामाद फरार

भिलाई। जामुल थाना में बसंत विश्वकर्मा ने एफआईआर दर्ज करवाया है। उसने पुलिस को बताया कि रात करीब 1 बजे वह घर में चादर ओढ़कर सो रहा था। तब उस पर पेट्रोल डालकर आग लगा दिया. उठकर देखा तो दामाद आग लगाकर भाग रहा था। आग लगने से चेहरा, गला, हाथ, पीठ जल गया। इसकी जानकारी परिवार के सदस्यों को दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर विवेचना में लिया है. बसंत ने बताया कि उसकी बड़ी बेटी यमुना से प्रभु ने प्रेम विवाह किया है। वे दोनों नारधा में किराए का मकान लेकर रहे रह थे, कुछ दिन पहले यमुना बिना बताए कहीं चली गई।

स्किन केयर व कास्मेटोलाजी क्लिनिक

चर्म , गुप्त, कुष्ठ रोग विशेषज्ञ एवं सैक्स सलाहकार

डॉ.आर.के.अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.FDS
(Lond.)F.i.a.m.s.(Ind.)
Mob.9424170010

-: परामर्श का समय :-
सुबह 10.30 से 1.30
(शाम को बंद)

डॉ.शशि अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.(U.K)
Mob.9826389894

सुविधायें:- गंजापन, मस्से हटाना, दाद खाज खुजली, एक्जीमा, एलर्जी, सड़े नाखून, कुष्ठ रोग, काले दाग, मुंहासे, बाल झड़ना, सेक्स की कमी, शीघ्र पतन, धात, मानसिक रोगों का मशीनों व अत्याधुनिक दवाओं द्वारा शीघ्र ईलाज, फोटोथेरेपी, इलेक्ट्रीशिकेशन, क्रायोसर्जरी, सायकोथेरेपी का ईलाज।

मो. 9203907928,9826389894 (क्लीनिक)

विशेष : बुधवार को 20 मरीजों का फीस माफ...

पता : एचआईजी -4 नेहरू नगर , रिकाण्डो रोड घोड़ा चौक , बुधवारी बाजार के पास, कोरबा

आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व सीईओ चंदा कोचर दोषी

कर्ज के बदले 64 करोड़ की रिश्वत मामले में बड़ा फैसला

नईदिल्ली, 22 जुलाई [एजेंसी]।

भारत के एक अपीलीय ट्रिब्यूनल ने आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व सीईओ चंदा कोचर को भ्रष्टाचार का दोषी पाया है। ट्रिब्यूनल के मुताबिक, चंदा ने विडियोकॉन समूह को ?300 करोड़ का कर्ज मंजूर करने के बदले में 64 करोड़ की रिश्वत ली। यह रकम उनके पति दीपक कोचर की कंपनी को दी गई थी, जो विडियोकॉन से जुड़ी थी। जांच एजेंसी ईडी ने कोचर दंपत्ति की 78 करोड़ की संपत्ति जब्त की थी, जिसे ट्रिब्यूनल ने सही ठहराया। इसमें मुंबई के चर्चगेट स्थित उनका फ्लैट भी शामिल है, जिसे विडियोकॉन से जुड़ी कंपनियों के जरिए खरीदा गया था। चंदा कोचर पर आरोप है कि उन्होंने अपने पति को आर्थिक फायदा पहुंचाने के लिए अपने पद का दुरुपयोग किया।

आईसीआईसीआई बैंक ने जब 27 अगस्त, 2009 को विडियोकॉन को 300 करोड़ दिए, तो अगले ही दिन विडियोकॉन की कंपनी एसईपीएल ने दीपक कोचर की कंपनी न्यूपावर रिन्यूएबल्स को 64 करोड़ भेज दिए। चंदा और दीपक कोचर फिलहाल जमानत पर बाहर हैं, लेकिन उन पर मुकदमा चल रहा है। ट्रिब्यूनल ने कहा कि यह साबित करने के लिए पर्याप्त सबूत हैं कि उन्होंने धोखाधड़ी की और बैंक को नुकसान पहुंचाया। विडियोकॉन को दिया गया कर्ज बाद में डूब गया, जिससे आईसीआईसीआई बैंक को भारी नुकसान हुआ।

जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश रियासी और राजौरी में स्कूल बंद

श्रीनगर 22 जुलाई। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में पिछले 12 घंटों से लगातार हो रही भारी बारिश के कारण जिला प्रशासन ने मंगलवार को सभी सरकारी और निजी स्कूलों को बंद रखने का फैसला किया है। यह निर्णय छात्रों और कर्मचारियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। सुबह 9.30 बजे जारी एक आधिकारिक निर्देश में रियासी के मुख्य शिक्षा अधिकारी ने कहा, खराब मौसम की स्थिति को देखते हुए जिले के सभी सरकारी और निजी स्कूल 22 जुलाई को बंद रहेंगे।

लखपति दीदी नीलम सोनी : स्वाद, संस्कृति और सशक्तिकरण की एक प्रेरक कहानी

कोरबा । कहते हैं परिस्थितियाँ चाहे जैसी भी हों, अगर इरादे मजबूत हों तो हर मुश्किल राह आसान बन जाती है। जिले की श्रीमती नीलम सोनी ने यह साबित कर दिखाया कि अगर जुनून हो तो साधारण सी जिंदगी भी एक असाधारण मिसाल बन सकती है। घरेलू जिम्मेदारियों में बंधकर बैठने के बजाय उन्होंने बदलाव को चुनाकृखुद के लिए, अपने परिवार के लिए और उन सैकड़ों महिलाओं के लिए जो कभी समाज की सीमाओं में सिमटी थीं। चुनौतियों से लड़कर उन्होंने न सिर्फ अपना आर्थिक और सामाजिक कद ऊँचा किया, बल्कि दूसरों के जीवन में भी उम्मीद की किरण जगाई। आज वे केवल एक सफल उद्यमी ही नहीं, बल्कि महिला सशक्तिकरण की प्रेरणादायक प्रतीक बन चुकी हैं।कोरबा जिले के कटघोरा में रहने वाली श्रीमती सोनी के घर की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी। पति अकेले कमाने वाले थे और घर खर्च चलाना मुश्किल हो रहा था। अपने बच्चों के भविष्य और अपने आत्मसम्मान के लिए नीलम ने ठान लिया कि कुछ करना है। उन्होंने अपनी बेटी 'श्रिया' के नाम पर 'श्रिया स्व-सहायता समूह' से जुड़कर अपनी नई यात्रा की शुरुआत की। यही वह मोड़ था जहाँ से उन्होंने अपने जीवन को नए रंगों से रंगना शुरू किया। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (छत्स्ड) के अंतर्गत सरकार द्वारा संचालित 'बिहान' योजना से जुड़कर श्रीमती नीलम सोनी को एक नई दिशा और पहचान मिली। उन्होंने शासन की सहायता से छह लाख रुपये का ऋण प्राप्त किया और कटघोरा में 'गढ़ कलेवा' नामक एक परंपरागत छत्तीसगढ़ी भोजनालय की शुरुआत की। शुरुआत में राह आसान नहीं थी, लेकिन दृढ़ निश्चय और परिश्रम ने उन्हें पीछे मुड़कर देखने का मौका नहीं दिया। उन्होंने गढ़ कलेवा में छत्तीसगढ़ी व्यंजनों जैसे चीला, फरा, ठेठरी, खुरमी, अईरसा, चौसेला, तसमई, करी लड्डू, सोहारी आदि के साथ-साथ मिलेट्स (मोटा अनाज) से बने पारंपरिक पकवानों को परोसना शुरू किया। गढ़ कलेवा सिर्फ एक व्यवसाय नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत को संजोने और आगे बढ़ाने का एक माध्यम बन गया। यहाँ आने वाले लोगों को न केवल स्वादिष्ट छत्तीसगढ़ी खाना मिलता है, बल्कि वहाँ की सजीवता और पारंपरिक सजावट भी उन्हें अपनेपन का अहसास कराती है। वो बताती हैं कि उन्होंने अपने व्यवसाय के साथ-साथ बांस की कलाकृतियाँ, हस्तनिर्मित सजावटी वस्तुएँ भी बनाना शुरू किया, जिससे अतिरिक्त आय के साथ-साथ राज्य की लोककला को भी बढ़ावा मिला। आज समूह से लगभग 200 महिलाएं जुड़ी हुई हैं, जिनमें से 20 महिलाएं सीधे गढ़ कलेवा में कार्यरत हैं। इतना ही नहीं, उन्होंने अपने समूह में पीवीटीजी बिरहोर जनजाति की महिलाओं को भी जोड़ा है, जो पहले आजीविका के अवसरों से वंचित थीं। आज वे भी आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ा रही हैं।नीलम जी कहती हैं, आज मेरे लिए सबसे बड़ा संतोष इस बात का है कि मैं अकेली नहीं बढ़ी, मेरे साथ मेरी बहनों का पूरा परिवार भी आगे बढ़ा है। चार साल पहले जिस महिला ने महज आत्मनिर्भर बनने की चाह में कदम बढ़ाया था, आज वह हर महीने लगभग 1.5 लाख रुपये का टर्नओवर करती हैं। उनका सालाना टर्नओवर अब 12 लाख रुपये के करीब पहुंच चुका है। उनका यह सफर इस बात का सजीव उदाहरण है कि महिलाएं यदि ठान लें तो हर क्षेत्र में बदलाव की मिसाल बन सकती हैं। छत्तीसगढ़ शासन, बिहान मिशन और विशेषकर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय व जिला प्रशासन कोरबा का धन्यवाद देते हुए कहा, यदि शासन की योजनाएं और अधिकारियों का सहयोग न मिला होता, तो मैं और मेरे जैसी सैकड़ों महिलाएं शायद अभी भी घर की चार दीवारों तक सीमित रहतीं। बिहान ने हमें न केवल आत्मनिर्भर बनाया, बल्कि अपने सामर्थ्य पर विश्वास करना भी सिखाया।अब श्रीमती नीलम चाहती हैं कि उनका गढ़ कलेवा राज्य के हर जिले में फैले, ताकि स्थानीय व्यंजनों और छत्तीसगढ़ी संस्कृति को देशभर में पहचान मिले। वह अपने व्यवसाय को एक मॉडल बनाकर अन्य महिलाओं को ट्रेनिंग भी देना चाहती हैं, ताकि और भी लखपति दीदी इस राज्य से निकलें और आत्मनिर्भर भारत के सपने को सच करें।

महतारी वन्दन योजना से पूजा पंडो को मिली आर्थिक संबल

कोरबा। कोरबा जिले के पाली ब्लॉक अंतर्गत सीमावर्ती ग्राम पंडोपारा की रहने वाली पूजा पंडो की स्थिति पहले से काफी बदल चुकी है। एक समय था जब पूजा आर्थिक तंगी और सीमित संसाधनों के चलते अपने परिवार का भरण-पोषण करने में कठिनाइयों का सामना कर रही थीं। लेकिन छत्तीसगढ़ शासन की महतारी वंदन योजना ने उनकी जिंदगी की दिशा बदल दी।पाली ब्लॉक के अंतर्गत पंडोपारा की रहने वाली पूजा ने बताया कि उनके खाते में हर माह एक हज़ार रुपये आता है। महतारी वन्दन योजना के रूप में सहायता मिलने से पूजा को न केवल आर्थिक संबल मिला, बल्कि उन्होंने इस राशि का सही उपयोग कर अपनी आजीविका को सशक्त बनाया। पूजा ने बताया कि वह जंगल के पास रहती है। आसपास कुक काम मिल पाना मुश्किल है। इसलिए शुरुआत में इस राशि से सब्जी बेचने का छोटा व्यवसाय शुरू किया। धीरे-धीरे उनकी मेहनत रंग लाई और आज वह न केवल खुद के लिए आय का साधन बना चुकी हैं, बल्कि गांव की अन्य महिलाओं को भी स्वरोजगार के लिए प्रेरित कर रही हैं। पूजा कहती हैं, महतारी वंदन योजना मेरे लिए केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि आत्मविश्वास की कुंजी साबित हुई है। ऐसा लगता है कि अब मैं खुद के पैरों पर खड़ी हूं और इस राशि का सदुपयोग कर घर में आवश्यक खर्च के लिए भी राशि का बंदोबस्त कर पाती हूँ। पूजा पंडो ने बताया कि उसके पति मंगल सिंह के पास भी कुछ काम नहीं है। एक हजार रुपये मिलने से घर चलाने में भी आसानी होती है।

पार्षदों ने नगर निगम पर जनविरोधी कार्यों का लगाया आरोप, सौंपा ज्ञापन

कोरबा। नगर निगम द्वारा जन विरोधी कार्य किए जाने का आरोप कांग्रेस और निर्दलीय पार्षदों ने लगाया है। इस संबंध में उन्होंने निगम नेता प्रतिपक्ष कृपा राम साहू के नेतृत्व में कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में कहा गया है कि नगर पालिक निगम अपने दायित्वों का निर्वहन नहीं कर पा रहा है। मूलभूत सुविधाओं से जनता त्रस्त और महापौर मस्त है। पार्षदों का कहना है कि नगर निगम के 67 वार्डो में जल आपूर्ति बाधित है।

नही रूक रही खनिज न्यास की राशि में कमीशन खोरी व भ्रष्टाचार

कोरबा। कोरबा की पूर्व कलेक्टर रानू साहू सहित राज्य प्रशासनिक सेवा के अन्य अधिकारियों के डीएमएफ मे भारी भ्रष्ट्राचार को लेकर जेल जाने के बाद भी जिला खनिज न्यास की राशि में रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार रुकने का नाम नहीं ले रहा है तथा पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय मे जो हो रहा था, वही खेल भाजपा की साय सरकार में भी जारी है।जिला खनिज न्यास की राशि से स्वीकृत कार्यों में जारी कमीशन के इस खेल का खुलासा जिले के जनपद पंचायत करतला में हुआ है। जहां के ग्राम पंचायतों में डीएमएफ से स्वीकृत विकास कार्यों की राशि जारी करने के बदले 5त्न कमीशन की मांग किए जाने का मामला सामने आया है। इस अनियमितता के खिलाफ जनपद उपाध्यक्ष मनोज झा के नेतृत्व में सरपंच संघ के प्रतिनिधियों ने खुलकर आवाज उठाई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जनपद पंचायत करतला में कार्यरत मुख्य कार्यपालन अधिकारी वैभव कौशिक द्वारा ग्राम पंचायतों के सरपंचों सचिवों को कहा जा रहा है कि विकास कार्यों के लिए स्वीकृत राशि का 5त्न हिस्सा अग्रिम रूप से जमा किए जाने के बाद ही प्रथम किश्त (अग्रिम चेक) जारी किया जाएगा। यह निर्देश कथित रूप से जिला स्तरीय अधिकारियों के हवाले से दिया गया है। इस आशय की लिखित शिकायत जनपद क्षेत्र के सरपंचों ने जनपद अध्यक्ष और उपाध्यक्ष से की है।जनपद उपाध्यक्ष बोले- जरूरत पड़ी तो उच्च स्तर तक जाएंगेकरतला जनपद के उपाध्यक्ष मनोज झा ने शिकायत की पुष्टि की है। उपाध्यक्ष ने कहा है कि- हमारे पास जनपद के सरपंच संघ अध्यक्ष सहित 35 ग्राम पंचायतों के सरपंचों का ज्ञापन आया है। इसमें स्पष्ट उल्लेख है कि जिला खनिज न्यास मद से आंगनवाड़ी भवन निर्माण जैसी योजनाओं के लिए स्वीकृति मिलने के बाद भी चेक जारी करने हेतु 5त्न कमीशन की मांग की जा रही है। उन्होंने छत्तीसगढ़ सरकार की पारदर्शिता और ईमानदारी की नीतियों का हवाला देते हुए कहा है कि जब 5त्न पहले और 10त्न कार्य के दौरान मांगा जाएगा तो कुल 15त्न की उगाही से निर्माण कार्य भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ेगा और गुणवत्ता प्रभावित होगी। एक वर्ष में ही भवन उपयोग लायक नहीं बचेगा। हम इसका विरोध करते हैं और यदि आवश्यकता पड़ी तो इस प्रकरण को उच्चस्तर तक ले जाया जाएगा। सरपंचों ने संबंधित अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए जिला कलेक्टर एवं जिला पंचायत के सीईओ को प्रतिलिपि भेजी है और उन्होंने मांग की है कि बिना किसी अवैधानिक दबाव के उन्हें स्वीकृत योजनाओं की राशि तत्काल सुलभ कराई जाए ताकि जनहित के कार्य बाधित न हों और पारदर्शिता बनी रहे। हालांकि जनपद पंचायत के सीईओ वैभव कौशिक ने इस आरोप

नवागत पोड़ी उपरोड़ा बीईओ दयाल का प्राचार्यों ने किया पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत

शैक्षिक के साथ शिक्षकीय कार्यों का शासन के मंशानुरूप करने दिया आश्वासन

कोरबा/कोरबी चोटिया। स्थानीय ब्लाक के प्राचार्यों ने नवागत खण्ड शिक्षा अधिकारी के.आर. दयाल का बीते दिनों पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया। इस दौरान खण्ड स्त्रोत समन्वयक जी.डी. महंत ने उन्हें बुके भेंट किये। स्वागत बाद संक्षिप्त समीक्षा बैठक में विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई, जिसमे आगामी दिनों में ब्लाक स्तरीय खेलकूद का आयोजन, स्थल चयन एवं तिथि का निर्धारण किया गया। जिसके साथ ही बीईओ श्री दयाल ने शासन के विभिन्न योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की और समय पर सभी जानकारी उपलब्ध कराने, ऑनलाइन एंट्री, संकुल के शालाओं का मॉनिटरिंग करने उपस्थित प्राचार्यों को निर्देशित किया गया। उन्होंने आश्वास्त किया कि शैक्षिक कार्यों के साथ शिक्षकीय व विभागीय कार्यों को शासन के मंशानुसार बिना भेदभाव संचालन करेंगे। इस दौरान बीआरसी जी.डी. महंत, सभी प्राचार्यगण व विभाग के अधिकारी- कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

बुधवारी बाजार में साफ-सफाई कार्यों का किया निरीक्षण

कोरबा । नगर निगम आयुक्त आशुतोष पांडेय के मार्गदर्शन में अपर आयुक्त विनय मिश्रा ने कोरबा शहर के बुधवारी सब्जी व फल बाजार में गदंगी फैलाने तथा दुकानों से निकले कचरे को डस्टबिन में न रखने पर निगम की एक्शन टीम ने उन पर कार्यवाही करते हुए संबंधित सब्जी/फल व्यवसायियों पर अर्थदंड आरोपित करने के निर्देश अधिकारियों को दिये। टीम ने संबंधितों को कड़ी हिदायत दिया गया कि दुकानों में डस्टबिन रखा करें एवं दुकान से उत्सर्जित कचरा डस्टबिन में ही डालें। बाजार में गदंगी न फैलाए अन्यथा नियमों का पालन न करने पर कड़ी कार्यवाही की जावेगी।उल्लेखनीय है कि नगर निगम आयुक्त आशुतोष पांडेय के दिशा-निर्देशन में अपर आयुक्त विनय मिश्रा द्वारा शहर का भ्रमण कर जनसमस्याओं का जायजा लिया गया एवं उनका निराकरण करने के साथ-साथ शहर की स्वच्छता व साफ-सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान केंद्रित रखकर शहर को साफ-सुथरा रखने, सफाई व्यवस्था में आमूल-चूल बदलाव लाने तथा सफाई के प्रति लोगों की आदतों में सुधार लाने का भागीरथ प्रयास किया जा रहा हैं। किंतु बार-बार समझाईश दिये जाने के बावजूद कतिपय लोगों द्वारा सड़क, नाली, सार्वजनिक स्थानों, बाजारों में गंदगी फेकी जा रही है। इससे एक ओर जहां निगम के भरसक प्रयासों के बावजूद सफाई व्यवस्था बाधित हो रही है, वहीं शहर को साफ-सुथरा रखने के नगर पालिक निगम की कोशिशों में भी बाधायें उत्पन्न हो रही हैं। अभी कुछ दिन पूर्व अपने नियमित शहर भ्रमण की कड़ी में आयुक्त आशुतोष पांडेय ने अधिकारियों की टीम के साथ बुधवारी सब्जी बाजार का सघन रूप से निरीक्षण किया गया था। उन्होने वहां पर व्यवसाय संचालन करने वाले थोक व फुटकर सब्जी विक्रेताओं को समझाईश दी थी कि वे बाजार को स्वच्छ व साफ रखें एवं अपने प्रतिष्ठानों व दुकानों में बड़ी साईज के डस्टबिन अनिवार्य रूप से रखें तथां उत्सर्जित कचरे को इन्हीं डस्टबिन में संग्रहित करें।

विद्यार्थियों को हमेशा रहना चाहिए अपडेट : डॉ. प्रशांत बोपापुरकर

महाविद्यालय में भ्रूण विज्ञान पर व्याख्यान आयोजित

कोरबा । विज्ञान के विद्यार्थियों को विज्ञान की गति और प्रगति से निरंतर अपडेट रहना चाहिए। तभी वे अपने अध्ययन को आधुनिक ज्ञान की उपलब्धियों के अनुरूप गति प्रदान कर सकते हैं। यही उद्देश्य लेकर यह व्याख्यान आयोजित किया गया हैं।कोरबा अंचल में संचालित कमला नेहरू महाविद्यालय में उक्त कथन कमला नेहरू महाविद्यालय के विज्ञान विभाग में भ्रूण विज्ञान पर आयोजित व्याख्यान में प्राचार्य डॉ. प्रशांत बोपापुरकर ने कहीं। इस व्याख्यान में एम्स भुवनेश्वर की नर्सिंग ऑफिसर और नियोनेटल आईसीयू की विशेषज्ञ रुक्सार खातून ने छात्रों को भ्रूण विज्ञान के बारे में विस्तार से जानकारी दी।रुक्सार खातून ने अपने व्याख्यान में भ्रूण के सम्पूर्ण विकास की प्रक्रिया और तंत्रिका तंत्र के विकसित होने की प्रक्रिया को विस्तार से समझाया। उन्होंने छात्रों को भ्रूण विज्ञान के विभिन्न पहलुओं के बारे में जानकारी दी और उनके सवालों का जवाब दिया। प्राचार्य प्रशांत बोपापुरकर के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अनिल राठौर, सहायक प्राध्यापक डॉ. सुनीरा वर्मा, वेद व्रत उपाध्याय, निधि सिंह और लैब अटेंडेंट दिनेश उपस्थित रहे। छात्रों ने व्याख्यान में उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने ज्ञान को बढ़ाया। व्याख्यान मे एमएससी प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं ने अपनी सहभागिता निभाई। यह व्याख्यान छात्रों के लिए बहुत ही उपयोगी साबित हुआ। उन्हें भ्रूण विज्ञान के बारे में विस्तार से जानकारी मिली और उनके सवालों का जवाब मिला। इस व्याख्यान से छात्रों को अपने ज्ञान को बढ़ाने और अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाने में मदद मिली।

हसदेव रिवर फ्रंट व लो-लाइन ब्रिज निर्माण की मांग तेज, सभापति ने उपमुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

कोरबा । नगर निगम सभापति नूतन सिंह ठाकुर ने रविवार को कोरबा प्रवास पर आए उपमुख्यमंत्री अरुण साव से मुलाकात कर एक दिवसीय दौरे के दौरान हसदेव नदी तट पर रिवर फ्रंट निर्माण व लो-लाइन ब्रिज को शीघ्र स्वीकृति प्रदान करने की मांग की। सभापति ने उपमुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपते हुए बताया कि इन दो परियोजनाओं से कोरबा के विकास को नई दिशा मिलेगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा पूर्व में सर्वमंगला मंदिर से हसदेव नदी पार करते हुए पुराने कोरबा शहर को जोड़ने हेतु लो-लाइन ब्रिज की घोषणा की गई थी, लेकिन इसका कार्य अभी तक प्रारंभ नहीं हो सका है। इस पुल के निर्माण से छोटे वाहनों को कुसमुंडा व दीपका जैसे क्षेत्रों की ओर जाने हेतु वैकल्पिक मार्ग प्राप्त होगा, जिससे रेलवे फाटक पर लगने वाले जाम से राहत मिलेगी। इसके साथ ही, सीतामढ़ी से राताखार तक हसदेव नदी तट पर अरपा रिवर फ्रंट (बिलासपुर) की तर्ज पर हसदेव रिवर फ्रंट विकसित करने की मांग की गई है। इस परियोजना में फूड जोन व चौपाटी की योजना है, जिससे पुराने कोरबा शहर के ठेले-गुमटियों को स्थानांतरित कर ट्रैफिक समस्या का समाधान किया जा सकता है। साथ ही नागरिकों को मनोरंजन के लिए एक नई जगह मिलेगी। सभापति ने बताया कि हसदेव पुल हेतु पूर्व में राशि स्वीकृत की जा चुकी है। रिवर फ्रंट का विकास डीएमएफ, अधोसंरचना मद या अन्य योजनाओं से संभव है। उपमुख्यमंत्री ने प्रस्ताव पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और आवश्यक पहल का भरोसा दिलाया।

उद्योग मंत्री लखनलाल की पहल पर कोरबा नगर निगम को मिली 18 करोड़ रूपये के विकास कार्यों की सौगात

कोरबा । उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन की पहल पर छत्तीसगढ़ शासन के उपमुख्यमंत्री, लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, विधि व विधायी कार्य, तथा नगरीय प्रशासन मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री अरुण साव द्वारा नगर पालिक निगम कोरबा हेतु लगभग 18 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की स्वीकृति प्रदान की गई है।

इन कार्यों में 10 लाख की राशि से वार्ड क. 01 अंतर्गत शा.उ.मा.वि. कोरबा (पूर्व वार्ड क. 01) के सामने नाली एवं सी.सी. रोड निर्माण, 15 लाख की राशि से वार्ड क. 04 (पूर्व वार्ड क्र. 03) अंतर्गत बजरंग चौक शिव मंदिर गली राताखार, में शिव मंदिर के सामने बिन्दु सिंह राजपूत के घर तक सी.सी. रोड एवं नाली निर्माण कार्य, 11.75 लाख की राशि से राताखार मुख्य मार्ग में पुराना पुल से मुक्तिधाम तक सड़क बत्ती स्थापना कार्य (पूर्व वार्ड क्र. 03), 30 लाख की राशि से वार्ड क. 05 (पूर्व वार्ड क्र. 04) अंतर्गत ईदगाह से इंदिरा नगर आंगनबाड़ी कलवर्ट तक नाली का निर्माण, 12 लाख की राशि से वार्ड क्र. 06 अंतर्गत पुरानी बस्ती कोरबा (पूर्व वार्ड क्र. 06) में सर्वमंगला फ्लोर मिल से भंडारी चौक तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य, 06 लाख की राशि से वार्ड क. 08 अंतर्गत मोतीसागरपारा (पूर्व वार्ड क. 07) नवीन माध्यमिक शाला के सामने सी. सी. रोड निर्माण कार्य, 18 लाख 61 हजार की राशि से वार्ड क्र. 09 (पूर्व वार्ड क्र. 08) इमलीडुग्गू अशोक घर से पुजा पाडेय घर तक बाई पास रोड, नागेश ठाकुर घर से आगनबाडी एवं रेलवे स्टेशन मोहल्ला टीका घर से आगनबाडी तक ओ. पी.व्ही.सी. पाईप लाईन बिछाने का कार्य, 54 लाख 28 हजार की राशि से वार्ड क. 08 एवं 09 (पूर्व वार्ड क्र. 07, 08) सीमामणी हटरी मेन रोड से इमलीडुग्गू स्वागत द्वार तक सड़क बत्ती स्थापना कार्य, 10 लाख की राशि से वार्ड क. 14 न्यू रेल्वे कॉलोनी (पूर्व वार्ड क. 12) शिव मंदिर के पास धनंजय कुर्रे घर तक सी.सी. रोड व नाली निर्माण कार्य, 12 लाख की राशि से वार्ड क. 14 (पूर्व वार्ड क्र. 12) अंतर्गत टिकम राठौर घर से सुरजीत सिंह खत्री घर तक सी.सी. रोड एवं नाली निर्माण कार्य, 10 लाख की राशि से वार्ड क. 14 (पूर्व वार्ड क्र. 12) अमरैय्यापारा हरियाणा गली में सी.सी. रोड एवं नाली का निर्माण कार्य, 88 लाख की राशि से वार्ड क. 14 (पूर्व वार्ड क्र. 12) अमरैय्यापारा अंतर्गत पावर टॉवर के पास नाला व सी.सी. सड़क निर्माण कार्य, 26 लाख 60 हजार की राशि से वार्ड क. 14 (पूर्व वार्ड क्र. 12) अंतर्गत मुड़ापार बाईपास मार्ग में रॉयल इन्फील्ड शोरूम से पेट्रोल पंप तक आर.सी.सी. नाला व सी.सी. सड़क का निर्माण कार्य, 28 लाख की राशि से वार्ड क. 14 (पूर्व वार्ड क्र. 12) अंतर्गत मुड़ापार तालाब के पास नाला से तालाब तक ओवरफ्लो कलवर्ट निर्माण कार्य, 08 लाख की राशि से वार्ड क्र. 17 (पूर्व वार्ड क्र. 15) अंतर्गत छ.ग.रा.वि.मं. क. 01 सुलभ से लेकर वर्षा किराना स्टोर एवं सरई पेड़ से लक्ष्मी राठौर के घर तक सी.सी. रोड एवं नाली निर्माण कार्य, 20 लाख की राशि से वार्ड क. 17 (पूर्व वार्ड क्र. 15) अंतर्गत गौठान पारा रसियन हॉस्टल ढोढ़ीपारा में नाली सी.सी. रोड का निर्माण कार्य, 50 लाख की राशि से वार्ड क. 18 कोहड़िया (पूर्व वार्ड क. 16) में विभिन्न बस्तियों में सी.सी. रोड व नाली निर्माण कार्य, 30 लाख की राशि से वार्ड क. 23 (पूर्व वार्ड क्र. 21) अंतर्गत गांधी चौक से बजरंग चौक तक एवं गढ़कलेवा से आर्य शिशु मंदिर तक सी.सी. रोड का निर्माण कार्य, 10 लाख की राशि से वार्ड क. 24 (पूर्व वार्ड क्र. 19) बुधवारी बाजार में प्रकाश व्यवस्था कार्य, 40 लाख की राशि से एल.आई.जी 1 से 30, एल.आई.जी 57 से 82, एल.आई.जी 101 से 150 नाली निर्माण। (पूर्व वार्ड क्र. 22), 40 लाख की राशि से निहारिका पानी टंकी से वीर सावरकर होते हुए गरिमा मेडिकल तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य। (पूर्व वार्ड क्र. 22), 15 लाख की राशि से वार्ड क. 26 (पूर्व वार्ड क्र. 23) अंतर्गत विनय सिंह घर से जैतखाम के सामने तक एवं दादर मेन रोड से कुम्हार घर के पास कलवर्ट तक तथा कृष्णा नगर के आंतरिक गलियों का सड़क एवं नाली निर्माण कार्य, 12 लाख की राशि से वार्ड क. 27 (पूर्व वार्ड क्र. 24) अंतर्गत महाराणा प्रताप नगर एक्शटेंशन में आर.सी.सी. नाली एवं कलवर्ट निर्माण कार्य, 09 लाख की राशि से वार्ड क. 28 (पूर्व वार्ड क्र. 25) अन्तर्गत घण्टाघर से एस.एल.आर.एम. सेन्टर होते हुए रैनबसेरा तक सड़क बत्ती व्यवस्था कार्य, 13 लाख 59 हजार की राशि से वार्ड क्र. 29 (पूर्व वार्ड क्र. 26) अंतर्गत मुड़ापार बायपास रोड में आर.सी.सी. नाली एवं कलवर्ट का निर्माण कार्य, 15 लाख की राशि से वार्ड क्र. 29 (पूर्व वार्ड क्र. 26) मुड़ापार के विभिन्न स्थानों में सी.सी. रोड तथा आर.सी. सी. नाली का निर्माण कार्य, 15 लाख की राशि से मुड़ापार बाजार में प्रकाश व्यवस्था कार्यं (पूर्व वार्ड क्र. 26), 09 लाख की राशि से वार्ड क्र. 30 (पूर्व वार्ड क्र. 27) रामनगर के विभिन्न स्थानो में रोड एवं नाली का निर्माण कार्य, 50 लाख की राशि से वार्ड क्र. 31 (पूर्व वार्ड क्र. 28) में सोनी के घर से युगल किशोर के घर तक सी.सी. रोड एवं नाली का निर्माण कार्य, 25 लाख की राशि से वार्ड क्र. 33 (पूर्व वार्ड क्र. 30) मानिकपुर डिपरापारा में सड़क का निर्माण कार्य, 12 लाख की राशि से वार्ड क्र. 34 (पूर्व वार्ड क्र. 31) अंतर्गत कंकालिन मंदिर दादरखुर्द के पास एकता बिहार में सी.सी. रोड व नाली का निर्माण कार्य, 18 लाख की राशि से वार्ड क. 34 (पूर्व वार्ड क्र. 31) अन्तर्गत मैग्जिन भाठा दादर से हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी तक सड़क बत्ती व्यवस्था कार्य, 05 लाख की राशि से वार्ड क. 36 अंतर्गत डिंगापुर (पूर्व वार्ड क. 32) ओम फ्लेट के पास मुख्य मार्ग से सुमन घर होते हुए रम्भा पटेल घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य, 20 लाख की राशि से वार्ड क. 36 (पूर्व वार्ड क्र. 32) डिंगापुर ओम फ्लैट के पीछे नाली व सी.सी. रोड निर्माण कार्य, 08 लाख की राशि से वार्ड क. 38 (पूर्व वार्ड क्र. 34) अंतर्गत अमर सिंह होटल के पास सी.सी. रोड व नाली निर्माण कार्य, 14 लाख 50 हजार की राशि से वार्ड क. 38 (पूर्व वार्ड क्र. 34) अंतर्गत चेकपोस्ट भदरापारा ईश्वर साहू मोहल्ला में माखन यादव घर से नदी तक सी.सी. रोड एवं नाली निर्माण कार्य, 10 लाख की राशि से वार्ड क. 38 (पूर्व वार्ड क्र. 34) चेकपोस्ट भदरापारा ईश्वर साहू मोहल्ला में लूद्री हेम्ब्रों घर से स्व. पवन पटेल घर तक सी.सी. रोड एवं नाली निर्माण कार्य, 30 लाख की राशि से वार्ड क्र. 38 (पूर्व वार्ड क्र. 34) अंतर्गत रिस्दा में सी.सी. रोड एवं नाली निर्माण कार्य, 30 लाख की राशि से वार्ड क. 39 (पूर्व वार्ड क्र. 35) अंतर्गत विभिन्न स्थानों में सी.सी. रोड एवं नाली निर्माण कार्य, 41 लाख 66 की राशि से वार्ड क्र. 39 (पूर्व वार्ड क्र. 35) रिंग रोड से रोहित घर एवं रिंकी मेडम घर से विमल साहू घर तक ओ.पी.व्ही.सी. पाईप लाईन बिछाने का कार्य, 05 लाख की राशि से वार्ड क. 40 (पूर्व वार्ड क्र. 36) अंतर्गत पाड़ीमार बालको चिंतामणी साहू के घर से स्वास्थ्य केन्द्र तक सी.सी. रोड एवं नाली निर्माण कार्य, 25 लाख की राशि से वार्ड क. 41 (पूर्व वार्ड क्र. 37) अंतर्गत विभिन्न स्थानों में सी.सी. रोड एवं नाली निर्माण कार्य, 20 लाख की राशि से वार्ड क. 43 (पूर्व वार्ड क्र. 39) कैलाश नगर में आर.सी.सी. नाली एवं सी.सी. रोड का निर्माण, 03 लाख की राशि से वार्ड क. 47 अंतर्गत शिव नगर (न्यू शांतिनगर) (पूर्व वार्ड क. 42) अमृत

डायरिया का जोर, हर दिन नए केस

जांजगीर। जिले में डायरिया का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। पिछले चार दिन से जिला अस्पताल में रोजाना करीब 10 नए मरीज पहुंच रहे हैं। हालात बिगड़ने पर मरीजों को जिला अस्पताल के साथ ही सामुदायिक और उप स्वास्थ्य केंद्रों में भर्ती किया जा रहा है। गांवों में स्वास्थ्य शिविर लगाने पड़ रहे हैं। अभी करीब 20 मरीज भर्ती हैं।

अकलतरा के हरदी में अब तक करीब 20 लोग डायरिया की चपेट में आ चुके हैं। सोमवार को यहां पांच नए मरीज मिले। लगातार बढ़ते मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन के अधिकारी गांवों में निगरानी कर रहे हैं। इसके बावजूद बीमारी पर काबू नहीं पाया जा सका है। शहर के साथ गांवों में साफ-सफाई की स्थिति खराब है।

दूषित पानी पीने से लोग बीमार हो रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग की टीम घर-घर जाकर लोगों की जांच कर रही है। मरीजों को ओआरएस और जरूरी दवाएं दी जा रही हैं। जिला अस्पताल में डायरिया के लिए अलग वार्ड बनाया गया है। 6नगर पंचायत खरौद में डायरिया का प्रकोप जारी है। यहां सबसे अधिक मरीज मिल चुके हैं। तीन दिनों में करीब 50 लोग इसकी चपेट में आ चुके हैं। यहां के सीएचसी में मरीजों को भर्ती किया गया था। अधिकारियों को निरीक्षण कर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करवाने कहा था। 6अकलतरा के ग्राम हरदी महामाया में पहले 22 लोग डायरिया के शिकार हुए थे। इसके बाद 20 जुलाई को 4 लोगों को उल्टी दस्त होने पर उप स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती किया गया था।

फाईल फोटो

21 जुलाई को पांच नए मरीज की पहचान हुई हैं। 6अकलतरी में एक माह पहले 16 लोगों में डायरिया बिमारी के लक्षण मिले है। इनमें से 5 मरीजों को सीएचसी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। 2 मरीजों का बिलासपुर भेजा गया था। बाकी मरीजों का इलाज गांव में हुआ। वार्ड नंबर 4, 11 और 12 में परेशानी हुई थी। बारिश के मौसम में गंदगी ज्यादा फैलती है। मक्खियां और मच्छर भी ज्यादा पनपते हैं। इसलिए डायरिया के मामले बढ़ते हैं। अभी जो मरीज आ रहे हैं वे गंभीर नहीं हैं, लेकिन उन्हें भर्ती करने की जरूरत पड़ रही है। कई मरीजों में सामान्य डायरिया है, तो कई में लक्षण अधिक हैं।

पिछले कुछ समय में जिले के इन गांवों में मिले हैं डायरिया के मरीज

डायरिया के प्रकोप से बचने के लिए ये करें आईडीएसपी के जिला नोडल अधिकारी डॉ. दीपक साहू ने बताया कि डायरिया से मौत भी हो सकती है। इसलिए सावधानियां बरतें। पानी उबालकर पीएं। क्लोरीन टेबलेट से पीने के पानी को साफ करें। घर के आसपास गंदगी न फैलने दें। साफ व गर्म भोजन का ही सेवन करें। शरीर में पानी की मात्रा बनाकर रखें। ओआरएस और ग्लूकोज का घोल लेते रहें। उल्टी-दस्त होने पर तत्काल चिकित्सकीय सलाह व जांच कराकर दवाओं का सेवन करें। उल्टी दस्त होने पर गांव के मुखिया या मितानिन दीदी को जानकारी दें।

सड़क नहीं होने से परेशान है ग्रामीण

जांजगीर चांपा में बच्चों ने छोड़ी पढ़ाई, बुजुर्गों को परेशानी, ग्रामीणों ने कलेक्टर से मांगी जमीन

जांजगीर-चांपा। जिले के ग्राम पंचायत मौहाडीह से आरक्षित ग्राम कोनियापाठ तक सड़क मार्ग नहीं है। इस कारण क्षेत्र के लोगों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। ये जर्जर सड़क बम्हनीडीह विकास खंड में आता है। इस रास्ते को सुधरवाने ग्रामीणों ने कलेक्टर से जमीन की मांग की है।

कोनियापाठ के निवासियों को पंचायत भवन, राशन दुकान और स्कूल के लिए मौहाडीह आना होता है। पक्के रास्ते के अभाव में बच्चों की शिक्षा प्रभावित हो रही है। कुछ विद्यार्थियों ने खराब रास्ते और लंबी दूरी के कारण पढ़ाई छोड़ दी है। बुजुर्गों की दैनिक जरूरतें भी पूरी नहीं हो पा रही हैं।

आरक्षित भूमि पर अवैध कब्जा का आरोप

दोनों गांवों के बीच की जमीन स्व. जंगीलाल उर्फ जैतू को सरकारी भूमिदान के रूप में मिली थी। यह जमीन पिछले 40-50 सालों से बंजर पड़ी है। वर्तमान में इस पर कोई खेती नहीं हो रही है। ग्रामवासियों ने इसी भूमि से 5-6 डिसमिल जमीन रास्ते के लिए मांगी है।

ग्रामीणों का आरोप है कि संबंधित परिवार जमीन देने से मना कर रहा है। उन्होंने भूमि का एक हिस्सा पहले ही बेच दिया है। साथ ही आरक्षित भूमि पर अवैध कब्जा कर रखा है।

मार्ग निर्माण की मांग

इस समस्या के समाधान के लिए मौहाडीह के सरपंच, स्वच्छता समिति अध्यक्ष और ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है। उन्होंने बच्चों की शिक्षा और बुजुर्गों की सुविधा को देखते हुए जल्द से जल्द मार्ग निर्माण की मांग की है।

कलेश्वरनाथ मंदिर तक महिलाओं ने निकाली कांवर यात्रा

चांपा/पीसौद। सावन मास के पवित्र दूसरे सोमवार को ग्राम पीसौद से बाबा कलेश्वरनाथ मंदिर, पीथमपुर तक भव्य कांवर यात्रा निकाली गई। श्रद्धा, भक्ति और उत्साह से परिपूर्ण इस यात्रा में सभी वर्गों के लोगों ने भाग लिया और बोल बम के जयकारों से भोलेनाथ की आराधना की। यात्रा की विशेषता रही कि कांवरियों ने एक विशाल शिवलिंग बनाया और उसे कांवर पर विराजित कर पूरे मार्ग में भगवान शिव को अपने कंधे पर उठाए रखा। यात्रा की शुरुआत पीसौद के शिव मंदिर में बाबा भोलेनाथ के अभिषेक से हुई। यात्रा मार्ग पर ग्रामीणों ने श्रद्धालुओं का जलपान, नींबू-पानी, फल व शीतल जल से स्वागत किया।

स्थानीय युवाओं ने सेवा भाव से कांवरियों की सहायता की। यात्रा के दौरान बोल बम, हर हर महादेव जैसे नारे गूंजते रहे, जिससे पूरा माहौल शिवमय हो गया। पीथमपुर पहुंचकर बाबा कलेश्वरनाथ मंदिर में शिवलिंग का विधिवत पूजन किया गया। भगवान शिव को दूध, जल, बेलपत्र, धतूरा, भांग आदि अर्पित कर सावन सोमवार की विशेष पूजा संपन्न हुई। यात्रा का समापन महाप्रसाद वितरण के साथ हुआ, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। आयोजन समिति ने बताया कि इस कांवर यात्रा का उद्देश्य युवाओं में धार्मिक चेतना जगाना, सनातन संस्कृति को बढ़ावा देना और एकजुटता का भाव मजबूत करना है। ग्राम पीसौद के लोगों और युवाओं के सहयोग से यह यात्रा श्रद्धा, भक्ति और सामूहिक एकता का सुंदर उदाहरण बनी। सभी श्रद्धालुओं ने बाबा भोलेनाथ से सुख-शांति, स्वास्थ्य और समृद्धि की कामना की।

बेटे की करतूत पर कांग्रेस का प्रदर्शन

भाजपा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, जनता को परेशान करने का तरीका

जांजगीर-चांपा। जिले में भाजपा नेताओं ने कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। सोमवार को जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में पूर्व नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर आरोप लगाए।

चंदेल ने कहा कि कांग्रेस एक ऐसे व्यक्ति के पक्ष में सड़क पर उतरी है, जिसका पार्टी में कोई पद नहीं है। उन्होंने कहा कि भूपेश बघेल ने पार्टी को व्यक्तिगत एजेंडे का माध्यम बना दिया है। चंदेल ने यह भी कहा कि बघेल अपनी ही पार्टी के विधायक कवासी लखमा की गिरफ्तारी पर चुप रहे।

कोयला ब्लॉक आवंटन से जुड़े दस्तावेज दिखाए

भाजपा नेताओं ने कोयला ब्लॉक आवंटन से जुड़े दस्तावेज भी मीडिया के सामने रखे। उन्होंने बताया कि भूपेश सरकार के समय में ही गारे पेलमा सेक्टर-2 और केते एक्सटेंशन जैसे ब्लॉकों की स्वीकृतियां दी गई। साथ ही पर्यावरण मंजूरी भी दी गई।

प्रेस वार्ता में भाजपा नेताओं ने कहा कि कांग्रेस भ्रष्टाचार के आरोपियों को बचाने में लगी है। जांच एजेंसियों की कार्रवाई कानून के अनुसार हो रही है। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष अम्बेश जांगड़े, सोशल मीडिया प्रदेश संयोजक प्रशांत सिंह और पूर्व विधायक चुन्नीलाल साहू भी मौजूद रहे।

कॉस्मेटिक के सैंपल लिए

बलौदा बाजार। राज्य शासन एवं नियंत्रक औषधि प्रशासन के निर्देशानुसार तथा सहायक औषधि नियंत्रक के मार्गदर्शन में सोमवार को भाटापारा स्थित विभिन्न कॉस्मेटिक दुकानों पर निरीक्षण कर गुणवत्ता की जांच की गई।

यह कार्रवाई उपभोक्ताओं तक मानक स्तर के सौंदर्य प्रसाधन पहुंचाने एवं अवैध या निम्न गुणवत्ता के उत्पादों की बिक्री पर नियंत्रण के उद्देश्य से की गई। निरीक्षण दल द्वारा जिन प्रतिष्ठानों की जांच की गई, उनमें प्रमुख रूप से प्रकाश जनरल स्टोर्स, वंश मार्केटिंग, सुहागन फैंसी स्टोर्स एवं मदीना बैंगल्स शामिल हैं। इन दुकानों में उपलब्ध कॉस्मेटिक उत्पादों के अभिलेखों, खरीद रसीदों एवं निर्माता कंपनी से संबंधित रिकॉर्ड की भी गहनता से जांच की गई। जांच के दौरान विभागीय अधिकारियों द्वारा चार प्रकार के कॉस्मेटिक उत्पादों के नमूने संकलित किए गए, जिनमें टूथपेस्ट, हेयर रिमूवल क्रीम, हेयर डाई और ब्लीचिंग क्रीम शामिल हैं।

ससुराल में हंगामा और मारपीट, आरोपी गिरफ्तार

जांजगीर। ग्राम लिम्हा निवासी युवक ने 23 जून की रात शराब के नशे में ससुराल में हंगामा किया। आरोपी सूरज गोस्वामी पत्नी और बच्चे को जबरन ले जाने पहुंचा। सास फुलेश्वरी गोस्वामी के मना करने पर गाली-गलौज, मारपीट की और दांत से काट लिया। घटना बलौदा थाने में दर्ज हुई। पुलिस ने आरोपी को घर से गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने जुर्म कबूल किया। उसे न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। आरोपी पर धारा 295, 351(2), 115(2), 118(1) के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच जारी है।

छत्तीसगढ़ अंजोर विजन 2047 विकास की दिशा में ऐतिहासिक कदम: अमर सुल्तानिया

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ के भविष्य की दिशा तय करने वाले गुरुवार को विमचित अंजोर विजन 2047 डॉक्यूमेंट को लेकर भारतीय जनता पार्टी जांजगीर-चांपा के जिला उपाध्यक्ष अमर सुल्तानिया ने अपनी प्रतिक्रिया में इसे विकास के सुनियोजित रोडमैप की संज्ञा दी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के कुशल नेतृत्व के साथ-साथ वित्त मंत्री ओपी चौधरी की रणनीतिक सोच, प्रशासनिक दक्षता और विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता ने इस विजन डॉक्यूमेंट को एक ठोस, व्यावहारिक और समावेशी स्वरूप प्रदान किया है। नीति आयोग के तकनीकी सहयोग से तैयार यह दस्तावेज छत्तीसगढ़ को आत्मनिर्भर, समृद्ध और विकसित राज्य की श्रेणी में लाने ठोस आधार बनेगा।

जिला उपाध्यक्ष सुल्तानिया ने आगे कहा कि इस दस्तावेज की सबसे बड़ी खासियत इसकी व्यावहारिकता है। इसमें प्रदेश की ताकत और चुनौतियों दोनों को स्वीकारते हुए ठोस योजनाएं बनाई गई हैं। उद्योग, टूरिज्म, संस्कृति जैसे क्षेत्रों की मजबूती को और आगे बढ़ाया जाएगा, वहीं शिक्षा, स्वास्थ्य और मैन्युफैक्चरिंग जैसी कमजोरियों पर सीधा फोकस कर उन्हें अवसर में बदला जाएगा।

उन्होंने यह भी कहा कि प्राइवेट इन्वेस्टमेंट, टेक्नोलॉजी आधारित शासन प्रणाली और इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट जैसे तीन मजबूत स्तंभों के जरिए छत्तीसगढ़ 2047 तक देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो सकता है। सुल्तानिया ने सरकार के पब्लिक कंसल्टेशन आधारित दृष्टिकोण की भी सराहना करते हुए कहा कि एक लाख से अधिक सुझावों के आधार पर यह दस्तावेज तैयार किया जाना बताता है कि यह योजना केवल अफसरशाही नहीं बल्कि जनता की भागीदारी से बनी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह विजन डॉक्यूमेंट राजनीति से ऊपर उठकर जन आकांक्षाओं को दिशा देने वाला दस्तावेज साबित होगा, जो छत्तीसगढ़ को सामाजिक, आर्थिक और तकनीकी रूप से सशक्त राज्य बनाएगा।

सावन पर रील बनाकर भेजें और जीतें 10 हजार इनाम

सक्ती। जिले में सावन के महीने को खास बनाने जिला प्रशासन ने रील प्रतियोगिता शुरू की है। इसकी थीम सेलिब्रेट द मानसून मैजिक ऑफ सक्ती रखा है। प्रतियोगिता 15 जुलाई से 15 अगस्त तक चलेगी। रील जमा करने की अंतिम तारीख 14 अगस्त तय है।परिणाम 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस पर घोषित किए जाएंगे। प्रतियोगिता में पहला इनाम 10 हजार रुपए, दूसरा 5 हजार रुपए और तीसरा 2500 रुपए रखा है। सात्वनां पुरस्कार के रूप में 1000 से ज्यादा लाइक पाने वाली हर रील पर इनाम मिलेगा। 1000 से ऊपर हर लाइक पर एक रुपए का इनाम मिलेगा। जैसे 1500 लाइक पर 500 रुपए मिलेंगे। प्रतियोगिता के लिए तीन स्थान तय किए गए हैं। तुर्री धाम, दमऊ धारा और चंद्रपुर का चंद्रहासिनी मंदिर। प्रतिभागी इन जगहों पर जाकर रील बना सकते हैं। रील अधिकतम 90 सेकंड की होनी चाहिए। इसे इंस्टॉग्राम पर पोस्ट करना होगा।

पोस्ट करते समय SaavanInSakti हैशटैग लगाना जरूरी है। साथ ही @saktidist और @ceozpsakti को टैग करना होगा। प्रतिभागी कई रील भेज सकते हैं। लेकिन इनाम एक ही रील को मिलेगा। सबसे ज्यादा लाइक पाने वाली रील को विजेता माना जाएगा।

डिजिटल अरेस्ट की धमकी देकर 32 लाख की ठगी

केनरा बैंक को चपत लगाने का झांसा देकर पूर्व कर्मी को लगाई चपत

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में रिटायर्ड कर्मचारी को डिजिटल अरेस्ट की धमकी देकर 32 लाख रुपए से अधिक की ठगी की गई है। ठगों ने खुद को CBI का अधिकारी बताया और मनी लॉन्ड्रिंग केस में फंसाने की धमकी देकर पैसे ऐंठ लिए। चार अलग-अलग खातों में 6 बार पैसे ट्रांसफर किए गए। यह मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, शंकर नगर कॉलोनी में रहने वाले तुषारकर देवांगन (65) सिंचाई विभाग से रिटायर्ट कर्मचारी हैं। जिन्हें 15 दिनों तक को डिजिटल अरेस्ट की धमकी देकर ठगों ने 32,54,996 रुपए की रकम वसूल लिए। 3 जुलाई को उनके वॉट्सऐप पर कॉल आया है। रिसीव करने पर ठगों ने अपना नाम विजय खन्ना और रश्मि शुक्ला बताया। साथ ही खुद को टेलीकाम आथारिटी और सीबीआई प्रोसेसिंग अधिकारी बताया।

वॉट्सऐप पर वारंट भेजा

इसके बाद उन्होंने लॉन्ड्रिंग केस में फंसाने की धमकी दी। फिर वॉट्सऐप पर वारंट की फोटो भेज दी। इसके अलावा नरेश गोयल नाम से एक फोटो भेजा और बताया कि ये कैनरा बैंक मुंबई के लॉन्ड्रिंग केस में शामिल है। ठगों ने अकाउंट जांच की बात कही और डिजिटल अरेस्ट कर जेल भेजने की धमकी दी। साथ ही चार अलग-अलग बैंक अकाउंट के डिटेल भेजे। जिस पर रिटायर्ट कर्मचारी ने फोन-पे के जरिए पेमेंट कर दिया।

ऐसे हुआ ठगी का खुलासा

जब ठगों का नंबर बंद आया तो उन्होंने थाने में शिकायत की। तब जाकर इस पूरे ठगी का खुलासा था। इस मामले में सीएसपी कविता ठाकुर ने बताया कि ठगों ने कोलाबा पुलिस स्टेशन में लॉन्ड्रिंग केस दर्ज करने की धमकी देकर रिटायर्ड कर्मचारी से ठगी की है। कोतवाली पुलिस केस दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी गई है।

अग्र विशिष्ट सम्मान से सम्मानित हुए पत्रकार पवन अग्रवाल

जांजगीर-चांपा। अंतरराष्ट्रीय अग्रवाल समाज द्वारा जारी पत्र क्रमांक 174/८र / 2025 दिनांक 14 जुलाई 2025 को एक परिपत्र में नैला के वरिष्ठ पत्रकार पवन कुमार अग्रवाल को समर्पित समाज सेवा, सामाजिक चेतना और उल्लेखनीय योगदान के लिए अग्र विशिष्ट सम्मान दिया गया। इस आशय का परिपत्र उन्हें वाट्स एप के माध्यम से मिला हैं । पवन अग्रवाल जिले के कुबेर पारा , नैला के निवासी हैं और प्रिंट मीडिया की दुनिया में प्रतिष्ठा और प्रमाणिकता का पर्याय बन चुके हैं । वह समाज सेवा एवं सामाजिक उत्थान के लिए अपनी निष्ठा के लिए भी जाने जाते हैं । अपनी लेखनी और मीडिया माध्यमों के द्वारा अग्रवाल समाज की रचनात्मक छवि को जन-जन तक पहुंचाने में सेतु का कार्य किया हैं । साथ ही साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर होने वाले अग्रवाल सम्मेलन के विविध कार्यक्रमों के प्रचार-प्रसार में श्री अग्रवाल का निरंतर सहयोग, अत्यंत सराहनीय प्रेरणास्पद एवं उल्लेखनीय योगदान रहा हैं । यह योगदान ना केवल प्रेरणा का स्तोत्र हैं बल्कि हमारी संस्था की विचारधारा को सशक्त अभिव्यक्ति भी प्रदान करता हैं ।

हिंदी दैनिक स्वदेश ज्योति बिलासपुर छत्तीसगढ़ संस्करण के जांजगीर-चांपा जिला ब्यूरो चीफ के पद पर पवन अग्रवाल कार्यरत हैं। समर्पित सेवा, सामाजिक चेतना और उल्लेखनीय योगदान के लिए पत्रकारिता के क्षेत्र में अग्र विशिष्ट सम्मान प्रदान किया गया। प्रांतीय चेयरमैन जगदीश प्रसाद अग्रवाल अग्रसेन प्रचार समिति छत्तीसगढ़ की अनुशंसा पर अंतरराष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन के अध्यक्ष राजकुमार अग्रवाल ने यह सम्मान प्रदान किया। प्रेस क्लब चांपा अध्यक्ष डॉ. कुलवंत सिंह सलूजा , सचिव डॉ मूलचंद गुप्ता , उपाध्यक्ष गौरव गुप्ता , कोषाध्यक्ष विक्रम तिवारी, डॉ रविन्द्र द्विवेदी तथा साहित्यकार शशिभूषण सोनी प्रेस क्लब जांजगीर के राघवेंद्र पाठक ,सीताराम नायक, देव कुमार पांडे, विजय शर्मा ,कुणाल गुप्ता, राजेंद्र राठौड़, राजेश मोदी सहित सभी सदस्यों , समाजसेवी एवं गणमान्य नागरिकों ने पवन अग्रवाल को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मीडिया जगत गौरवान्वित महसूस कर रहा हैं ।

ज्ञानोदय हायर सेकेंडरी स्कूल में वृक्षारोपण कार्यक्रम का सफल आयोजन

जांजगीर। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए ज्ञानोदय हायर सेकेंडरी स्कूल जांजगीर में दिनांक 19/07/25 को वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुरेश यादव के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ।

एक पेड़ माँ के नाम को समर्पित करते हुए विद्यालय के कक्षा - 1 से लेकर 12 वीं तक के सभी छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर कक्षा कैप्टन एवं वाइस कैप्टन ने पौधारोपण करते हुए अपने दायित्वों को ईमानदारी से निभाने का संकल्प लिया। विद्यार्थियों ने न केवल पौधे लगाए, बल्कि उन्हें नियमित रूप से संरक्षित करने की जिम्मेदारी भी ली।

प्राचार्य डॉ. सुरेश यादव ने इस अवसर पर कहा कि- वृक्ष हमारे जीवन के आधार हैं। एक पौधा लगाना केवल पर्यावरण की सेवा नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए उपहार है।इस आयोजन का उद्देश्य बच्चों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता, कर्तव्यनिष्ठा, और सामूहिक जिम्मेदारी की भावना का विकास करना था। विद्यालय परिसर हरे-भरे पौधों से सज गया, जिससे वहां एक सकारात्मक ऊर्जा और उत्साह का संचार हुआ।पौधारोपण में विद्यालय के सभी शिक्षकगण, कार्यालय स्टाफ, वाहन चालक एवं दीदीयों की सक्रिय भागीदारी इस आयोजन की सफलता में महत्वपूर्ण रही।

लापरवाह वेन चालक ने तीन जिंदगियों को डाला खतरे में, अपराध दर्ज

अकलतरा। ग्राम लटिया में मुख्य मार्ग पर स्थित जय घोड़ाधार मंदिर के पास सोमवार रात एक तेज रफ्तार वैन ने तीन बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। इस दुर्घटना में पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में ग्राम पकरिया(लटिया) निवासी भागीरथी केवट और शुभम यादव, ग्राम कल्याणपुर निवासी सागर दास मानिकपुरी और कंचन दास महंत, तथा ग्राम कोटमीसोनार निवासी विनोद यादव शामिल हैं। इनके सिर, कमर और पैरों में गंभीर चोटें आई हैं।

वैन क्रमांक सीजी 11 बीसी 6724 बिलासपुर से अकलतरा की ओर जा रही थी। वाहन की गति काफी तेज थी। रात करीब 8ः30 बजे ग्राम लटिया के घोड़ाधार मंदिर के पास चालक ने वैन पर नियंत्रण खो दिया। इससे अकलतरा से लटिया की ओर सड़क से गुजर रहे तीन दोपहिया वाहन इसकी चपेट में आ गए।

घटनास्थल पर मौजूद ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को निजी एंबुलेंस के माध्यम से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जनपद सदस्य ईश्वर साहू ने बताया कि वैन चालक ने पहले एक साइकिल सवार को टक्कर मारने से बचाया, लेकिन कुछ दूरी पर नियंत्रण खोकर दोपहिया वाहन चालकों को अपनी चपेट में ले लिया। घटना के बाद वैन चालक वाहन को घटनास्थल पर छोड़कर फरार हो गया।

महंगा पड़ा, विवाद सुलझाना युवक को पीटा

जांजगीर-चांपा। जिले में सोमवार को विवाद सुलझाने गए युवक के साथ मारपीट की गई है। बदमाशों ने उसे बुरी तरह पीटा। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है। यह घटना पामगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम डोंगाकोहरौद की है।

जानकारी के मुताबिक, रोहित कुमार कश्यप (35) कीटनाशक खरीदने दुकान पर गया था। वहां दो युवकों के बीच बहस देखकर उसने बीच-बचाव की कोशिश की। इस दौरान एक युवक ने अपने तीन साथियों के साथ मिलकर उस पर हमला कर दिया।

आरोपियों ने बेल्ट और मुक्कों से उसको मारा। इस हमले में युवक के सिर, आंख के नीचे, कंधे, पीठ और घुटने में चोटें आईं। मौके पर मौजूद कुछ स्थानीय लोगों ने बीच-बचाव किया। पीड़ित का पर्स भी मारपीट के दौरान गिर गया।

नाम परिवर्तन सूचना

शपथ पत्र

मैं अस्मत अंसारी उम्र 40 वर्ष पिता-अस्लम अंसारी पता-140/1, वार्ड 02 लालूराम कॉलोनी, डीडीएम रोड उत्सव फिड्स के पीछे, कोरबा, तहसील व जिला-कोरबा (छ.ग.) का होकर निम्न कथन शपथ पूर्वक करता हूं -

यह कि मेरे पुत्र के नाम पर नगर पालिक निगम कोरबा से जन्म प्रमाण पत्र जारी हुआ है जिसका पंजीकरण संख्या B-2023:22-90172-002853 पंजीकरण तारीख 22.08.2023, जारी दिनांक 04.09.2023 है जिसमें मेरे पुत्र का नाम त्रुटिवश MD. ANAS ANSARI/ एम.डी. अनस अंसारी दर्ज हो गया है जबकि मेरे पुत्र का वास्तविक एवं सही नाम ANAS ANSARI / अनस अंसारी है। मैं अपने पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र में उसका वास्तविक एवं सही नाम ANAS ANSARI / अनस अंसारी दर्ज कराना चाहता हूं। उक्त शपथ पत्र उक्ताशय के संबंध में निष्पादित किया गया है जिसे संबंधित कार्यालय/विभाग में प्रस्तुत करना है।

सील

अस्मत अंसारी
शपथकर्ता

अनमोल वचन......

कमाई कम या ज्यादा हो सकती है, लेकिन हर घर मेंरोटी का साइज एक ही है..!!

आतंकवाद से निपटने विशेषज्ञों का जोर

आतंकवाद के खतरे से निपटने के लिए दक्षिण एशियाई देशों के दरम्यान क्षेत्रीय सहयोग बढ़ाने की तत्काल आवश्यकता पर विशेषज्ञों ने जोर दिया।

नेपाल अंतरराष्ट्रीय सहयोग एवं सहभागिता संस्थान की तरफ से आयोजित 'दक्षिण एशिया में आतंकवाद क्षेत्रीय शांति व सुरक्षा के लिए चुनौतियां' विषयक संगोष्ठी में यह कहा गया। सीमापार आतंकवादी गतिविधियां रोकने, धनशोधन पर अंकुश लगाने के साथ ही दक्षिण एशिया के आतंकवादी कृत्यों की निंदा की गई। लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकवादी संगठनों के नेपाल को पारगमन के तौर पर प्रयोग करने पर भी चिंता व्यक्त की गई।

आतंकवाद केवल एशियाई देशों की विकराल समस्या नहीं है। यह वैश्विक संकट है। ताकतवर देशों से ऐसी नीतियां लागू करने को कहा जा रहा है, जिनके बल पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आतंकवादी संगठनों से निपटा जा सके। आतंकवादियों के हमले दिनोंदिन घातक होते जा रहे हैं। वे न केवल तकनीकी और अत्याधुनिक प्रशिक्षण देते हैं, बल्कि संगठित रूप से नौजवानों को बरगला कर संगठन में शामिल करते हैं। वैश्विक स्तर पर किए गए अध्ययन मानते हैं कि बीते छह सालों में आतंकवादी घटनाओं में 32 प्रतिशत इजाफा हुआ है। अकेले 2021 के दौरान दुनिया भर में पांच हजार से ज्यादा आतंकी घटनाएं दर्ज की गई जिनमें हजारों मासूम जानें तो जाती ही हैं, दहशत की माहौल भी बढ़ता है। ढेरों परिवार उजड़ जाते हैं। 2018-21 के दरम्यान अकेले भारत में आठ हजार के करीब जान गई। दक्षिण एशियाई देश यूं भी आर्थिक तौर पर समृद्ध नहीं हैं।

यहां सीमापार उग्रवाद को रोकना बड़ी चुनौती है। खासकर भारत के लिए पाकिस्तान जैसे मुल्क में चल रहे आतंकी संगठनों से बड़ा खतरा है, जो बड़ी संख्या में आतंकियों को घुसपैठ कराने का जाल मजबूत करता रहता है। भूलना नहीं चाहिए कि आतंकियों को कानूनी भय नहीं दिखाया जा सकता। उसके लिए बगैर किसी राजनीतिक हस्तक्षेप के सेना व स्थानीय पुलिस को काम करने की आजादी दी जानी जरूरी है। धनशोधन को लेकर भी पर्याप्त सतर्कता जरूरी है। जब तक आतंकियों को मिलने वाली आर्थिक मदद की कड़ी नहीं तोड़ी जाती, उनके हौंसले परास्त करने में दिक्कत आती रहेगी। आतंकवादियों के प्रत्यर्पण को लेकर भी दुनिया भर की सरकार को आपसी सहमति व लचीलेपन का रुख इख्तियार करना होगा।

राशिफल

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। आज कुछ लोग आपसे किसी विषय पर राय मांग सकते हैं, आप उनकी हेल्प करेंगे। आज आप पारिवारिक माहौल को खुशनुमा बनाने का प्रयास करेंगे। साथ ही जीवनसाथी का सहयोग रहेगा। किसी को दिया हुआ धन आज आपको वापस मिलेगा, जिसका उपयोग आप बिजनेस में कर सकते हैं।

वृष राशिः आज आप दिन की शुरुआत किसी नेक काम के साथ करेंगे। आज आपके व्यवहार में थोड़ा लचीलापन आएगा, आप लोगों के साथ विनम्रता से बात करेंगे। आज जरूरी कार्यों को पूरा करने का दिन हैं, इसलिए अपने आलस्य को त्यागकर काम में जुट जाएं। जिन व्यक्तियों के सरकारी कार्यों में रुकावट आ रही थी, आज वो किसी की मदद से पूरे हो जायेंगे।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक ठाक रहेगा। व्यापार में लेन देन करते समय डॉक्यूमेंट अच्छे से चेक कर लें, जिससे बाद में कोई कंफ्यूजन न हो। स्पोर्ट्स खेलने वालों को आज कोच का साथ मिलेगा, जिससे उनकी खेलने की क्षमता में परिप[ता आयेगी। आज आप अपने घर में फर्नीचर का काम शुरू करवा सकते हैं, जिससे घर की खूबसूरती बढ़ जाएगी।

कर्क राशिः आज आपका दिन नई संभावनाएं लेकर आया हैं, जिनका लाभ उठाकर आप जीवन में तरक्की कर सकते हैं, जिन लोगों को रोजगार की तलाश है, उनको आज किसी संस्था में काम करने का मौका मिलेगा, जो लोग एक्टिंग में करियर बनाना चाहते हैं, तो आज आपको सुनहरे अवसर मिलने के संकेत बन रहे हैं।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए मिला जुला रहेगा, जो व्यक्ति किसी रोजगार की तलाश में हैं, आज उनको किसी के माध्यम से काम मिलेगा। इस राशि के कला और लेखन के क्षेत्र से जुड़े हुए व्यक्तियों को आज मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। आज जीवनसाथी के साथ किसी विशेष मुद्दे पर बात होगी, वो बच्चों के भविष्य से भी जुड़ी हो सकती है।

कन्या राशिः आज आपका दिन अच्छे मूड से शुरू होने वाला है। कुछ दिनों से चल रही माता-पिता की नाराजगी, आज आपसे खत्म होगी। राजनीति व सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए दिन फेवरेबल रहेगा। महिलाओं के लिए दिन शानदार रहेगा। बिजनेसमैन आज कोई जरूरी मीटिंग अटेंड कर सकते हैं।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आपको बिजनेस में बढ़िया धन लाभ होगा, भौतिक सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी। परिवार में खुशियाँ आएंगी, आप जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने जा सकते हैं। अगर आपको नॉवेल पढ़ने का शौक है, तो आज आप अच्छी बुक पढ़ सकते हैं। आज किसी जिम्मेदारी का निर्वहन आप बहुत अच्छे से करेंगे, जिससे आपकी तारीफ होगी।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन व्यस्तताओं से भरा रहेगा। प्राइवेट नौकरी में कार्यरत व्यक्तियों को आज दुगुना काम करना पड़ सकता है, लेकिन किसी सहयोगी से मदद भी मिलेगी। इस राशि की महिलाएं आज अपने मनपसंद कार्य को करने में वक्त व्यतीत करेंगी, जिससे उनको खुशी मिलेगी। आज आपके घर पर किसी मेहमान का आगमन हो सकता है, उनके साथ बैठकर आप बातें करेंगे आपको अच्छा लगेगा।

धनु राशिः आज का दिन आपके अनुकूल होगा। जो व्यक्ति होटल मैनेजमेंट का कोर्स कर चुके हैं, आज वो अपना होटल ओपन करने का विचार कर सकते हैं। आज आपको किसी काम के सिलसिले में दूसरे शहर जाना पड़ सकता हैं, जिसकी वजह से थोड़ी ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए लाभप्रद रहेगा। आज आपको व्यापारिक दृष्टी से बढ़िया धन लाभ होगा , आपके व्यावसायिक रिश्ते भी अच्छे रहेंगे। आज काम के बाद आप परिवार के साथ बैठकर कुछ समय बितायेंगे, जिससे मन को सुकून मिलेगा। छात्र आज किसी नए कोर्स को ज्वॉइन करने का विचार करेंगे, जिसमें उनको शिक्षक का सहयोग मिलेगा।

कुम्भ राशिः आज का दिन आप अपने हिसाब से बिताएंगे। आज आपको अधिकतर कार्यों में सफलता मिलेगी, जिससे आप अन्य कार्यों पर भी ध्यान दे पायेंगे। इस राशि के जो लोग सामाजिक कार्यों में रुचि रखते हैं, उनको किसी एनजीओ से जुड़कर काम करने का अवसर मिलेगा।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आपकी कारोबारी गतिविधियाँ सुचारू रूप से चलती रहेंगी, आज कम मेहनत में ज्यादा लाभ मिलेगा। आज आप फैमिली के साथ कहीं पिकनिक मनाने जा सकते हैं, बच्चों को भी खुशी मिलेगी। आज आपको किसी कोर्ट केस में बड़ी राहत मिलने की संभावना बन रही है, जिससे आपकी उलझन दूर होगी।

अनपेक्षित कतई नहीं मतदाता सूची पुनरीक्षण

//अवधेश कुमार//

बिहार में विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण या इंटेंसिव रिवीजन का इलेक्टरल रोल जिस तरह विरोध और हंगामा का विषय बना है वह अनपेक्षित कतई नहीं है। कांग्रेस पार्टी और अनेक भाजपा विरोधी दल, एक्टिविस्ट, पत्रकार, एनजीओ आदि काफी समय से चुनाव आयोग विरोधी तीखा अभियान चला रहे हैं। राहुल गांधी तो पुनरीक्षण आरंभ होने के पहले से ही आरोप लगा रहे हैं कि हेर-फेर कर भाजपा को जिताने का काम चुनाव आयोग करेगा। विरोधी बार-बार आयोग के विरुद्ध उच्चतम न्यायालय जाते और निराश वापस आते हैं।

उच्चतम न्यायालय ने इस बार भी पुनरीक्षण प्रक्रिया रोकने की उनकी अपील खारिज कर दिया। हालांकि आगे वह सुनवाई के लिए सहमत हुआ है। सुनवाई के एक दिन पहले इंडिया गठबंधन की ओर से राहुल गांधी और तेजस्वी यादव के नेतृत्व में बिहार की राजधानी पटना में चुनाव आयोग के कार्यालय तक मार्च किया गया। चुनाव आयोग का विज्ञापन कहता है कि गणना प्रपत्र भरने की अवधि 25 जून से 26 जुलाई है और मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशन 1 अगस्त , 2025 को होगा। दावे और आपत्तियों की अवधि 1 अगस्त से 1 सितम्बर, 2025 है और अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 30 सितम्बर, 2025 को किया जाएगा। इसका अर्थ हुआ कि किसी का नाम छूट गया तो दावा करने के लिए एक महीने का समय है।तो बिना देखे कि किसका नाम जुड़ा, नहीं जुड़ा इस तरह के विरोध का औचित्य क्या है। आयोग पर पहला आरोप है कि वह इतनी जल्दी बड़े प्रदेश के मतदाताओं की सूची कैसे बना लेगा। जब 2002 में मतदाता सूची का बिहार में पुनरीक्षण हुआ था तब 15 जुलाई से 14 अगस्त यानी वर्तमान के अनुसार ही 31 दिन का समय था। क्या 22-23 वर्ष के बाद मतदाता सूची की गहनता से जांच-परख नहीं होनी चाहिए? अगर चुनाव आयोग ने इसके लिए आवश्यक जनसंपर्क और आधार कार्य नहीं किया तो आलोचना होगी। मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा है कि पिछले 4 महीने में प्रत्येक विधानसभा, जिला में सर्वदलीय बैठक की गई और लगभग 5 हजार ऐसी बैठकों में 28 हजार लोगों ने भाग लिया।आयोग ने लगभग 80 हजार बीएलओ या बूथ लेवल ऑफिसर नियुक्त किए हैं जो मतदाताओं के घर पहुंच रहे हैं। राजनीतिक दलों ने भी 1.54 लाख बूथ लेवल एजेंट बनाए हैं। भारी संख्या में स्वयंसेवक भी सक्रिय हैं। कुल 16 करोड़ इन्यूमरेशन फॉर्म प्रकाशित किए गए। एक फॉर्म रिसिप्ट के रूप में मतदाता के पास रहेगा और दूसरा बीएलओ रखेंगे। ऑनलाइन पोर्टल पर भी फॉर्म जमा करने की व्यवस्था है। इसलिए यह नहीं कह सकते कि ड्राइव बिल्कुल अव्यावहारिक है। पहचान सुनिश्चित करने पर चुनाव आयोग के जोर का सबसे तीखा विरोध हो रहा है। पहले कुछ तथ्य पर बात करें। 1 जनवरी, 2003 की सूची में मतदाताओं की संख्या 4 करोड़ 96 लाख थी। वर्तमान में यह संख्या 7 करोड़ 89 लाख है। तो लगभग 2 करोड़ 93 लाख मतदाताओं को ही पहचान सुनिश्चित करनी होगी। जिन मतदाताओं के नाम 2003 में है उसके अलावा जिनका नाम आया उनको ही जन्मतिथि, जन्म स्थान आदि साबित करने वाले दस्तावेज देने होंगे। उनमें भी माता-पिता का नाम 2003 मतदाता सूची में है तो माता-पिता की पहचान साबित करने के लिए दस्तावेज देने की आवश्यकता नहीं। केवल 2003 वाली मतदाता सूची के उस हिस्से की कॉपी बीएलओ को देनी होगी जिसमें उनके माता-पिता का नाम लिखा है। जिनके नाम 2003 में हैं उन्हें केवल उसकी फोटो कॉपी बीएलओ को फॉर्म जमा करते समय देनी है जिसमें उनका नाम है। क्या 2003 की मतदाता सूची में नाम न होने वाले के पास अगर जन्मतिथि तथा जन्म स्थान साबित करने के प्रमाण नहीं हो तो नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं होगा।

इसकी आशंका है। पर आयोग का कहना है कि दस्तावेजविहीन व्यक्ति की भारतीय पहचान को सुनिश्चित करने का काम क्षेत्र के एसडीम करेंगे और उनके कागजात का पता लगाने के लिए वालंटियर नियुक्त किए गए हैं। बिहार में चुनाव आयोग ने यह डरावनी जानकारी दी है कि पुनरीक्षण में ऐसे विदेशी नागरिक मिले जो मतदाता बन चुके हैं। उनकी जानकारी गृह मंत्रालय को दी जा रही है और नागरिकता सुनिश्चित होने के बाद ही तय होगा कि वे मतदाता रहेंगे या नहीं। राजनीतिक दलों ने इस पर भी तूफान खड़ा कर दिया। निन्संदेह, आधार कार्ड या राशन कार्ड बनवाना आसान नहीं होता। इसलिए चिंता का विषय है कि यह हमारी नागरिकता का प्रमाण पत्र नहीं है। बिहार के भारी मुसलमान जनसंख्या वाले चार सीमांचल जिलों में आधार कार्ड के आंकड़े हैरत में डालते हैं।

बिहार में औसत आधार कार्ड आबादी के 94 फीसद है। किशनगंज में 68 प्रतिशत मुस्लिम आबादी है और आधार सैचुरेशन 126 प्रतिशत है, कटिहार (44 प्रतिशत) में 123त्न, अररिया (43प्रतिशत) में 123प्रतिशत, और पूर्णिया (38 प्रतिशत) में 121 प्रतिशत आधार सैचुरेशन है। आबादी से अधिक आधार कार्ड कैसे बने हुए हैं। पिछले वर्ष अररिया में एक बंगलादेशी घुसपैठियों पकड़ा गया जिसके पास पश्चिम बंगाल के 24 परगना से बना आधार कार्ड और मतदाता पहचान पत्र था। बांग्लादेशी घुसपैठियों की लड़ाई केवल असम और बंगाल में नहीं बिहार के इन सीमांचल जिलों में भी रही है। क्या विरोधियों के दबाव में उन सबकी जांच नहीं होनी चाहिए। संविधान की धारा 326 चुनाव आयोग को भारतीय नागरिकों को मतदाता के रूप में अंकित करने का अधिकार देता है। हालांकि नागरिकता की पहचान चुनाव आयोग की जिम्मेवारी नहीं है। इसीलिए उसने गृह मंत्रालय को मामला स्थानांतरित किया है। विरोधी चाहे इसे एनआरसी यानी राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर को परोक्ष रूप से लागू करना माने या कुछ और किंतु भारतीय नागरिकों तक ही मतदान की व्यवस्था और पूरी मतदान प्रणाली की शुचिता तथा भारतीय सुरक्षा व्यवस्था की दृष्टि से सतर्कता आवश्यक है। एक बार मतदाता सूची का प्रारूप आ जाने दीजिए और देखिए कि कितने लोग पात्र लोग इससे वंचित होते हैं। अगर संख्या बहुत ज्यादा होती है तो उसके लिए आवश्यक कदम उठाए जाने चाहिए। जहां एक भी पात्र नागरिक सूची में स्थान पाने से वंचित नहीं हो वही एक भी अपात्र उसमें शामिल नहीं हो यह भी आयोग, राजनीतिक दलों, प्रशासन और हम सबका दायित्व है।

मोबाइल के जरिए ई-मतदान

//प्रमोद भार्गव//

देशमें मतदान के प्रति अरुचि प्रत्येक चुनाव में देखने में आती रही है। रोगग्रस्त या लाचारों को तो छोड़िए, उच्च शिक्षित वर्ग भी मतदान के प्रति सबसे ज्यादा उदासीन रहता है। वैसे तो निर्वाचन आयोग मतदान का प्रतिशत और सुविधापूर्ण मतदान के लिए अनेक प्रयोग करता रहा है, लेकिन अब बिहार राज्य निर्वाचन आयोग ने नगर निकाय के उपचुनाव में पहली बार ई-वोटिंग का प्रयोग करके इतिहास रच दिया है। मोबाइल से ई-मतदान की सुविधा के चलते बिहार के इस चुनाव में 80.60 प्रतिशत और उपचुनाव में 58.38 प्रतिशत मतदाताओं ने मोबाइल के जरिए मतदान किया। पहली महिला ई-वोटर विभा कुमारी और पहले पुरुष मतदाता मुन्ना कुमार बने। राज्य निर्वाचन आयुक्त डॉ. दीपक प्रसाद ने मोबाइल से ई-मतदान कराए जाने की प्रेरणा यूरोपीय देश एस्टोनिया से ली थी।

चूंकि अब ई-वोटिंग का सफल प्रयोग हो चुका है, इसलिए भविष्य में इसका उपयोग बढ़ेगा। जो गर्भवती महिलाएं, बुजुर्ग, विकलांग, असाध्य रोगों से ग्रसित और अपने मतदान स्थल से दूर रहने वाले लोग मतदान से वंचित रह जाते थे, उन्हें अब लोकतंत्र के इस महायज्ञ में भागीदार बनने की आसान सुविधा मिल जाएगी। समस्या का सामाधान बिना अतिरिक्त खर्च के हो जाएगा। चूंकि मतदान केंद्रों पर विभिन्न दलों का जमावड़ा नहीं होगा इसलिए निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान की संभावना बढ़ जाएगी। मतदान की निजता भी प्रभावित नहीं होगी। मतदान के प्रतिशत में आशातीत सुधार तो होगा ही जातीय और सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की संभावनाएं भी न्यूनतम हो जाएंगी। ई-वोटिंग का काम पूर्वी चंपारण जिले की नगर पंचायत पकड़ी दयाल के अलावा पटना, बक्सर, रोहतास, सारण और बांका में सी-डैक और एसईआर के जरिए किया गया था।

बिहार के उपचुनाव में मोबाइल एप से ई-वोटिंग की प्रक्रिया प्रमाणित हो चुकी है। ई-वोटिंग को इसलिए भी अपनाया जाए क्योंकि पोस्टल वोटिंग का वैधानिक प्रावधान पहले से ही है। मतदान संपन्न कराने में जुटे कर्मचारी अपना वोट पोस्टल वोटिंग के जरिए ही देते हैं। अब कोई राजनीतिक दल और नेता बहाना नहीं बना सकता है कि इंटरनेट या बिजली की सुविधा दुर्गम क्षेत्रों में नहीं है। बिजली भले ही प्रत्येक गांव में न हो, लेकिन सौर ऊर्जा से बिजली और मोबाइल टॉवर गांव-गांव पहुंच गए हैं। इनके जरिए इंटरनेट की सुविधा हासिल कराई जा रही है। सौर जैसी वैकल्पिक ऊर्जा दूरदराज के गांवों में बिजली उपलब्ध करा रही है। फिर भी किसी गांव में बिजली नहीं है तो वहां ईवीएम के जरिए मतदान कराया जाए। हालांकि मोबाइल से ई-वोटिंग को लेकर कुछ नेता संदेह जता रहे हैं। उनका कहना है कि मोबाइल एप पर पंजीकरण में कठिनाई आएगी। गांव के प्रभावीशाली लोग दबाव बना कर फर्जी मतदान भी करा सकते हैं।   चुनाव विशेषज्ञों का मानना है कि 45 करोड़ लोग पलायन के चलते मतदान से वंचित हो जाते हैं। इस नजरिए से प्रवासियों के लिए ई-वोटिंग उपयोगी है। हालांकि चुनाव सुधार की दृष्टि से चुनाव आयोग ने घर से दूर रहने वाले अर्थात दूरस्थ मतदाताओं के लिए रिमोट वोटिंग सिस्टम (आरवीएस) तैयार किया है। इस मशीन की मदद से मूल मतदान स्थल से दूर दूसरे राज्य या शहर में रहने वाले मतदाता लोक सभा और विधानसभा चुनाव में मत का प्रयोग कर सकते हैं यानी मतदान के लिए उन्हें अपने मूल निवास स्थल पर आने की जरूरत नहीं रह गई हैं। आयोग द्वारा इसे लागू करने से पहले आने वाली कानूनी, प्रशासनिक और तकनीकी चुनौतियों पर राजनीतिक दलों के विचार भी आमंत्रित किए जाएंगे। चुनाव सुधार की दृष्टि से यह पहल अमल में आती है तो ऐतिहासिक होगी। नतीजतन, उन 45 करोड़ लोगों को वोट डालने का अवसर मिलेगा जो अपने घरों से दूर रहते हैं।

अनेक चुनाव विशेषज्ञ इस प्रणाली को क्रांतिकारी पहल मान रहे हैं। बेशक, आरवीएम की परिकल्पना क्रांतिकारी है। आईआईटी, मद्रास की मदद से 'मल्टी कॉन्स्टीचुएंसी रिमोट ईवीएम' के रूप में ऐसा मतदान उपकरण तैयार किया गया है, जो एक रिमोट मतदान केंद्र से 72 निर्वाचन क्षेत्रों में प्रवासियों का मतदान कराने में सक्षम होगा। लोकतंत्र की मजबूती के लिए आदर्श स्थिति यही है कि हरेक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करे। इस नाते 2005 में भाजपा के एक सांसद लोक सभा में 'अनिवार्य मतदान' संबंधी विधेयक लाए भी थे लेकिन समर्थन नहीं मिल पाने के कारण यह विधेयक पारित नहीं हो सका। कांग्रेस और अन्य दलों ने इस विधेयक के विरोध का कारण बताया था कि दबाव डाल कर मतदान कराना संविधान की अवहेलना है क्योंकि संविधान में मतदान करना मतदाता का स्वैच्छिक अधिकार तो है, लेकिन वह इस कर्त्तव्य-पालन के लिए बाध्यकारी नहीं है। लिहाजा, वह इस राष्ट्रीय दायित्व को गंभीरता से न लेते हुए उदासीनता बरतता है।

हमारे यहां आर्थिक रूप से संपन्न-सुविधा भोगी जो तबका है, वह अनिवार्य मतदान को संविधान में दी निजी स्वतंत्रता में बाधा मानते हुए इसका मखौल उड़ाता है। मतदान की अनिवार्यता अथवा ई-वोटिंग या आरवीएम से सुविधा का मतदान कथित अल्पसंख्यक व जातीय समूहों को 'वोट बैंक' की लाचारगी से भी छुटकारा दिलाएगा। राजनीतिक दलों को भी तुष्टिकरण की राजनीति से निजात मिलेगी क्योंकि जब प्रवासियों को आरवीएम से मतदान की सुविधा मिल जाएगी तो किसी धर्म, जाति या क्षेत्र विशेष से जुड़े मतदाताओं की अहमियत खत्म हो जाएगी। नतीजतन, उनका संख्या बल जीत-हार को प्रभावित नहीं कर पाएगा। लिहाजा, सांप्रदायिक और जातीय आधार पर ध्रुवीकरण की जरूरत नगण्य हो जाएगी। जब पंजाब और जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद की छाया थी, तब वहां हुए विधानसभा चुनावों में 15 से 20 प्रतिशत मतदान से ही सरकारें बनती रही हैं। साफ है कि यह स्थिति लोकतंत्र के लिए उचित नहीं है। अधिकतम मतदान के हालात ई-वोटिंग एवं आरवीएम के इस्तेमाल से निर्मित होते हैं, तो भारतीय राजनीति संविधान के उस सिद्धांत का पालन करती दिखेगी जो सामाजिक न्याय और समान अवसर की बात कहता है।

ट्रंप प्रशासन की टैरिफ युद्ध

अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के साथ ही दुनिया के लगभग समस्त देशों के साथ ट्रंप प्रशासन द्वारा टैरिफ युद्ध की घोषणा कर दी गई है। अमेरिका में विभिन्न देशों से होने वाले आयात पर भारी भरकम टैरिफ लगाकर एवं टैरिफ की दरों में बार-बार परिवर्तन कर तथा इन टैरिफ की दरों को लागू करने की तिथि में परिवर्तन कर ट्रंप प्रशासन टैरिफ युद्ध को किस दिशा में ले जाना चाह रहा है, इस संबंध में अब स्पष्टता का पूर्णत। अभाव दिखाई देने लगा है। ट्रंप द्वारा कई बार घोषणा की गई है कि भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौता शीघ्र ही संपन्न किया जा रहा है। अमेरिका एवं भारत के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के उद्देश्य से भारतीय प्रतिनिधिमंडल अमेरिका में गया था तथा निर्धारित समय सीमा से अधिक समय तक वहां रहा एवं ऐसा कहा जा रहा है कि द्विपक्षीय समझौते के अंतिम रूप को अमेरिकी राष्ट्रपति के समक्ष प्रस्तुत किया जा चुका है परंतु अभी तक अमेरिका द्वारा अमेरिका एवं भारत के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते की घोषणा नहीं की जा रही है।हालांकि, इस बीच अमेरिका द्वारा कई देशों के विरुद्ध टैरिफ की दरों को बढ़ा दिया गया है। विशेष रूप से जापान एवं दक्षिणी कोरिया से अमेरिका को आयात होने वाली वस्तुओं पर 1 अगस्त, 2025 से 25 प्रतिशत की दर से टैरिफ लगाया जाएगा। इसी प्रकार, 12 अन्य देशों से अमेरिका में होने वाले आयात पर भी टैरिफ की बढ़ी हुई नई दरें लागू किए जाने का प्रस्ताव किया गया है।इस संबंध में अमेरिकी राष्ट्रपति ने इन 14 देशों के राष्ट्रोध्यक्षों को पत्र भी लिखा है। इस सूची में भारत का नाम शामिल नहीं है। पूर्व में अमेरिका द्वारा चीन से आयात होने वाले उत्पादों पर भारी-भरकम टैरिफ की घोषणा की गई थी। चीन ने भी अमेरिका से होने वाली आयातित वस्तुओं पर लगभग उसी दर पर टैरिफ लागू करने की घोषणा कर दी थी। चीन ने विभिन्न देशों को दुर्लभ खनिज पदाथरे (रेयर अर्थ मिनरल) के निर्यात पर रोक लगा दी थी। अमेरिका में चीन के इस निर्णय का बहुत गहरा प्रभाव पड़ा था जिसके दबाव में अमेरिका ने चीन के साथ व्यापार समझौता करते हुए चीन से आयात होने वाली विभिन्न वस्तुओं पर टैरिफ की दरों को तुरंत कम कर दिया।

अमेरिका द्वारा इसी प्रकार का एक द्विपक्षीय व्यापार समझौता ब्रिटेन के साथ भी संपन्न किया जा चुका है। पूर्व में, ट्रंप प्रशासन ने 90 दिवस की अवधि में 90 देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते करने की बात कही थी तथा 90 दिवस की समयावधि 9 जुलाई को समाप्त होने के पश्चात भी केवल दो देशों ब्रिटेन एवं चीन के साथ ही द्विपक्षीय व्यापार समझौता संपन्न हो सका है। भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया जा चुका है परंतु इसकी अभी तक घोषणा नहीं की गई है। द्विपक्षीय समझौते के लिए शेष देशों पर दबाव बनाने की दृष्टि से ही इन देशों से अमेरिका को होने वाले आयात पर टैरिफ की दरों को एक बार पुनः बढ़ाए जाने का प्रस्ताव है, और इन बढ़ी हुई दरों को 1 अगस्त, 2025 से लागू करने की योजना बनाई गई है। वैश्विक स्तर पर अमेरिका द्वारा छेड़े गए इस टैरिफ युद्ध से निपटने के लिए भारत एक विशेष रणनीति के अंतर्गत कार्य करता हुआ दिखाई दे रहा है।

तस्वीरों की दुनिया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद भवन, नई दिल्ली में संसद के मानसून सत्र से पहले मीडिया को संबोधित किया।

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में मानसून के मौसम में उफनती गंगा नदी के कारण आस-पास के इलाके जलमग्न हो गए।

बिहार विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन पटना में कांग्रेस विधायकों ने विरोध प्रदर्शन किया।

जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में वैष्णो देवी मंदिर जाने वाले पुराने मार्ग पर भूस्खलन के बाद मरम्मत कार्य जारी है।

कोलकाता में टीएमसी समर्थक पार्टी की शहीद दिवस रैली में हिस्सा लेते हुए।

प्रयागराज में पवित्र श्रावण मास के दूसरे सोमवार को एक मंदिर में पूजा-अर्चना करते श्रद्धालु।

जम्मू-कश्मीर के रियासी ज़िले में वैष्णो देवी मंदिर जाने वाले पुराने रास्ते पर भूस्खलन के बाद बचाव अभियान जारी है।

प्रधानमंत्री उन्हें मनाएं, सिर्फ स्वास्थ्य ही वजह नहीं..., उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे पर जयराम रमेश ने क्या कहा ?

नईदिल्ली, 22 जुलाई [एजेंसी]।

मानसून सत्र के पहले ही दिन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने सोमवार की शाम अचानक पद से इस्तीफे की घोषणा कर दी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को भेजे गए पत्र में धनखड़ ने इस्तीफे के लिए खराब स्वास्थ्य को कारण बताया है। बहरहाल राजनीतिक गलियारे में कयासों का बाजार गर्म हो गया है।उनके इस्तीफे के बाद सियासी हलचल तेज हो गई है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश शाने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उनके इस्तीफे को लेकर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा, मैं आज शाम 5 बजे तक उनके साथ था। उस समय कई अन्य सांसद भी मौजूद थे। शाम 7 बजकर 30 मिनट पर मेरी उनसे फोन पर बातचीत भी हुई थी। निस्संदेह उपराष्ट्रपति धनखड़ को अपनी सेहत को प्राथमिकता देनी चाहिए। लेकिन उनका यह इस्तीफा पूरी तरह से अप्रत्याशित है। मामला सिर्फ स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है।

हालांकि, अभी अनुमान लगाने का समय नहीं है। कांग्रेस सांसद ने आगे कहा, उपराष्ट्रपति धनखड़ ने सरकार और विपक्ष दोनों को समान रूप से आड़े हाथों लिया था। उन्होंने कल दोपहर 1 बजे बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक बुलाई थी। साथ ही वे न्यायपालिका से जुड़े कुछ बड़े एलान भी करने वाले थे। हम उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना करते हैं, लेकिन उनसे आग्रह करते हैं कि वे अपने फैसले पर दोबारा विचार करें।साथ ही हम प्रधानमंत्री से अपेक्षा करते हैं कि वे भी उपराष्ट्रपति धनखड़ को अपना मन बदलने के लिए मनाएं। यह देशहित में होगा। खासकर किसान समुदाय को इससे बड़ी राहत मिलेगी। कपिल सिब्बल ने भी उनके इस्तीफे पर चिंता जाहिर की। समाचार एजेंसी एएनआई से बातचीत करते हुए कहा, मैं उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं क्योंकि मैं बेहद दुखी हूं। मेरा उनके साथ बहुत अच्छा रिश्ता रहा है। मैं उन्हें पिछले 30-40 वर्षों से जानता हूं। हम एक साथ कोर्ट में पेश भी हुए हैं और एक-दूसरे के खिलाफ भी खड़े हुए हैं। हमारे बीच एक खास तरह की आत्मीयता और समझ थी. मैंने हमेशा उनका सम्मान किया और उन्होंने भी मुझे सम्मान दिया।

जयराम रमेश के अलावा, कांग्रेस नेता कुंवर अली दानिश ने भी जगदीप धनखड़ के इस्तीफा पर सवाल खड़े किए। उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, 75 साल पूरे होने से पहले ही उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का अचानक इस्तीफा आरएसएस संगठन की तरफ से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक बार फिर साफ इशारा है। सियासी गलियारों में ये चर्चा तेज है धनखड़ जी के इस्तीफे के बाद, क्या योगी आदित्यनाथ को उपराष्ट्रपति बनाने की तैयारी चल रही है। इसी साल बजट सत्र के दौरान अचानक तबीयत खराब होने के कारण जगदीप धनखड़ को दिल्ली के एम्स में भर्ती कराया गया था। हृदय से जुड़ी बीमारी के इलाज के बाद धनखड़ वापस काम पर लौट आए थे। उसके बाद सफलतापूर्वक सदन की कार्यवाही का संचालन भी किया था। इतना ही नहीं सोमवार को भी धनखड़ संसद से जुड़ी कार्यवाही में सक्रिय रूप से शामिल हुए थे। ऐसे में स्वास्थ्य कारणों की वजह से इस्तीफा देने किसी को हजम नहीं हो रहा।

गीता गोपीनाथ का आईएमएफ से इस्तीफा, दोबारा हावर्ड विश्वविद्यालय लौटेंगी

वॉशिंगटन। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की उप प्रबंध निदेशक गीता गोपीनाथ ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने एलान किया कि वो दोबारा हावर्ड विश्वविद्यालय लौटना चाहती हैं। हालांकि, उन्होंने विस्तार से इस बात की जानकारी नहीं दी है कि उनकी हावर्ड विश्वविद्यालय में क्या भूमिका रहेगी।आईएमएफ ने जानकारी दी कि उचित समय पर गोपीनाथ के उत्तराधिकारी की घोषणा की जाएगी। आईएमएफ की नंबर-2 की कुर्सी संभालने वालीं गीता पहली महिला हैं। गीता गोपीनाथ पहली महिला हैं, जो आईएमएफ की चीफ इकोनॉमिस्ट बनींभारतीय मूल की गीता गोपीनाथ का जन्म 8 दिसंबर 1971 को पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में हुआ था। हालांकि, उनके माता-पिता केरल के कन्नूर से ताल्लुक रखते थे।उनकी शुरुआती पढ़ाई कर्नाटक के मैसूर स्थित निर्मला कॉन्वेंट स्कूल से हुई। स्कूली शिक्षा प्राप्त करने के बाद उन्होंने दिल्ली विश्वाद्धालय के लेडी श्रीराम कॉलेज से इकोनॉमिक्स में बीए ऑनर्स किया। इसके बाद उन्हें दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से अर्थशास्त्र में एमए किया। फिर वो अमेरिका चलीं गईं। वॉशिंगटन में उन्होंने प्रिंसटन यूनिवर्सिटी से 1996-2001 में पीएचडी की। कोरोना महामारी के दौरान दुनिया को आर्थिक मंदी से बाहर निकालने में गीता ने अहम भूमिका निभाई।

पाकिस्तान के परमाणु ठिकाने पर भारत ने क्यों किया था हमला, रक्षा विशेषज्ञ ने किया खुलासा

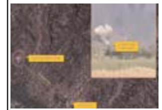

नई दिल्ली। जाने-माने रक्षा विशेषज्ञ डेमियन साइमन ने गूगल अर्थ के अपडेटेड डाटा का हवाला देते हुए दावा किया है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने पाकिस्तान को चेतावनी देने के लिए किराना हिल्स पर हमला किया था। माना जाता है कि किराना हिल्स के अंदर घनी गुफाओं में पाकिस्तानी सेना अपने परमाणु हथियार जमा करती है। बहरहाल, भारतीय सेना ने इस बात से इनकार किया है कि उसने पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के सरगोधा जिले में किराना हिल्स को निशाना बनाया था। साइमन एक भू-खुफिया शोधकर्ता और ओपन सोर्स इंटेलिजेंस (ओएसआइएनटी) विशेषज्ञ हैं जो इंटेल लैब में अपने काम के लिए जाने जाते हैं।उन्हें संघर्ष-क्षेत्रों विशेष रूप से भारत-पाकिस्तान क्षेत्र में संबंधित दावों की पुष्टि या खंडन करने के लिए सैटेलाइट इमेज और सार्वजनिक रूप से उपलब्ध आंकड़ों का विश्लेषण करने के लिए जाना जाता है।उनके अनुसार, सैटेलाइट इमेज से पता चलता है कि भारत ने पाकिस्तान के किराना हिल्स पर हमला किया। हालांकि, एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने सुझाव दिया कि इमेज से संकेत मिलता है कि यह बिना किसी भूमिगत प्रभाव के सिर्फ एक चेतावनी भरा हमला था।गौरतलब है कि मई में भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष के दौरान चकलाला स्थित नूर खान एयरबेस पर किए गए हमले के साथ-साथ भारत के जवाबी प्रहार के बाद पाकिस्तान ने संघर्ष विराम का आह्वान किया था। एयर मार्शल एके भारती ने 12 मई को तीनों सेनाओं की ब्रीफिंग के दौरान एक पत्रकार के सवाल का जवाब देते हुए कहा था, हमने किराना हिल्स या वहां जो कुछ भी है, उस पर हमला नहीं किया है।साइमन ने गूगल अर्थ पर पाकिस्तान के सरगोधा क्षेत्र की एक तस्वीर साझा की जिसके बारे में उन्होंने दावा किया कि यह जून, 2025 में अपडेट की गई थी। उन्होंने 18 जुलाई को एक्स पर एक पोस्ट किया, पाकिस्तान के सरगोधा क्षेत्र की गूगल अर्थ से जून, 2025 में ली गई तस्वीरों का अपडेट दिखाता है - मई, 2025 में किराना हिल्स पर भारत के हमले का प्रभाव स्थान, और मई, 2025 में भारत के हमलों के बाद सरगोधा एयरबेस पर मरम्मत किए गए रनवे।

ट्रंप के खिलाफ अदालत पहुंची हावर्ड यूनिवर्सिटी फंडिंग रोके जाने पर जताई आपत्ति

नई दिल्ली। हावर्ड यूनिवर्सिटी ने ट्रंप प्रशासन के खिलाफ अदालत में दरवाजा खटखटाया है। दरअसल, मामला यूनिवर्सिटी के फंड कटौती का है। ट्रंप प्रशासन ने यूनिवर्सिटी को मिलने वाली फंड में 2.6 बिलियन डॉलर की कटौती का फैसला किया है। सरकार के इस फैसले से यूनिवर्सिटी नाराज है।हार्वर्ड का आरोप है कि ट्रंप प्रशासन ने अवैध रूप से राशि में कटौती की। अगर जज एलिसन बरोज विश्वविद्यालय के पक्ष में फैसला सुनाती हैं, तो ट्रंप प्रशासन के उन फैसलों को पलटा जा सकता है, जिनमें पहले फंडिंग को रोका गया और बाद में पूरी तरह से काट दिया गया।हार्वर्ड के पक्ष में फैसला आया तो यहां के वैज्ञानिक मेडिकल रिसर्च सहित उन सैकड़ों प्रोजेक्ट को फिर से शुरू कर सकते हैं, जिन्हें फिलहाल फेडरल फंड मिलना बंद हो गया है। हार्वर्ड का कहना है कि सरकार विश्वविद्यालय के शैक्षणिक फैसलों को नियंत्रित करने के लिए फंड रोक रही है। इसके जवाब में ट्रंप प्रशासन का कहना है कि यह कार्रवाई बदले की भावना से नहीं की गई।हार्वर्ड यूनिवर्सिटी का कहना है कि सरकार विश्वविद्यालयों को यह विकल्प दे रही है कि वे सरकार को अपने शैक्षणिक संस्थानों का प्रबंधन करने दें नहीं तो सरकार चिकित्सा, विज्ञान और नवाचार के क्षेत्र में किए जाने वाले रिसर्च के लिए फंड नहीं देगी।हार्वर्ड के अध्यक्ष एलन गार्बर ने कहा कि कोई भी सरकार यह तय नहीं कर सकती कि विश्वविद्यालय क्या पढ़ा सकते हैं, किसे प्रवेश दे सकते हैं और किसे नियुक्त कर सकते हैं।

उत्तराखंड में यूपी के मरीजों के इलाज के लिए बाध्यता बिना इस कार्ड के Ayushman में नहीं होगा ट्रीटमेंट

देहरादून। प्रदेश के सरकारी और निजी अस्पतालों में अब उत्तर प्रदेश से आने वाले मरीजों को आयुष्मान भारत योजना के तहत मुफ्त इलाज तभी मिलेगा, जब उनके पास श्रमिक कार्ड होगा। यह व्यवस्था सभी अस्पतालों ने लागू कर दी है।उत्तराखंड खासतौर पर देहरादून, हरिद्वार, ऊधमसिंहनगर और पौड़ी जैसे जिलों के अस्पतालों में उत्तर प्रदेश से बड़ी संख्या में मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। पहले इन मरीजों को बिना किसी अतिरिक्त दस्तावेज के आयुष्मान योजना का लाभ मिल जाता था। बीते वर्षों में उत्तराखंड के अस्पतालों में उत्तर प्रदेश के मरीजों द्वारा फर्जी आयुष्मान कार्ड का इस्तेमाल कर इलाज कराने के कई मामले सामने आए। इससे अस्पतालों को भुगतान नहीं मिला और सरकारी खजाने को भी भारी नुकसान उठाना पड़ा।फर्जीवाड़े के कारण उत्तराखंड के कई निजी व सरकारी अस्पतालों ने यूपी के मरीजों का इलाज आयुष्मान योजना के तहत बंद कर दिया था। इसके चलते वास्तविक जरूरतमंद मरीज भी प्रभावित हुए। हालांकि, बाद में सिर्फ आपातकालीन मामलों में छूट दी गई।अब नई व्यवस्था के तहत उत्तर प्रदेश के मरीजों को योजना का लाभ तभी मिलेगा, जब वे श्रमिक कार्डधारी होंगे। दून मेडिकल कालेज अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डा. आरएस. बिष्ट के अनुसार यह व्यवस्था उत्तर प्रदेश के स्तर पर हुई है। अब संबंधित साफ्टवेयर में तभी अप्रूवल मिलता है, जब मरीज का श्रमिक कार्ड पोर्टल पर अपडेट किया गया हो।डा. बिष्ट ने बताया कि दून अस्पताल में हर दिन करीब 65 से 70 मरीज आयुष्मान योजना के अंतर्गत भर्ती होते हैं। इनमें औसतन 10 मरीज उत्तर प्रदेश से होते हैं। अब उन्हें पहले से यह स्पष्ट करना होगा कि उनके पास श्रमिक कार्ड है या नहीं, अन्यथा इलाज के लिए निजी खर्च करना होगा।

मरीजों को रिम्स रेफर करने की आदत छोड़ें, इरफान अंसारी ने सिविल सर्जनों को दे दी चेतावनी, बोले- अगर एंबुलेंस...

रांची। स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने सभी सिविल सर्जनों से सदर अस्पतालों की व्यवस्था में सुधार के सख्त निर्देश दिए हैं।मंगलवार को नामकोम के आईपीएच सभागार में सिविल सर्जनों के साथ हुई समीक्षा बैठक में कहा कि सदर अस्पतालों में व्यवस्था दुरुस्त नहीं होने से मरीजों को रिम्स, रांची रेफर कर दिया जाता है। सिविल सर्जन छोटी बीमारियों में भी मरीजों को रिम्स रेफर करने की आदत छोड़ें। उन्होंने यह भी कहा कि अस्पतालों में चिकित्सकों, दवा और एंबुलेंस की कमी का बहाना नहीं चलेगा।एंबुलेंस नहीं मिलने से किसी मरीज की मौत हुई तो इसके लिए सिविल सर्जन जिम्मेदार होंगे। उन्होंने सभी सदर अस्पतालों में 15 अगस्त तक निशुल्क वाई-फाई की सुविधा बहाल करने के निर्देश दिए। साथ ही मुख्यमंत्री डिजिटल हेल्थ मिशन के तहत 15 सितंबर तक सभी अनुमंडलीय अस्पतालों, 15 अक्टूबर तक सभी सीएचसी तथा 15 नवंबर तक सभी पीएचसी को हाई स्पीड इंटरनेट लीज लाइन व निशुल्क वाई-फाई सुविधा से जोड़ने की समय सीमा भी निर्धारित कर दी।मंत्री ने आयुष्मान भारत योजना के तहत सभी सरकारी अस्पतालों को सूचीबद्ध करने, इसके तहत प्रत्येक सदर अस्पताल को वर्ष में छह करोड़ रुपये की राशि उपार्जित करने के लक्ष्य को पूरा करने के भी निर्देश दिए।

जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रक्रिया शुरू, 145 सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष को सौंपा ज्ञापन

नई दिल्ली। इलाहाबाद हाई कोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया सोमवार दोपहर से शुरू हो गई। जस्टिस यशवंत वर्मा के घर पर जले हुए 500 रुपये के नोटों के ढेर मिले थे, जिसके बाद भारी बवाल देखने को मिला था।दरअसल, सोमवार को सत्तारूढ़ और विपक्षी दलों के 145 सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को एक ज्ञापन सौंपा। एनडीटीवी ने सूत्रों के हवाले से बताया कि कांग्रेस और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) जैसे विपक्षी दलों के सांसदों ने ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए है।जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ लाए जाने वाले महाभियोग प्रस्ताव के ज्ञापन पर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी और उसके सहयोगी दलों, जैसे तेलुगु देशम पार्टी, जनता दल यूनाइटेड और जनता दल सेक्युलर, के सांसदों ने भी ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अब तक हस्ताक्षर करने वालों में भाजपा से पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर, कांग्रेस के राहुल गांधी और शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की सुप्रिया सुले शामिल हैं।जानकारी दें कि स्वतंत्र भारत में पहली बार किसी कार्यरत उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के महाभियोग की अब संसद द्वारा संविधान के अनुच्छेद 124, 217 और 218 के तहत जांच की जाएगी।गौरतलब है कि महाभियोग सर्वोच्च न्यायालय या राज्य उच्च न्यायालय के किसी न्यायाधीश को उसके पद से हटाने से हटाने का एक संवैधानिक प्रक्रिया है। जानकारी दें कि एक बार नियुक्त होने के बाद, न्यायाधीशों को राष्ट्रपति के आदेश के बिना पद से नहीं हटाया जा सकता, जिसके लिए संसद की सहमति आवश्यक होती है। यहां ध्यान देने वाली बात है कि भारतीय संविधान में महाभियोग शब्द का उल्लेख नहीं है, लेकिन न्यायाधीशों को हटाने की प्रकि या न्यायाधीश जाँच अधिनियम, 1968 में उल्लिखित है और दो संवैधानिक प्रावधानों - अनुच्छेद 124 (सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के लिए) और अनुच्छेद 218 (उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों के लिए) में इसका उल्लेख है।

मानसून सत्र के पहले दिन संसद में विपक्ष का हंगामा, अगले हफ्ते पहलगाम -ऑपरेशन सिंदूर पर हो सकती है चर्चा

नई दिल्ली। पहलगाम आतंकी हमले तथा ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा कराए जाने की मांग करते हुए विपक्ष ने लोकसभा में मानसून सत्र के पहले दिन जोरदार हंगामा किया जिसके चलते कार्यवाही पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई।हालांकि इस मुद्दे पर गतिरोध की नौबत टालने के लिए सरकार ने दोनों मुद्दों पर संसद के दोनों सदनों में हफ्ते चर्चा की हामी भर दी है। मगर बहस की तारीख को लेकर पक्ष विपक्ष में अभी सहमति नहीं बनी है।दोनों सदनों की कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में पहलगाम आतंकी हमले तथा ऑपरेशन सिंदूर पर लोकसभा में 16 घंटे तो राज्यसभा में नौ घंटे चर्चा का प्रस्ताव है। विपक्षी इसी हफ्ते चर्चा पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से सदन में इसका जवाब दिए जाने की मांग कर रहा है। वहीं, सरकार का तर्क है कि पीएम मोदी इस हफ्ते विदेश यात्रा पर रहेंगे इसलिए अगले हफ्ते चर्चा कराई जाएगी। अब विपक्ष यह चाहता है कि सरकार सदन में घोषणा करे कि प्रधानमंत्री ही चर्चा का जवाब देंगे। हालांकि नियमानुसार संबंधित मंत्री ही चर्चा का जवाब देते हैं। वहीं, बिहार में चुनाव आयोग के मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण विवाद के विपक्ष के दूसरे मुद्दे पर चर्चा को लेकर सरकार ने अभी किसी तरह का कोई संकेत नहीं दिया है। विपक्षी दलों ने मानसून सत्र के पहले दिन संसद के दोनों सदनों में पहलगाम आतंकी हमले के खिलाफ हुए ऑपरेशन सिंदूर तथा बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण का मुद्दा उठाया। सुबह 11 बजे सदन में पूर्व सदस्यों को श्रद्धांजलि देने के बाद लोकसभा की कार्यवाही शुरू हुई तो कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी सदस्य ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की मांग करते हुए खड़े हो गए।स्पीकर ओम बिरला ने प्रश्नकाल में इसकी अनुमति नहीं देते हुए कहा कि इसके बाद नियमों और परंपराओं के अनुसार वे सदस्यों को मसले उठाने का मौका देंगे। विपक्षी सांसदों को नारेबाजी से रोकते हुए स्पीकर ने उन्हें नसीहत भी दी और इसके बाद सदन 12 बजे तक स्थगित कर दिया। शून्यकाल में भी विपक्षी सदस्य इन दोनों मुद्दों को उठाने की मांग की मगर आसन ने अनुमति नहीं दी तो वेल में आकर नारेबाजी करने लगे।

इस बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विपक्षी बेंच को आश्वासन दिया कि सरकार उन सभी मुद्दों पर लंबी चर्चा के लिए तैयार है जिन पर स्पीकर सहमत होंगे और सरकार सभी सवालों का जवाब देने को भी तैयार है। हंगामे के बीच संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजीजू ने कहा कि कार्यमंत्रणा समिति में विपक्ष अपनी मांग रखे और सरकार उन सभी मुद्दों पर जवाब देने के लिए तैयार है जिन पर अध्यक्ष बीएसी की बैठक में सहमत होंगे। लेकिन मानसून सत्र के पहले दिन नारेबाजी कर सदन को चलने नहीं देना अस्वीकार्य है।सरकार के मंत्रियों के बयान पर नेता विपक्ष राहुल गांधी भी अपनी बात रखने के लिए सीट पर खड़े हुए मगर पीठासीन सभापति जगदंबिका पाल ने सदन में अव्यवस्था का हवाला देते हुए पहले विपक्षी सांसदों को वेल से बाहर निकलने के लिए कहा। मगर विपक्ष अपने रूख पर अडिग रहा तो सदन दो बजे तक स्थगित हो गया।वहीं, दो बजे सदन की बैठक कार्यमंत्रणा समिति की दोपहर ढाई बजे होने वाली बैठक को देखते हुए चार बजे तक स्थगित कर दी गई।

केरल के पूर्व सीएम अच्युतानंदन का निधन, 101 साल की उम्र में ली अंतिम सांस

केरल। केरल के पूर्व मुख्यमंत्री वीएस अच्युतानंदन का सोमवार को तिरुवनंतपुरम के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। वह 101 वर्ष के थे। वह 2006 से 2011 तक मुख्यमंत्री रहे। अच्युतानंदन 2019 में मामूली स्ट्रोक के बाद सार्वजनिक जीवन से दूर हो गए थे। उसके बाद से वे अपने बेटे वी. अरुण कुमार के तिरुवनंतपुरम स्थित आवास पर जीवन व्यतीत कर रहे थे। अनुभवी कम्युनिस्ट और स्वतंत्रता सेनानी केरल में कम्युनिस्ट आंदोलन के एक मजबूत प्रतीक थे और दशकों तक राज्य की राजनीति में उनकी उपस्थिति बहुत मजबूत थी। विपक्ष के एक जुझारू नेता के रूप में, अच्युतानंदन वंचितों और कठिन सार्वजनिक मुद्दों के लिए एक ध्वजवाहक थे, जिनमें पर्यावरण संरक्षण, लैंगिक समानता, आर्द्रभूमि संरक्षण, नर्सों के लिए बेहतर वेतन, ट्रांसजेंडर अधिकार और मुफ्त सॉफ्टवेयर शामिल थे। अच्युतानंदन ने 16 साल की उम्र में अलप्पुझा में सामंती ज़मींदारों और औपनिवेशिक शासन के खिलाफ लोकप्रिय विरोध में शामिल होकर अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू की। उन्होंने कुट्टनाड में गिरमिटिया खेतिहर मज़दूरों और एस्पिनवॉल फ़ैक्टरी मज़दूरों को संगठित करके एक कार्यकर्ता और आंदोलनकारी के रूप में अपनी पहचान बनाई।

जांच एजेंसियां वकीलों को कैसे भेज सकती हैं नोटिस क्या है मामला जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने जताई नाराजगी

नईदिल्ली, 22 जुलाई [एजेंसी]।

सुप्रीम कोर्ट ने पुलिस और जांच एजेंसियों के मुवक्किलों को सलाह देने वाले वकीलों को नोटिस और समन करने पर चिंता जताते हुए कहा कि वकील और मुवक्किल के बीच संवाद विशेषाधिकार प्राप्त होता है। उसे प्रकट करने से छूट होती है। उस पर नोटिस कैसे दिया जा सकता सकता है। कोर्ट ने जांच एजेंसियों के रवैये पर नाराजगी जताते हुए मामले में दिशा-निर्देश तय करने के संकेत दिए। सुप्रीम कोर्ट जांच एजेंसियों द्वारा मुवक्किलों को सलाह देने वाले वकीलों को नोटिस और समन भेजे जाने के मामलों पर स्वतः संज्ञान लेकर सुनवाई कर रहा है। यह मामला जून में उस समय उठा था, जब ईडी ने सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील अरविंद दत्तार और प्रताप वेणुगोपाल को समन और नोटिस भेजा था। तभी वकीलों के विभिन्न संघों ने इस पर भारी विरोध जताया था और प्रधान न्यायाधीश को संज्ञान लेने के लिए पत्र लिखा था।

इसके बाद ईडी ने समन वापस ले लिया था और एक सर्कुलर जारी किया था कि किसी भी वकील को निदेशक की पूर्व इजाजत के बगैर समन या नोटिस जारी नहीं किया जाएगा। इसी बीच गत 25 जून को गुजरात से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान जस्टिस केवी विश्वनाथन और एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने जांच एजेंसियों द्वारा मुवक्किल को सलाह देने वाले वकीलों को समन और नोटिस भेजने पर चिंता जताई थी और उचित आदेश के लिए मामला सीजेआई के समक्ष पेश करने का आदेश दिया था। सोमवार को यह मामला प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की पीठ के समक्ष सुनवाई पर लगा था। सीजेआइ ने कहा कि जब उन्होंने कुछ कानूनी खबरों की साइटों पर वकीलों को नोटिस के बारे में पढ़ा तो स्तब्ध रह गए। सीजेआइ ने कहा कि सारे मामले एक साथ सुनवाई के लिए संलग्न किए जाएं। कोर्ट इस पर दिशा-निर्देश तय करेगा। सुनवाई के दौरान मौजूद अटार्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने भी इससे सहमति जताई कि जांच एजेंसियों द्वारा वकीलों को समन भेजना गलत है। अटार्नी जनरल और सालिसिटर जनरल दोनों ने कोर्ट में कहा कि इस मुद्दे को सर्वोच्च स्तर पर उठाया गया है और उसी के बाद ईडी ने नोटिस वापस लिया और सर्कुलर जारी किया।

सालिसिटिर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट के दृष्टिकोण से सहमति जताई, लेकिन यह भी जोड़ा कि कुछ लोग लगातार जांच एजेंसी के खिलाफ धारणा बनाने में लगे हुए हैं।हालांकि, सीजेआइ इस दलील से प्रभावित नहीं हुए। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं है। पीठ जो कह रही है, वह अपने अनुभव के आधार पर कह रही है। कितने ही मामले उन्होंने देखे हैं, जिनमें हाई कोर्ट का आदेश उचित होता है। लेकिन ईडी सिर्फ अपील करने के लिए याचिका दाखिल कर देती है। सीजेआई ने कहा कि यहां वह सिर्फ वकीलों को नोटिस और समन के मामले पर विचार कर रहे हैं। मेहता ने भी कहा कि वह इस मामले के विरोध में कतई नहीं हैं। बाद में कोर्ट ने विभिन्न हस्तक्षेप अर्जियों को मंजूर करते हुए केस को मंगलवार को सुनवाई पर लगाने का आदेश दिया।

आत्मदाह से हुई मौत की न्यायिक जांच की मांग, बीजद नेताओं ने विरोध प्रदर्शन किया

कटक। सैकड़ों बीजद नेताओं और कार्यकर्ताओं ने ओडिशा के तीन अलग-अलग क्षेत्रों में राजस्व संभागीय आयुक्तों के कार्यालयों के समक्ष प्रदर्शन किया और 12 जुलाई को बालासोर में एक छात्रा की आत्मदाह से हुई मौत की जांच के लिए न्यायिक पैनल के गठन की मांग की। विधायकों सहित विपक्षी नेताओं ने कटक, बरहामपुर और संबलपुर में आरडीसी कार्यालयों के समक्ष प्रदर्शन किया तथा उड़ीसा उच्च न्यायालय के वर्तमान न्यायाधीश की अध्यक्षता में न्यायालय की निगरानी में न्यायिक जांच की मांग की। कटक में आरडीसी कार्यालय के पास प्रदर्शन में शामिल होते हुए बीजद के वरिष्ठ उपाध्यक्ष देबी प्रसाद मिश्रा ने आरोप लगाया त्र ने उच्च पदों पर बैठे कई महत्वपूर्ण लोगों से मदद मांगी थी। लेकिन उनमें से कोई भी छात्र की मदद के लिए आगे नहीं आया।

अभी तो मैं जवान हूं, कमलनाथ की कथनी बन गई चर्चा का विषय

धार, 22 जुलाई [एजेंसी]।

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव को मिशन 2028 के रूप में लेकर इसके लिए रणनीति बनाने को मांडू में सोमवार को शुरू हुए कांग्रेस के दो दिवसीय नव संकल्प शिविर में चिंतन और मंथन से ज्यादा भाजपा पर प्रहार किया गया।कांग्रेस नेताओं ने भाजपा की केंद्र और राज्य सरकार को कानून व्यवस्था व किसानों के उन्हीं पुराने मुद्दों पर आरोपों के घेरे में लिया, जिसे वह अब तक उठाते रहे हैं। वर्चुअल संबोधन में पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा ने जिस तरह महाराष्ट्र में मतदाता सूची में गड़बड़ी कर जीत हासिल की, वैसी ही गड़बड़ी की आशंका बिहार में भी है। उन्होंने कहा कि सरकार बनी तो मध्य प्रदेश में भी जातिवार गणना कराएंगे। यह भी आरोप दोहराया कि भाजपा ने देश की अर्थव्यवस्था को दो-चार बड़े उद्योगपतियों के हवाले कर रखा है।

अलबत्ता, पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ का यह कथन चर्चा में रहा, जिसमें उन्होंने कहा कि मैं न थका हूं, न पका हूं, आज भी जवान हूं।अपने वर्चुअल संबोधन में कमल नाथ ने कहा कि यह समय नौजवानों और किसानों के लिए चुनौती भरा है। मध्य प्रदेश में निवेश लाना सबसे बड़ी चुनौती बन गया है। प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी ने कहा कि अगला चुनाव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से मैनेज रहेगा। कांग्रेस को भी इंटरनेट मीडिया को हथियार बनाना पड़ेगा।वर्चुअल संबोधन में राज्यसभा सदस्य विवेक तन्खा ने कहा कि ईडी, सीबीआई सरकार के साए में काम कर रही हैं। हमें कांग्रेस के लीगल डिपार्टमेंट को मजबूत बनाना होगा। बार काउंसिल के सदस्यों को भी जोड़ना होगा। हमने 17 वकीलों की टीम तैयार की है।

सिर्फ नाम जपने से बदल सकती है किस्मत, जानिए 12 ज्योतिर्लिंग के बारे में

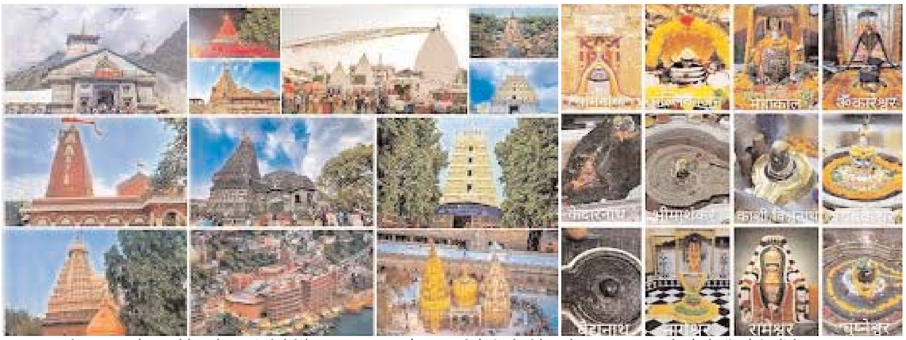

सावन का महीना चल रहा है। हर कोई जानता है कि सावन का भगवान शिव की पूजा के लिए सबसे उत्तम माना जाता है और इस महीने में भगवान शिव की पूजा करने से विशेष फलो की प्राप्ति होती है। ऐसे में लोग घर और मंदिरों में विशेष रुप से पूजा अर्चना करते हैं, साथ ही शिवलिंग का पंचामृत से अभिषेक करते हैं। शिवलिंग भगवान शिव के ही लिंग रुप है। भगवान शिव के कुछ शिवलिंग स्थापित किए गए हैं तो वहीं संसार में कुछ शिवलिंग ऐसे है जो स्वयंभू है यानी जो स्वयं प्रकट हुए हो। ऐसे में भगवान शिव के ज्योतिर्लिंग के बारे लोग जानते तो होंगे लेकिन उनकी स्थापना कैसे हुई शायद ही इनके बारे में ज्यादा लोग जानते हों। कहा जाता है इन ज्योतिर्लिंग के दर्शन मात्र से ही जातक को मोक्ष की प्राप्ति हो जाती है। मान्यता है कि जो भी जातक हर रोज़ इन ज्योतिर्लिंग के नाम का जाप करता है उस जातक की सभी मनोकामनाएं पूरी होती है।

बता दें कि भारत में भगवान शिव के कुल 12 ज्योतिर्लिंग है जो अलग अलग स्थानों पर स्थापित है। कहा जाता है कि इन 12 ज्योतिर्लिंग के दर्शन मात्र से ही भक्तों की सभी समस्याएं, दोष आदि नष्ट हो जाते हैं। बता दें कि कहा जाता है सोमनाथ ज्योतिर्लिंग पृथ्वी का सबसे पहला ज्योतिर्लिंग है और ये ज्योतिर्लिंग गुजरात के सौराष्ट्र क्षेत्र में स्थापित है। बता दें कि धार्मिक कथा के अनुसार जब प्रजापति दक्ष के चंद्रदेव को क्षीण हो जाने का शाप दे दिया था तो शाप से मुक्ति पाने के लिए चंद्र देव ने भगवान शिव की अराधना की थी और महादेव वहां शिवलिंग के रुप में प्रकट हुए थे , तो वहीं एक और मान्यता के अनुसार चंद्रदेव ने इस शिवलिंग की स्थापना की थी।

अगला यानी के दूसरा ज्योतिर्लिंग है मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग। ये ज्योतिर्लिंग मद्रास के कृष्णा नदी के किनारे श्रीशैल पर्वत पर स्थापित है । धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस पर्वत को कैलाश के समान दर्जा प्राप्त है। मान्यता है कि यहां भगवान शिव माता पार्वती के साथ निवास करते हैं।

बात करें तीसरे ज्योतिर्लिंग यानी के महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग कि तो ये उज्जैन, मध्य प्रदेश में स्थित है। बता दें कि ये एकमात्र ऐसा शिवलिंग है जो दक्षिणमुखी है और इसी कारण से ये बेहद प्रसिद्ध है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार अकाल मृत्यु से मुक्ति पाने के लिए यहां भगवान शिव की पूजा करने से लाभ मिलता है।

चौथा ज्योतिर्लिंग है ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग और ये स्थित है मध्य प्रदेश के खंडवा जिले के नर्मदा नदी के किनारे स्थित हैं। जहां ये स्थित है वहां का द्वीप ऊं जैसा दिखता है। कहा जाता है कि ऊं जैसा होने की वजह से ही यहां के ज्योतिर्लिंग को ये नाम दिया गया है। इस स्थान पर महादेव के दो मंदिर है जिसमें से एक है ओंकारेश्वर और दूसरा है अमरेश्वर।

पांचवा ज्योतिर्लिंग है केदारनाथ जो देवभूमि उत्तराखंड में स्थिति है। कहा जाता है कि ये ज्योतिर्लिंग एक जाग्रत ज्योतिर्लिंग है और ये भगवान शिव के सभी ज्योतिर्लिंग में से सबसे ऊंचाई पर स्थित है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार ये मंदिर पांडवों के द्वारा बनाया गया था।

छठा ज्योतिर्लिंग है भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग जो महाराष्ट्र के पुणे जिले में सह्याद्रि पर्वत पर स्थित है। इस ज्योतिर्लिंग को मोटेश्वर महादेव के नाम से जाना जाता है। पौराणिक कथा के अनुसार भगवान शिव ने राक्षस त्रिपुरासुर का वध करने के लिए इस स्थान पर भीम रूप धारण किया था, इसलिए इस ज्योतिर्लिंग को भीमाशंकर के नाम से जाना जाता है। युद्ध के बाद, भगवान शिव ने देवताओं के अनुरोध पर ज्योतिर्लिंग के रूप में यहां निवास किया।

सांतवा ज्योतिर्लिंग है काशी विश्वनाथ जो उत्तर प्रदेश के वाराणसी में स्थापित है। बता दें कि इस नगर का पौराणिक नाम काशी भी है इसलिए इसे काशी विश्वनाथ के नाम से जाना जाता है। इस स्थान को लेकर ऐसी मान्यता है कि स्वयं देवी देवता यहां पर निवास करते हैं। पौराणिक कथा के अनुसार माता पार्वती काशी में रहना चाहती थी तो उनकी इच्छा के लिए भगवान शिव यहां प्रकट हुए थे।

आंठवा ज्योतिर्लिंग है त्रायम्बकेश्वर ज्योतिर्लिंग। ये ज्योतिर्लिंग महाराष्ट्र के नासिक में स्थित है। पौराणिक कथा के अनुसार कहा जाता है कि ऋषि गौतम ने भगवान शिव और देवी गंगा को इस स्थान पर निवास करने के लिए मनाया था तभी से भगवान शिव यहां प्रकट हुए और यहां पर निवास कर रहे हैं।

नौवा ज्योतिर्लिंग है बैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग जो झारखंड के देवघर जिले में स्थापित है। एक पौराणिक कथा के अनुसार इस बैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग को रावण के द्वारा स्थापित किया गया था। रावण भगवान शिव के परम भक्तों में एक था उसने भगवान शिव की तपस्या की जिससे प्रसन्न होकर भगवान शिव ने रावण को वर मांगने को कहा। रावण ने भगवान शिव के साथ चलने के लिए कहा। भगवान शिव मान गए लेकिन एक शर्त रखी की अगर तुमने शिवलिंग को नीचे रखा तो ये वही स्थापित हो जाएगा। रास्ते में शिवलिंग को ले जाते समय रावण के लघुशंका लगी जिसके दौरान रावण ने शिवलिंग एक ग्वाले को थमा दिया। ग्वाले के रुप में भगवान विष्णु थे और उन्होंने शिवलिंग को ज़मीन पर रख दिया और वे शिवलिंग वहीं स्थापित हो गया।

दसवां ज्योतिर्लिंग है नागेश्वर ज्योतिर्लिंग जो गुजरात के द्वारका में स्थित है। कहा जाता है कि इस नागेश्वर ज्योतिर्लिंग के यहां कैसे स्थापित हुआ इसके पीछे एक पौराणिक कथा है। कथा के अनुसार एक बार एक राक्षस दारुक ने सुप्रिय को बंदी बना लिया जो भगवान शिव का भक्त था। सुप्रिय ने कारागार में ही भगवान शिव की आराधना करना आरंभ कर दिया जिससे प्रसन्न होकर भगवान शिव प्रकट हुए और उन्होंने उस राक्षस का वध कर दिया और उसी स्थान पर नागेश्वर ज्योतिर्लिंग में स्थापित हो गए।

ग्यारहवां ज्योतिर्लिंग तमिलनाडु के रामनाथपुरम में रामेश्वरम ज्योतिर्लिंग मौजूद हैं। कहा जाता है कि इस ज्योतिर्लिंग को भगवान राम के द्वारा स्थापित किया था। पौराणिक कथा के अनुसार त्रेतायुग में भगवान राम ने समुद्र के पास बालू से एक शिवलिंग का निर्माण किया जिसके बाद भगवान शिव वहीं रामेश्वरम ज्योतिर्लिंग के रुप में स्थापित हो गए।

बारहवां ज्योतिर्लिंग है घुमेश्वर ज्योतिर्लिंग जो महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में स्थापित है। ये 12 ज्योतिर्लिंग में आखरी ज्योतिर्लिंग है। एक पौराणिक कथा के अनुसार भगवान शिव की परम भक्त घुश्मा हर रोज़ 100 पार्थिक शिवलिंग बनाती और पूजा-अर्चना करने के बाद उसे तालाब में विसर्जित कर देती। घुश्मा की बड़ी बहन घुश्मा से ईर्ष्या किया करती और एक दिन उसने घुश्मा के पुत्र की हत्या कर दी और उसका शव पानी में फेंक दिया। जिसके बाद घुश्मा बिना विलाप किए पूजा अर्चना करती रही जिससे प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उसे दर्शन दिए और उसके पुत्र को जीवनदान दे दिया। घुश्मा ने भगवान शिव से अनुरोध किया कि वे यहां निवास करें। जहां आज भगवान शिव घुमेश्वर ज्योतिर्लिंग के रुप में निवास करते हैं।

मानसून के दौरान खाने के लिए बेहतरीन है भुट्टा, जानिए इसके स्वास्थ्यवर्धक लाभ

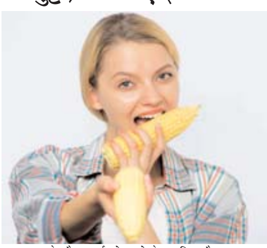

मानसून के दौरान कई लोग भुट्टे के स्वादिष्ट और गर्मागर्म व्यंजनों का आनंद लेना पसंद करते हैं। हालांकि, भुट्टे का सेवन केवल स्वाद के लिए नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि यह कई पोषक तत्वों से भरपूर होता है, जो सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं। आइए आज हम आपको भुट्टे के सेवन से मिलने वाले सेहत के फायदों के बारे में बताते हैं, जिनके बारे में जानकर आप इसे अपनी डाइट में शामिल करने पर मजबूर हो जाएंगे।

वजन नियंत्रित करने में है सहायक

अगर आप वजन घटाने की कोशिश में लगे हुए हैं तो आपको रोजाना एक कप उबले या भुने भुट्टे का सेवन करना शुरू कर देना चाहिए। इसमें मौजूद फाइबर पाचन क्रिया को ठीक रखने के साथ ही लंबे समय तक पेट को भरा हुआ महसूस करवाता है, जिसके कारण आप ज्यादा खाने से बच जाते हैं। इसके अलावा भुट्टे में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट गुण चर्बी को कम करने में भी मदद कर सकते हैं।

आंखों के लिए है फायदेमंद

अगर आप अपनी आंखों की देखभाल करना चाहते हैं तो रोजाना एक कप उबले या भुने भुट्टे का सेवन करना शुरू कर दें। दरअसल, भुट्टे में ल्यूटिन और जेक्सैन्थिन नाम के खास एंटी-ऑक्सीडेंट पाए जाते हैं। ये आंखों की रोशनी को कम होने से बचाने में मदद कर सकते हैं। इसके अलावा ये एंटी-ऑक्सीडेंट आंखों को सूरज की किरणों से होने वाले नुकसान से भी बचा सकते हैं और रेटिना को स्वस्थ रखते हैं।

दिल के लिए है फायदेमंद

भुट्टे में फाइबर, पोटेशियम, मैग्नीशियम और विटामिन-बी3 जैसे कई पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो दिल को स्वस्थ रखने में मदद कर सकते हैं। ये पोषक तत्व खराब कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करके अच्छे कोलेस्ट्रॉल के स्तर को संतुलित करने में मदद कर सकते हैं। इसके अलावा ये पोषक तत्व रक्तचाप को नियंत्रित रखने और रक्त परिसंचरण में सुधार करने में भी मदद कर सकते हैं।

कैंसर से बचाव करने में है प्रभावी

कैंसर एक जानलेवा बीमारी है, लेकिन भुट्टे का सेवन इसमें कुछ हद तक मदद कर सकता है। भुट्टे में एंटी-ऑक्सीडेंट गुण होते हैं, जो शरीर में एंटी-ऑक्सीडेंट एंजाइम को सक्रिय करके हानिकारक तत्वों को बेअसर कर सकते हैं। हानिकारक तत्व शरीर में कैंसर सेल्स के निर्माण का कारण बन सकते हैं। इसके अलावा भुट्टे में पाए जाने वाले फेनोलिक यौगिक भी कैंसर कोशिकाओं के प्रसार को रोकने में मदद कर सकते हैं। हालांकि, यह कैंसर का इलाज नहीं है।

पाचन क्रिया को ठीक रखने में है सहायक

पाचन क्रिया को ठीक रखने में भी भुट्टे का सेवन अहम भूमिका निभा सकता है। इसमें सूजन को कम करने वाले गुण पाए जाते हैं, जो आंत को आराम दे सकते हैं। इसके अलावा इसमें फाइबर होता है, जो मल त्याग को आसान बनाकर कब्ज की समस्या से राहत दिला सकता है। हालांकि, अगर आपको पेट की समस्याएं हैं तो डॉक्टर की सलाह के बाद ही भुट्टे का सेवन करें।

स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होती है शतावरी आज ही बनाएं अपनी डाइट का हिस्सा

शतावरी एक हरी सब्जी होती है, जिसे अंग्रेजी में ऐस्पैरागस भी कहा जाता है। यह लंबे हरे या सफेद तने वाला पौधा होता है, जिसे सब्जी के रूप में पकाकर खाया जा सकता है। इसे आम तौर पर एशियाई या पश्चिमी खान-पान में शामिल किया जाता है। हालांकि, इसके कई स्वास्थ्य लाभ होते हैं, जिनके कारण इसे डाइट में शामिल करना सही निर्णय हो सकता है। आइए इस सब्जी के मुख्य स्वास्थ्य संबंधी फायदे जानते हैं।

वजन घटाने में मददगार

शतावरी में न केवल कम वसा होती है, बल्कि इसके एक कप में सिर्फ 32 कैलोरी होती हैं। साथ ही इसमें घुलनशील और अघुलनशील फाइबर भी ज्यादा होता है, जिस कारण यह वजन घटाने में मददगार साबित हो सकता है। फाइबर को पचने में थोड़ा समय लगता है, इसलिए इसके सेवन के बाद पेट देर तक भरा रहता है और ज्यादा खाने की संभावना भी कम हो जाती है। ज्यादा लाभ पाने के लिए इसे केवल थोड़े तेल में भूनें।

विटामिन-ई से भरपूर

शतावरी विटामिन-ई का एक अच्छा स्रोत है, जो शरीर के लिए महत्वपूर्ण एंटीऑक्सीडेंट होता है। यह तत्व प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाने में मदद करता है और कोशिकाओं को मुक्त कणों के हानिकारक प्रभावों से बचाता है। विटामिन-ई पाने के लिए शतावरी को थोड़े से जैतून के तेल में पकाना चाहिए। ऐसा इसलिए, क्योंकि अगर इसे थोड़ी वसा के साथ खाया जाए तो शरीर विटामिन-ई को बेहतर तरीके से अवशोषित कर पाता है।

चिड़चिड़ापन दूर करने में सहायक

शतावरी में फोलेट मौजूद होता है, जो एक तरह का विटामिन-बी है। यह आपके मनोबल को बढ़ा सकता है और चिड़चिड़ापन दूर करने में भी सहायता कर सकता है। अगर आपको अवसाद है या आपके शरीर में फोलेट और विटामिन-बी12 की कमी है, तो शतावरी खाना आपके लिए फायदेमंद होगा। इस सब्जी में ट्रिप्टोफैन नामक एमिनो एसिड भी पाया जाता है, जो मूड को बेहतर बनाने में मदद करता है।

पाचन स्वास्थ्य को दुरुस्त करने में मददगार

अगर आप रोजाना की डाइट में शतावरी शामिल करते हैं तो आपका पाचन स्वास्थ्य दुरुस्त हो सकता है। आधा कप शतावरी में 1.8 ग्राम फाइबर होता है, जो दैनिक जरूरत का 7 प्रतिशत होता है। इसके अलावा, यह सब्जी सभी आवश्यक खनिजों, एंटीऑक्सीडेंट और इनुलिन जैसे प्राकृतिक प्रोबायोटिक्स से भरपूर होती है। ये स्वस्थ आंत बैक्टीरिया के विकास को बढ़ावा देने में मदद करते हैं, जिससे पाचन सुधरता है और पेट ठीक रहता है।

ब्लड प्रेशर हो सकता है कम

शोध बताते हैं कि शतावरी पाचन के दौरान पित्त अम्लों की बंधन क्षमता में सुधार करके कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में मदद करता है। इस सब्जी में बैंगन, गाजर और ब्रोकली जैसी अन्य सब्जियों की तुलना में ज्यादा पित्त अम्ल-बंधन क्षमता होती है। शतावरी लिपिड चयापचय को विनियमित करके, कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करके, रक्तचाप को कम करके और वजन घटाकर आपको स्वस्थ रख सकता है। हालांकि, इस संबंध में और शोध की जरूरत है।

राशा थडानी को पसंद आई सैयारा, अहान पांडे और अनीत पड्डा की जोड़ी लगी शानदार

एक्टर अहान पांडे और अनीत पड्डा स्टारर सैयारा को दर्शकों के साथ ही फिल्म इंडस्ट्री के सितारों से भी खब प्यार मिल रहा है। इसके लिए फिल्म की टीम, खासकर लीड जोड़ी अहान पांडे और अनीत पड्डा को बधाइयां मिल रही हैं। अभिनेत्री राशा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर उनकी जोड़ी को सराहा और दोनों की जोड़ी को शानदार बताया।

'आजाद' से डेब्यू करने वाली अभिनेत्री राशा थडानी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर 'सैयारा' की लीड जोड़ी की जमकर तारीफ की। उन्होंने अहान की तारीफ करते हुए लिखा, डियर, तुम चमकने के लिए बने हो! तुम खास हो, मुझे गर्व है कि दुनिया को तुम्हारा टैलेंट देखने को मिल रहा है। काश मैं कल वहां होती तुम्हें सपोर्ट करने और काश मैं प्रशंसकों का प्यार तुम्हारे लिए उमड़ते देखने के लिए वहां मौजूद होती, तुम इस प्यार-सम्मान के हकदार हो।

राशा ने अनीत पड्डा की भी प्रशंसा की और लिखा, अनीत पड्डा, तुम्हें स्क्रीन पर देखकर बहुत अच्छा लगा, तुम जादू हो! तुम्हारी आवाज बेहद खूबसूरत है! तुम लड़कियों के लिए प्रेरणा हो। तुम्हारी अभिव्यक्ति की कला एक तोहफा है। मोहित सूरी, मैं आपसे सीख रही हूं। आपने मेरा दिल खुशी से भर दिया। 'सैयारा' की खूबसूरत दुनिया से रूबरू कराने के लिए धन्यवाद। सिनेमा को कला से सजाने और हमें भावनाओं से जोड़ने के लिए शुक्रिया।

राशा की पोस्ट पर जवाब देते हुए अनीत ने लिखा, राशा, तुम्हारा बहुत-बहुत धन्यवाद, लव यू।

मोहित सूरी के निर्देशन में बनी 'सैयारा' की खूबसूरत कहानी के साथ ही खूबसूरत संगीत भी है, जिसे दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं।

मोहित 'जहर', 'कलयुग', 'वो लम्हें', 'आवारापन' और 'आशिकी 2' जैसी फिल्मों का निर्माण कर नए सितारों को मौका दे चुके हैं।

शब्द सामर्थ्य -116

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. पानी, नीर, अंबु 2. आना-जाना, आवागमन 5. बहुत, बढ़िया 6. दूर रहने वाला (घटना) जो वर्तमान में न घट सके 8. अबोध, नासमझ, अनाड़ी 10. सब्जी, शाक 11. निशान, उद्देश्य, अनुमान योग्य वस्तु 12. नाखून 13. द्रव पदार्थ 15. सुनसान, जनविहीन स्थान 16. चटकीला, चमकीला, चटपटा, गोरिया 18. भगवान, खुदा 19. इन दिनों, वर्तमान दिनों में 20. अग्नि, पावक 21. अन्नकण, अनाज का टुकड़ा 22. टालमटोल, बहाने बाजी 24. भैया की पत्नी 25. पांच से छोटी एक विषम संख्या 26. हत्या, कत्ल.

ऊपर से नीचे

1. दुनिया, संसार, ठोस रूप में परिवर्तित करना 2. चमक, पानी 3. बाजीगर, जादू का खेल दिखाने वाला 4. एक पंजाबी प्रेमगीत, रांझा की प्रेमिका 5. मार-काट, खून-कत्ल 7. भूमि, जमीन, भू-भाग 9. बहुत बड़ा दानी, 10. संगीत के सुरों की संख्या 14. लचीला, लोचयुक्त 17. खिसकना, अपने स्थान से हटना, विचलित होना 19. प्रवेश करना, पधारना, आना 20. धूप-दीप से पूजा 22. इसी समय 23. गुस्सा, कहर.

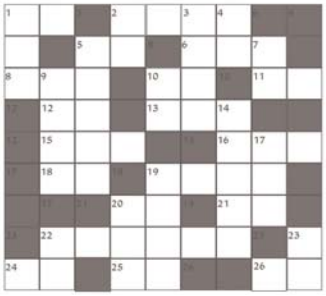

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 115 का हल

स्वा	द		सा	म	ना		कै	दी
व		ख	ल	ना	य	क		वा
लं	प	ट		ना	क	क	ट	ना
बी		प				ड़ी		प
	अ	ट	प	टा			शा	न
स	ह		यो			र	ति	
ह	म		द	र	ब	द	र	
म	क	र		सी	ल			
त		क्षा		द	वा	खा	ना	

भोजपुरी स्टार मोनालिसा ने पूल साइड पर दिखाया हॉट अंदाज़, तस्वीरें इंटरनेट पर वायरल

भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा एक बार फिर अपने बोल्ड और ग्लैमरस अंदाज़ से सोशल मीडिया पर छा गई हैं. हाल ही में मोनालिसा ने इंस्टाग्राम पर पूल साइड से अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह ग्रे स्विमसूट में रिलैक्स मूड में नजर आ रही हैं. एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, कभी-कभी सबसे अधिक उत्पादक चीज़ जो आप कर सकते हैं वह है आराम करना. इस पोस्ट पर फैंस का जबरदस्त रिएक्शन आ रहा है और कुछ ही घंटों में हजारों लाइक्स और कमेंट्स मिल चुके हैं. मोनालिसा की इन तस्वीरों में उनका कॉन्फिडेंस और स्टाइल साफ झलक रहा है. फैंस ने उन्हें हॉट, क्वीन और स्टनिंग जैसे कमेंट्स से नवाज़ा है. तस्वीरों में पूल साइड की खूबसूरत लोकेशन और मोनालिसा का रिलैक्स्ड अंदाज़ दोनों ही सोशल मीडिया यूजर्स को खूब पसंद आ रहे हैं.

मोनालिसा सोशल मीडिया पर अपने बोल्ड और ग्लैमरस फोटोज़ के लिए जानी जाती हैं और इस बार भी उन्होंने साबित कर दिया कि उनका स्टाइल सेंस और चार्म कमाल का है. उनकी ये तस्वीरें एक बार फिर चर्चा का विषय बन गई हैं और फैंस अब उनकी अगली पोस्ट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं.वर्कफ्रंट की बात करें तो मोनालिसा जल्द ही अपनी अपकमिंग वेब सीरीज़ और प्रोजेक्ट्स में नजर आएंगी, जिन्हें लेकर उनके फैंस में काफी एक्साइटमेंट है. अपने हर नए लुक और स्टाइल स्टेटमेंट से मोनालिसा यह साबित कर रही हैं कि वह सिर्फ परदे पर ही नहीं, बल्कि रियल लाइफ में भी ट्रेंडसेटर हैं.

नवीन शासकीय कन्या महाविद्यालय मनेन्द्रगढ़ में स्नातक प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश प्रारंभ

एमसीबी। जिले के एकमात्र शासकीय कन्या महाविद्यालय मनेन्द्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रारंभ हो चुका है। इस संबंध में कन्या महाविद्यालय मनेन्द्रगढ़ कार्यालय से प्राप्त जानकारी अनुसार महाविद्यालय में वर्तमान में बी काम, बी ए और बी एस सी (गणित एवं विज्ञान समूह) के पाठ्यक्रम संचालित हो रहे हैं। ज्ञात हो कि छत्तीसगढ़ के नवगठित जिले मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर का यह पहला और एकमात्र शासकीय कन्या महाविद्यालय है जिसकी स्थापना जिले की बारहवीं कक्षा उत्तीर्ण छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा प्रदान करने के लिए की छत्तीसगढ़ शासन द्वारा की गई है। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ राम किंकर पाण्डेय ने बताया कि बीए, बी एस सी (गणित एवं विज्ञान समूह) और बी काम में प्रवेश हेतु इच्छुक छात्राएं संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय सरगुजा अंबिकापुर की वेबसाइट पर जाकर आन-लाइन पंजीयन करने के उपरांत महाविद्यालय में प्रवेश ले सकते हैं। उन्होंने बताया कि छात्राओं के लिए महाविद्यालय में पंजीयन डेस्क का प्रावधान किया गया है, महाविद्यालय आकर छात्राएं अपने चयनित पाठ्यक्रम हेतु पंजीयन करवा सकती हैं। इस हेतु कार्यालय में सुविधा उपलब्ध है। आगे उन्होंने कहा कि शहर और गांव सभी जगह की छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा उपलब्ध कराना हमारा लक्ष्य है। वर्तमान में महाविद्यालय का संचालन कन्या छात्रावास, प्रथम तल, रेलवे फाटक के पहले झगराखंड रोड में हो रहा है।

जेल में 35 बंदियों ने स्वरोजगार का प्रशिक्षण लेकर शेष भविष्य का विकल्प चुना

कोरिया बैकुंठपुर। जिला जेल बैकुंठपुर में परिरूद्ध बंदियों को पुनर्वास एवं आजीविका के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जेल मुख्यालय एवं शासन के निर्देश पर कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस क्रम में आरसेटी, सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया के सहयोग से लघु उद्यमी (फास्ट फूड स्टॉल) का प्रशिक्षण 8 जुलाई 2025 से प्रारंभ किया गया, जिसमें 35 बंदीगणों ने भाग लिया।

प्रशिक्षण के दौरान आरसेटी की प्रशिक्षक श्रीमती नेमा पटेल द्वारा बंदियों को साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखते हुए विभिन्न प्रकार के फास्ट फूड व्यंजन तैयार करना, व्यावसायिक दक्षता, ग्राहक सेवा एवं गुणवत्ता से संबंधित जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर 19 जुलाई 2025 को सभी 35 बंदियों का मूल्यांकन किया गया। सफल प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर आरसेटी डायरेक्टर महती बनरा, मूल्यांकनकर्ता सुरोजित गुहा एवं श्रीमती राजेश्वरी अग्रवाल, फैकल्टी सुश्री पूनम यादव, सहायक जेल अधीक्षक एस.के. आबिद रजा एवं जेल के अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

जेल प्रशासन ने बताया कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम बंदियों को न केवल रोजगार के अवसर प्रदान करते हैं, बल्कि उन्हें अपराधमुक्त जीवन जीने और समाज की मुख्यधारा से जुड़ने के लिए प्रेरित करते हैं। यह प्रयास बंदियों के पुनर्वास की दिशा में एक सकारात्मक और प्रभावी पहल के रूप में सामने आया है।

गांजा के साथ दो युवक गिरफ्तार

रायपुर। गंज थाना पुलिस ने होटल उदय दीप के कमरा में दबिश देकर गांजा के साथ दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 48 किलो 360 ग्राम गांजा जब्त किया है।

कोरिया जिले में ग्रामीण क्षेत्रों को जल्द मिलेंगे प्रशिक्षित राजमिस्त्री

कोरिया बैकुंठपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) को और अधिक प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने तथा निर्माण कार्यों को गति प्रदान करने के उद्देश्य से कोरिया जिले में अब युवाओं को राजमिस्त्री का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिले में इस समय 9,000 से अधिक आवास निर्माणाधीन हैं, जिनके लिए कुशल राजमिस्त्रियों की आवश्यकता को देखते हुए यह पहल शुरू की गई है।

कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी के मार्गदर्शन में ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आर-सेटी) द्वारा यह प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इसकी शुरुआत 18 जुलाई 2025 से ग्राम पंचायत बुढार में हुई, जहां पहले बैच में 35 युवाओं को 35 दिवसीय ऑफलाइन प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण पूर्ण होने के उपरांत ये युवा राजमिस्त्री के रूप में कार्य करने के लिए तैयार होंगे, जिससे न केवल आवास निर्माण में गति आएगी बल्कि युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगे। जिला प्रशासन द्वारा इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की नियमित निगरानी और मूल्यांकन किया जा रहा है। इसके लिए सहायक परियोजना अधिकारी (मनरेगा), आवास योजना के जिला समन्वयक एवं सहायक अभियंता को जिम्मेदारी सौंपी गई है। टीम द्वारा प्रशिक्षार्थियों से फीडबैक लिया जा रहा है ताकि कार्यक्रम की गुणवत्ता और प्रभावशीलता सुनिश्चित की जा सके।

जिला पंचायत कोरिया के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी ने बताया कि प्रथम चरण में 100 युवाओं को ऑफलाइन मोड में राजमिस्त्री का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ग्राम पंचायत बुढार में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे 35 युवाओं के बाद, अन्य युवाओं को भी उनके ग्राम पंचायत क्लस्टर स्तर पर ही प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।यह योजना युवाओं को हुनरमंद बनाने और आत्मनिर्भर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने की दिशा में एक सशक्त पहल है।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने बैकुंठपुर की मिठाई दुकानों पर की कार्रवाई

कोरिया बैकुंठपुर। रक्षाबंधन त्यौहार को ध्यान में रखते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग को आशंका है कि इस दौरान बाजार में नकली खोवा, पनीर और मिलावटी मिठाइयों की बिक्री बढ़ सकती है, जो लोगों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन सकती है। खासकर सीमावर्ती राज्यों से घटिया गुणवत्ता वाले मावा, कुंदा, खोवा और दुग्ध उत्पादों की आपूर्ति की आशंका को देखते हुए खाद्य एवं औषधि प्रशासन छत्तीसगढ़ द्वारा पूरे प्रदेश में सघन निरीक्षण अभियान शुरू किया गया है।नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन दीपक कुमार अग्रवाल (आईएएस) के निर्देशानुसार आज 21 जुलाई को जिले के मिठाई दुकानों और दुग्ध सामग्री विक्रय ईकाइयों पर वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी विनोद कुमार गुप्ता के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान पॉपुलर स्वीट कॉर्नर, पुराना बस स्टैंड और बड़े भैया स्वीट्स, भट्टीपारा से संदेहास्पद खोवा का विधिक नमूना संकलित किया गया। यह नमूना राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, कालीबाड़ी रायपुर भेजा गया है, जहां इसकी गुणवत्ता एवं शुद्धता की जांच की जाएगी। रिपोर्ट प्राप्त होने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 के अंतर्गत संबंधित दुकानदारों पर विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। खाद्य सुरक्षा विभाग ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे मिठाई एवं दुग्ध उत्पादों की खरीददारी विश्वसनीय दुकानों से ही करें। यदि कहीं भी उन्हें मिलावट की आशंका हो तो खाद्य एवं औषधि प्रशासन को तत्काल सूचना दें।

सावन के दूसरे सोमवार पर भवानी तिगड़ा में भव्य भोग भंडारे का आयोजन

कोरिया बैकुंठपुर। सावन मास के दूसरे सोमवार को जिला मुख्यालय बैकुंठपुर के भवानी तिगड़ा स्थित दुर्गा मंदिर परिसर में भक्तिभाव और श्रद्धा के वातावरण में भव्य भोग भंडारे का आयोजन किया गया। सावन के पावन माह में भगवान शिव की उपासना का विशेष महत्व होता है और इस अवसर पर आयोजित धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों में नगरवासियों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिलती है। इस विशेष आयोजन का मुख्य आकर्षण भोग स्वरूप हलवे का वितरण था, जिसे श्रद्धालुओं ने श्रद्धा के साथ ग्रहण किया। आयोजकों ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सावन के सोमवार को विशेष भंडारे की परंपरा को निभाया गया। सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी थी। भक्तों ने पहले भगवान भोलेनाथ का दर्शन और जलाभिषेक किया, फिर प्रसाद स्वरूप हलवा ग्रहण किया। भोग भंडारे की शुरुआत सुबह पूजन-अर्चन के साथ हुई, जिसमें पुजारियों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान शिव की आराधना की गई। इसके बाद श्रद्धालुओं को पंक्तिबद्ध बैठाकर हलवा परोसा गया।

चरचा सब एरिया में बीएमएस रही सबसे आगे

जमकर हुई आतिशबाजी, कार्यकर्ताओं ने निकाली रैली

चरचा कालरी। एसईसीएल बैकुंठपुर क्षेत्र अंतर्गत सर्वाधिक कर्मचारी संख्या वाले चरचा माइन आर ओ कालरी में 19 और 21 जुलाई को कालरी प्रबंधन द्वारा प्रतिष्ठापूर्ण यूनियन वेरिफिकेशन अर्थात यूनियन सदस्यता सत्यापन संपन्न कराया गया।

जिसमें बी.एम.एस. यूनियन ने सर्वाधिक 721 कर्मचारियों का विश्वास मत हासिल कर चर्चा क्षेत्र में प्रथम स्थान प्राप्त किया सोमवार की देर शाम कालरी प्रबंधन द्वारा यूनियन वेरिफिकेशन के आंकड़े जारी किए गए जिसके अनुसार बीएमएस यूनियन चरचा क्षेत्र की विजेता यूनियन बनी बीएमएस यूनियन और कांग्रेस समर्थक इंटक यूनियन के बीच 222 मतों का भारी अंतर रहा इस घोषणा के पश्चात बीएमएस यूनियन के पदाधिकारी सदस्यों ने जमकर नारेबाजी औरआतिशबाजी की गई इसके पश्चात उत्साहित कार्यकर्ताओं ने विजय जुलूस भी निकाला चर्चा क्षेत्र में यूनियन की जीत के प्रति यूनियन के केंद्रीय अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि यह जीत चर्चा के श्रमिक साथियों की जीत है जो लगातार यूनियन के प्रति विश्वास व्यक्त करते हुए प्रतिवर्ष पहले स्थान पर यूनियन का झंडा लहरा रहे हैं सेवा और समर्पण की भावना के साथ हमारे संगठन के प्रत्येक सदस्यों में श्रमिक साथियों के प्रति निष्ठा और समर्पण का भाव है श्रमिक हितों की रक्षा के लिए हम निरंतर संघर्ष करते रहेंगे, यूनियन वेरिफिकेशन के पश्चात घोषित आंकड़ों के अनुसार चर्चा क्षेत्र में दूसरे स्थान पर कांग्रेस समर्थित इंटक यूनियन पर 499श्रमिकों ने अपना विश्वास व्यक्त किया विदित हो कि पिछले वर्ष हुए यूनियन वेरिफिकेशन में इंटक यूनियन तीसरे स्थान पर थी इंटक यूनियन के पदाधिकारी ने जमकर मेहनत की और सुधार करते हुए इस वर्ष के यूनियन वेरिफिकेशन में दूसरा पायदान हासिल किया,इसी क्रम में तीसरा स्थान पर एटक. यूनियन 392 सदस्य संख्या के साथ रही यूनियन वेरिफिकेशन के चौथे पायदान पर एच .एम. एस .यूनियन रही जिसे 383 श्रमिकों का विश्वास मत हासिल हुआ वही 347 श्रमिकों ने नोटा में अपना मत दिया यूनियन वेरिफिकेशन के दौरान बीएमएस यूनियन के केंद्रीय अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह ,जितेंद्र श्रीवास्तव ,विनोद दुबे, सुशील शर्मा ,प्रवीण डहरिया , राजेश सिंह, सपन लस्कर ,बी के. पांडे ,खूब लाल ,आर के.मौर्य ,अभय तिवारी ,राम सुजान ,समर बहादुर, विश्वनाथ ,छत्रपाल, रणधीर, राम सागर सिंह ,मोहित राम ,कमलेश्वर द्विवेदी आदि विशेष रूप से सक्रिय थे।

जिले में 65 हजार से अधिक लोगों की सिकलसेल जांच, हजारों को योजनाओं का लाभ

कोरिया बैकुंठपुर। जनजातीय विकास को समर्पित धरती आबा जनजाति ग्राम उत्कर्ष अभियान ने कोरिया जिले के सुदूर अंचलों में सामाजिक परिवर्तन की नई लहर पैदा की है। 15 जून से 15 जुलाई तक चले इस एक माह के विशेष अभियान के दौरान 154 जनजातीय ग्रामों में शिविरों और डोर-टू-डोर सेवाओं के माध्यम से विभिन्न सरकारी योजनाएं और ज़रूरी दस्तावेज़ आमजन तक पहुँचाए गए। जिला प्रशासन की देखरेख में बैकुंठपुर विकासखंड 138 तथा सोनहत विकासखण्ड के 16 ग्रामों में आयोजित 175 शिविरों में 37,469 से अधिक लोगों ने भाग लिया, जिसमें 65,298 लोगों की सिकलसेल एनीमिया की जांच की गई। जांच में 23 क्षय रोगी भी चिन्हित किए गए, जिन्हें आवश्यक उपचार के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया गया। अभियान के दौरान 768 आधार कार्ड, 320 आयुष्मान भारत कार्ड, 391 जाति प्रमाण पत्र, 361 निवास प्रमाण पत्र,1,231 सुकन्या समृद्धि योजना खाते जैसी विभिन्न सेवाएं प्रदान की गईं। साथ ही प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, जनधन, मुद्रा योजना, जीवन ज्योति बीमा, सुरक्षा बीमा, वन अधिकार पत्र, उज्ज्वला योजना, राशन कार्ड, किसान क्रेडिट कार्ड और मनरेगा जैसी दर्जनों योजनाओं का लाभ भी पात्र हितग्राहियों को प्रदान किया गया। इस व्यापक अभियान के दौरान अधिकारियों ने गांव-गांव जाकर लोगों को योजनाओं के प्रति जागरूक किया और मौके पर ही दस्तावेज़ बनाकर सौंपे, जिससे आमजन को बार-बार कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़े।

गायत्री रोपणी नमदगिरी के पास वन महोत्सव का आयोजन कर कई प्रजाति के पौधे लगाए, इनका संरक्षण करने की शपथ ली

सूरजपुर। वनमण्डल सूरजपुर अंतर्गत श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े महिला एवं बाल विकास मंत्री के मुख्य आतिथ्य में वनपरिक्षेत्र सूरजपुर अंतर्गत गायत्री रोपणी नमदगिरी के समीप जिला स्तरीय वन महोत्सव एवं ''एक पेंड़ माँ के नाम 2.0'' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वनमण्डलाधिकारी सूरजपुर पंकज कमल द्वारा स्वागत उद्बोधन में यह जानकारी दी गई कि सूरजपुर वनमण्डल अंतर्गत वर्षा ऋतु 2025 में सूरजपुर वनमण्डल अंतर्गत विभागीय, कैम्पा, ग्रीन इंडिया मिशन, ग्रीन क्रेडिट योजना के तहत 7.00 लाख पौधों का रोपण किया जा रहा है।

''किसान वृक्ष मित्र योजना'' के तहत् हितग्राहियों के नीजी भूमि पर 2.50 लाख क्लोनल नीलगिरी पौधों का रोपण किया जायेगा, साथ ही मनरेगा योजना के तहत् तैयार किये गये पौधों का नि:शुल्क वितरण ग्रामीणों को किया जा रहा है। इसके साथ ही उनके द्वारा बताया गया कि जिला यूनियन सूरजपुर अंतर्गत वर्ष 2024-25 तेंदूपत्ता सीजन के दौरान कुल 30 समितियों के 61413 महिला तेंदूपत्ता संग्राहकों को छ.ग. शासन के योजना अनुसार चरण पादुका का वितरण किया जा रहा है। मुख्य अतिथि महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े द्वारा अपने उद्बोधन में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा गया कि पूर्व मुख्यमंत्री व विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह द्वारा तेन्दूपत्ता संग्राहक महिलाओं के परेशानियों को ध्यान में रखते हुए इस योजना की शुरूआत की गई थी, ताकि उन्हे तेन्दूपत्ता संग्रहण के दौरान कंकड़, पत्थर, कांटे उनके पैरों में न चुभें और वे सरलता व सहजता से अधिक से अधिक तेन्दूपत्ता का संग्रहण कर सकें। विगत पाँच वर्षों से तेन्दूपत्ता संग्राहक परिवारों को चरण पादूका वितरण का कार्य बंद था, जिसकी शुरूआत वर्तमान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा पुन: किया गया है। उनके द्वारा पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को ध्यान में रखते हुए अधिक से अधिक पेंड़ लगाने की अपील की गई, ताकि आने वाली पीढ़ी को स्वच्छ पर्यावरण प्रदान किया जा सकें। पौधे लगाने के साथ साथ उसके देखरेख पर भी विशेष ध्यान देने की बात कही गई। इस अवसर पर एक पेड़ माँ के नाम 2.0 अंतर्गत उन्होंने आम के पौधे का रोपण करते हुए पर्यावरण संरक्षण और मातृ सम्मान का संदेश दिया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि बरसात का मौसम चल रहा है प्रत्येक व्यक्ति को पेड़ पौधे अवश्य लगाने चाहिए साथ ही यह संकल्प लेना चाहिए कि जब तक यह पेड़ पौधे बड़े नहीं होते, हम उनकी देखभाल भी करें। प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मराबी द्वारा उनके उद्बोधन में कहा गया किया कि बढ़ते प्रदूषण को रोकने के लिए पेड़ पौधे लगाने बहुत जरूरी है। वृक्षारोपण का महत्व केवल पर्यावरण तक ही सीमित नहीं है। यह वन्यजीवों के लिए भी आवश्यक है। पेड़ उनके लिए घर और आश्रय प्रदान करते हैं, और जैव विविधता को बढ़ावा देते हैं। प्रतापपुर विधायक श्रीमती शकुंतला पोर्ते द्वारा उनके उद्बोधन ने सभी को अपने-अपने माता के नाम से 01 पेंड़ अवश्यक लगाने की बात कही गई एवं उसकी सुरक्षा एवं देखरेख हेतु वचनबद्ध रहने की अपील भी की गई। पूर्व गृह मंत्री व वन विकास निगम अध्यक्ष रामसेवक पैकरा के द्वारा अपने उद्बोधन में कहा गया कि वृक्षों का रोपण अधिक से अधिक संख्या में करें ताकि आने वाली पीढ़ी को एक स्वच्छ वातावरण प्रदान किया जा सकें। इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि,अधिकारी व अन्य द्वारा 50 पौधों का रोपण किया गया। इसके साथ इस अवसर पर एक पेड़ माँ के नाम पर 1500 पौधों का वितरण किया गया और स्कूलों में 500 पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से आमजन को अधिकाधिक वृक्ष लगाने और पर्यावरण के प्रति अपनी ज़िम्मेदारी निभाने हेतु प्रेरित किया गया। जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने आम जनता से अपील की कि वे भी इस पुनीत कार्य में भाग लें और कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएं। उपरोक्त कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती चन्द्रमणि पैकरा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती रेखा राजलाल राजवाडे, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती स्वाति सिंह, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष मनमत कुमार बछाड, नगरपालिका उपाध्यक्ष शैलेष कुमार अग्रवाल, भीमसेन अग्रवाल, बाबूलाल अग्रवाल, मुरली मनोहर सोनी, जनप्रतिनिधि, कलेक्टर एस जयवर्धन, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती कमलेश नन्दिनी साहू, आशुतोष भगत व अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

रिश्वत लेते बाबू गिरफ्तार

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में सोमवार को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने तहसील कार्यालय सूरजपुर में पदस्थ बाबू को 25 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई रायपुर से आई एसीबी की टीम ने की। मिली जानकारी के अनुसार आरोपी बाबू जुगेश्वर राजवाड़े एक किसान से जमीन के नामांतरण के बदले 25 हजार रुपये की मांग कर रहा था। किसान ने यह बात एसीबी को बताई, जिसके बाद टीम ने पहले शिकायत की पुष्टि की और फिर जाल बिछाकर तयशुदा रकम लेते हुए जुगेश्वर राजवाड़े को गिरफ्तार कर लिया गया और घूस की रकम बरामद कर ली गई। इस पूरे ऑपरेशन की वीडियोग्राफी भी की गई, ताकि पुख्ता सबूत के साथ कार्रवाई को आगे बढ़ाया जा सके। एसीबी आरोपी से पूछताछ कर रही है और यह भी जांच की जा रही है कि कहीं इस भ्रष्टाचार में अन्य कर्मचारी तो शामिल नहीं हैं।

तीन बच्चे अचानक हुए लापता किडनैप किये जाने की आशंका

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले के नगर पंचायत वाड्रफनगर से 12 से 13 साल के तीन बच्चे अचानक लापता हो गए। घटना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। परिजनों ने वाड्रफनगर पुलिस चौकी में शिकायत दर्ज कराई। मिली जानकारी के अनुसार नगर पंचायत वाड्रफनगर के वार्ड क्रमांक 3 से 12 से 13 वर्ष के बच्चे अचानक लापता हो गए। बच्चों के गायब होने की खबर मिलते ही क्षेत्र में हड़कंप मच गया। परिजनों का आरोप है कि बच्चों को बहला-फुसलाकर बाहर के राज्यों में मजदूरी के लिए ले जाया गया होगा। परिजनों ने मामले की शिकायत वाड्रफनगर पुलिस चौकी में दर्ज कराई है। बच्चों के गायब होने की सूचना मिलते ही वाड्रफनगर पुलिस सक्रिय हो गई है और संभावित ठिकानों की जांच शुरू कर दी गई है। गायब हुए बच्चों की उम्र के बीच बताई जा रही है। घटना को लेकर मोहल्ले में डर और चिंता का माहौल है। परिजन लगातार प्रशासन से बच्चों के खोजबीन की मांग कर रहे हैं। फिलहाल पुलिस ने मामले की जांच कर रही है।

आरक्षक भर्ती परीक्षा 27 को

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल रायपुर द्वारा 27 जुलाई 2025 को सुबह 10 बजे से दोपहर 12.15 बजे तक आबकारी आरक्षक भर्ती परीक्षा (एबीए25) का आयोजन किया गया है। व्यापम द्वारा जारी निर्देशानुसार परीक्षार्थी को परीक्षा कक्ष में प्रवेश हेतु अपने साथ फोटो युक्त मूल पहचान पत्र अवश्य लाना होगा। परीक्षा हेतु निर्धारित समय सुबह 10 बजे से आधा घंटा पूर्व सुबह 9.30 बजे परीक्षा केन्द्रों की मुख्य द्वार बंद कर दी जाएगी, परीक्षार्थियों को सुबह 9.30 बजे तक परीक्षा केन्द्रों में प्रवेश लेने कहा गया है। परीक्षार्थियों को परीक्षा में हल्के रंग के आधी बांह का कमीज पहन कर ही आना होगा तथा जूता पहनकर परीक्षा में उपस्थिति प्रतिबंधित है। परीक्षार्थी चप्पल पहनकर आए, कान में ईयर रिंग की अनुमति नहीं है। परीक्षा प्रारंभ होने के पहले आधा घंटा व परीक्षा समाप्त होने के आधा घंटा पूर्व बाहर जाने की अनुमति नहीं होगी। जिला प्रशासन द्वारा परीक्षार्थियों को छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल रायपुर द्वारा जारी प्रवेश पत्र में दिये गये निर्देशों का भलीभांति अध्ययन कर उसका पालन करने की अपील की गई है।

लंबित पेंशन, ईआरएम व ईडब्लूआर के प्रकरणों की हुई बैठक

सूरजपुर। कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देशानुसार जिला पंचायत, सूरजपुर के सभाकक्ष में आयोजित लंबित पेंशन/ईआरएम/ईडब्लूआर के प्रत्येक प्रकरणों की समीक्षा अनिल कुमार बारी, उप संचालक, संयुक्त संचालक, कोष लेखा एवं पेंशन, सरगुजा एवं प्रेमशंकर तिवारी, जिला कोषालय, के द्वारा किया गया। अनिल कुमार बारी के द्वारा ऐसे प्रकरण जो संभागीय संयुक्त संचालक, कोष, लेखा एवं पेंशन, अम्बिकापुर, संभाग-सरगुजा से आपत्ति पश्चात् ऑनलाइन वापस किये गये पेंशन प्रकरणों का उपस्थित आहरण एवं संवितरण अधिकारियों एवं पेंशन लिपिकों को आपत्ति के निराकरण के संबंध में विस्तृत से चर्चा किया गया। आगामी 02 माह में सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों का भी पेंशन प्रकरण तैयार कर कोष लेखा एवं पेंशन को प्रेषित किये जाने हेतु समझाईश दी गई। ईआरएम, ईडब्लूआर के ऐसे प्रकरण जिनमें कर्मचारियों या उनके परिवारजनों के द्वारा ओपीएस का चयन किया गया है। ऐसे प्रकरणों का भी शीघ्र निराकरण करने हेतु समझाईश दी गई है एवं पेंशन प्रकरण तैयार करने में आने वाले समस्याओं के संबंध में भी विस्तृत चर्चा किया गया है। इस अवसर पर अनिल कुमार बारी, उप संचालक, संयुक्त संचालक, कोष लेखा एवं पेंशन, अम्बिकापुर, प्रेमशंकर तिवारी, जिला कोषालय अधिकारी, सूरजपुर, जिला कोषालय के लिपिक सुशील सिंह, संगीत कुमार, सतीश कुमार, ईश्वर प्रसाद उपस्थित रहे।

हायर सेकेंडरी एवं हाई स्कूल सर्टिफिकेट द्वितीय मुख्य अवसर की परीक्षा शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक हुई सम्पन्न

सूरजपुर। छ.ग. माध्यमिक शिक्षा मण्डल रायपुर द्वारा आयोजित हायर सेकण्डरी एवं हाईस्कूल सर्टिफिकेट द्वितीय मुख्य/अवसर परीक्षा वर्ष-2025 के कक्षा 12वीं विषय गणित, कम्प्यूटर अप्लीकेशन (कला एवं वाणिज्य), भारतीय संगीत, चित्रकला, नृत्य कला, स्टेनो टायपिंग, कृषि (कला), गृह विज्ञान (कला), वाणिज्य गणित, औद्योगिक संगठन के मूल तत्व की परीक्षा जिले के निर्धारित 7 परीक्षा केन्द्रों में सम्पन्न हुआ जिसमें कुल दर्ज परीक्षार्थियों की संख्या-37 में 33 उपस्थित एवं 4 अनुपस्थित रहे। वहीं कक्षा 10 वीं, विषय- केवल दृष्टिहीन छात्रों के लिए संगीत, केवल मूक तथा बधिर छात्रों के लिए ड्राईंग एंड पेंटिंग की परीक्षा केवल 1 केन्द्र में सम्पन्न हुआ। जिसमें कुल दर्ज परीक्षार्थियों की संख्या-02 में 02 उपस्थित रहे। श्रीमती भारती वर्मा जिला शिक्षा अधिकारी सूरजपुर के कुशल मार्गदर्शन में जिले के समस्त परीक्षा केन्द्रों में परीक्षा सुव्यवस्थित, शांतिपूर्ण एवं सफलता पूर्वक सम्पन्न हुई. एवं किसी भी केन्द्र में कोई नकल प्रकरण दर्ज नही किया गया है।

सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी के पदों पर संविदा भर्ती के लिए पात्र अपात्र सूची जारी

सूरजपुर। डी.एम.एफ मद अंतर्गत स.प.चि.क्षे.अ. के पदों पर संविदा भर्ती हेतु विभागीय विज्ञापन के समिति द्वारा प्राप्त आवेदनों का संवीक्षा उपरांत पात्र/अपात्र सूची तैयार कर जिले के वेबसाइट में प्रकाशन एवं दिनांक 23 जुलाई प्रात: 01:00 बजे से 27 जुलाई सायं 05:00 बजे तक ऑनलाइन जिले कि एनआईसी की वेबसाइट (उक्त निर्धारित समय के पूर्व लिंक वेबसाइट में उपलब्ध कराया जावेगा) के माध्यम से दावा आपत्ति आमंत्रित किये जा रहे है। उक्त दावा आपत्ती मे नवीन दस्तावेज मान्य नहीं होंगे, केवल पूर्व में प्रस्तुत आवेदन अनुसार पात्र/अपात्र सूची में भिन्नता पाये जाने की स्थिति में आवेदक दावा आपत्ती उक्त लिंक के माध्यम से प्रस्तुत कर सकेंगे।

ऑनलाइन सुरक्षा एवं साइबर जागरूकता

सुरजपुर। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बालिकाओं की सुरक्षा के तहत शासकीय कन्या हाई स्कूल नवापारा सूरजपुर में ''ऑनलाइन सुरक्षा एवं साइबर जागरूकता'' विषय पर पहला सत्र का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देशानुसार तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी शुभम बंसल जी के मार्गदर्शन से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का सफल संचालन नवा बिहान संरक्षण अधिकारी श्रीमती इन्द्र कुमारी तिवारी एवं महिला सशक्तिकरण (हब) मिशन शक्ति के अंतर्गत जिला मिशन समन्वयक श्रीमती शारदा सिंह के नेतृत्व में किया गया। यह सत्र वर्तमान समय में बालिकाओं के प्रति बढ़ते साइबर अपराध, ऑनलाइन धोखाधड़ी, डेटा चोरी, बैंकिंग जालसाजी, मैलवेयर, रैनसमवेयर, सॉफ्टवेयर चोरी, डी-डॉस हमलों एवं साइबर जासूसी जैसे खतरों के प्रति जागरूकता को ध्यान में रखकर आयोजित किया गया था।

एक याचिका हुई निराकृत, 31 करोड़ होंगे खर्च

संजय नगर अंडरब्रिज का टेंडर इसी महीने, दीवाली तक काम होगा शुरू

कोरबा। पावर सिटी कोरबा में हर तरफ रेलवे क्रॉसिंग की उपस्थिति के कारण कई प्रकार की समस्याएं आवागमन के मामले में बनी हुई है। काफी इंतजार के बाद सरकार और प्रशासन दोनों ने इस तरफ ध्यान दिया। पिछले वर्ष संजय नगर रेलवे क्रॉसिंग पर अंडर ब्रिज बनाने का प्रस्ताव मंजूर हुआ। सेतु निगम छत्तीसगढ़ इस पर काम करेगा। खबर के अनुसार इसी महीने इस प्रोजेक्ट का टेंडर होना है।

कोरबा जिला प्रशासन की रुचि से सुनिश्चित हुआ है कि ज्वाइंट वेंचर से इस काम को कराया जाएगा कल 31 करोड रुपए की राशि इस प्रोजेक्ट पर खर्च होना है इसका 50 - 50 प्रतिशत का हिस्सा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे और जिला प्रशासन को वहन करना है। काफी समय के बाद इस विषय पर सहमति बन सकी और इसी का नतीजा है कि संजय नगर इलाके में रोड अंडर ब्रिज का निर्माण नोडल

एजेंसी छत्तीसगढ़ सेतु निगम के द्वारा कराया जाना है। इस पूरे प्रकरण में आसपास के 91 लोगों की परिसंपत्तियों को हटाया गया है। सबसे खास बात यह है कि संबंधित क्षेत्र की जमीन जल संसाधन विभाग के हिस्से की थी और लंबे समय से लोग यहां पर यूं ही काबिज हो गए थे। लेकिन अनेक मौके पर ऐसे लोगों को नोटिस दिए गए जिसका असर नहीं हुआ। आखिरकार कोरबा शहर के लिए महत्वपूर्ण बड़े प्रोजेक्ट को रफ्तार देने के लिए विस्थापन की प्रक्रिया कराई गई और संबंधित सभी मामलों में तीन करोड़ 30 लख रुपए के मुआवजे का वितरण किया गया।

संजय नगर रोड अंडर ब्रिज के निर्माण को लेकर नया अपडेट यह है कि कुछ समय पहले इस प्रोजेक्ट को लेकर दो पक्षों ने हाई कोर्ट में आपत्ति लगाई थी और निर्माण को चुनौती देने का प्रयास किया। इनमें से एक याचिका का निराकरण कर दिया गया है। इसी के साथ अंडर ब्रिज से संबंधित टेंडर की प्रक्रिया में गति आई है कहां जा रहा है कि इसी महीने इस पूरा किया जाना है। बाकी कार्यवाही को गति मिल रही।

निर्माण एजेंसी की ओर से कहा गया कि शहर की प्राथमिकता से जुड़े हुए इस कार्य में रेलवे को भी सहयोग करना है। पूरी कोशिश है कि दीपावली तक इस काम को प्रारंभ कर दिया जाए। बताया गया कि समय सीमा के अंतर्गत इस बड़े प्रोजेक्ट को पूरा करने का प्लान है। इसकी जरूरत इसलिए बताई जा रही है क्योंकि लंबे समय से कोरबा की जनता रेलवे क्रॉसिंग से जुड़ी समस्या को बर्दाश्त कर रही है और प्रशासन का प्रयास है कि जितनी जल्द हो सके लोगों को राहत दी जाए।

ईडी के एक्शन का विरोध, कांग्रेसियों ने जेंजरा बायपास पर की आर्थिक नाकाबंदी

कोरबा। 2 हजार करोड़ से ज्यादा के शराब घोटाले में मनीलांड्रिंग कनेक्शन में पूर्व सीएम भूपेश बघेल के पुत्र चैतन्य बघेल को ईडी ने 5 दिन के रिमांड पर लिया है। इस मामले को लेकर कांग्रेस ने प्रदेश ब्यापी आर्थिक नाकाबंदी की। जेंजरा चौक पर उन्होंने प्रदर्शन किया।

कांग्रेस पार्टी ने कटघोरा को इस प्रदर्शन के लिए चूना। घोषित कार्यक्रम के तहत 12 से 2 बजे तक यह प्रदर्शन करना है। जेंजरा बायपास पर कांग्रेस कार्यकर्ता एकत्र हुए। उन्होंने ईडी के एक्शन को लेकर नारेबाजी की। कहा गया कि विपक्ष के नेताओं को टारगेट करने के लिए जांच एजेंसी कर रही है और हम इसका विरोध कर रहे हैं। प्रदर्शन के लिए सांसद प्रतिनिधि हरिश परसाई, जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष नत्थु यादव, मनोज चौहान, राजू लखनपाल, संजय अग्रवाल सहित संगठन और अनुषंगी प्रकोष्ठ के लिए काम करने वाले कार्यकर्ताओं ने उपस्थिति दर्ज कराई।

कटघोरा टीआई धर्मनारायण तिवारी ने बताया कि प्रदर्शन के अंतर्गत बड़ी गाड़ियों को रोकने पर फोकस किया गया। पुलिस ने जनता की सुविधा को देखते हुए रूट डायवर्ट किया है। इसके तहत छोटी और मध्यम गाड़ियों को सुविधा दी गई है ताकि किसी प्रकार से उन्हें परेशान न होना पड़े।

चुनाव कराने बनाई गई समिति

कोरबा। बरेठ समाज में चुनाव कराने के लिए एक समिति बनाई गई है। चयह समिति सभी इकाईयों में जाकर चुनाव कराने का कार्य कर रही है। समिति में कमला बरेठ, चेतन कर्ष, मिलापराम, पुरुषोत्तम बरेठ व सदानंद को शामिल किया गया है। इनके द्वारा चार इकाईयों में जाकर चुनाव कराए गए। रजगामार में मोहन कर्ष, सर्वमंगला नगर में लालचंद, दीपका में सुरेश कुमार, दर्री में रामनारायण निर्मलकर को अध्यक्ष बनाया गया है।

बसपा की रायपुर में हुई बैठक, सेक्टर व बूथ समिति बनाने के निर्देश

कोरबा। बसपा के पदाधिकारियों को रायपुर बुलाया गया था। रायपुर में हुई बैठक में सभी कार्यकर्ताओं को दिशा निर्देश दिए गए हैं कि सेक्टर व बूथ समिति बनाकर जानकारी दी जाए। इस बैठक में बसपा के जिलाध्यक्ष फूलचंद सोनवानी, ए.डी.जांगड़े, डी.आर. जाटवर, जितेंद्र बंजारे, गज्जू चौहान, देवसिंह पंकज, दिव्या कुर्रे, दिलीप कुर्रे, कन्हैया चौहान, जगतराम राठिया सहित अन्य पदाधिकारी शामिल हुए।

पूर्व मंत्री साय कल लेंगे बैठक

कोरबा। कांग्रेस के पूर्व मंत्री डॉ. प्रेमसाय का कोरबा आगमन हो रहा है। वे कल कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक लेंगे। जिसमें संगठन को मजबूत करने के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी लेते हुए ब्लॉकों को और छोटा करने पर चर्चा होगी। इस बैठक में सभी कार्यकर्ताओं से विचार विमर्श किया जाएगा। जिला कांग्रेस ग्रामीण के अध्यक्ष मनोज चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि जितने भी ब्लॉक हैं उन पर समीक्षा करने के बाद छोटा करने के लिए राय लिए जाएंगे और कार्यकारिणी गठन करने पर चर्चा होगी। इस बैठक में सभी ब्लॉक अध्यक्ष व कार्यकर्ताओं को बुलाया गया है।

कचरों का हुआ उठाव

कोरबा। विद्युत मंडल कालोनी के कई क्षेत्रों में कचरे पड़े हुए थे। पानी निकासी की व्यवस्था खराब होने के कारण इसकी शिकायत वार्ड पार्षद राकेश वर्मा, कोसाबाड़ी नगर मंडल अध्यक्ष राजेंद्र राठौर, सुभाष राठौर सहित अन्य कार्यकर्ताओं के द्वारा की गई थी। अब कचरों का उठाव कालोनी से हो चुका है। इस कार्य को किए जाने पर पार्षद राकेश वर्मा ने विद्युत मंडल को धन्यवाद दिया है और कहा है कि कालोनी में चोरी की घटनाओं को रोकने के लिए सीसीटीवी कैमरा लगाने की मांग की गई थी, यह कार्य अभी अधूरा है। इस कार्य को पूरा करने के लिए अधिकारियों से दोबारा मुलाकात की जाएगी।

कर्मचारियों को मिला सामान

कोरबा। कल छुरी नगर पंचायत भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में कर्मचारियों को सामान वितरित किए गए। नगर पंचायत अध्यक्ष पद्मिनी देवांगन ने बरसात के मौसम में कर्मचारी कार्य कर सके इसके लिए उन्होंने प्रयास शुरू करते हुए लगभग 15 कर्मचारियों को रैनकोट दिए। कार्यक्रम में विधायक प्रतिनिधि प्रीतम देवांगन, कांति श्रीवास, सुशीला बिंझवार, नमिता यादव, संगीता यादव, कांता देवांगन, सुभाष जोशी, श्याम कुमार साहू सहित अन्य पार्षद मौजूद थो।

हाथियों का एक और दल पहुंचा कोरबा के जंगलों में, बढ़ा खतरा

कोरबा। वनमंडल कोरबा के जंगलों में हाथियों का एक और दल पहुंच गया है जिससे ग्रामीणों को खतरा बढ़ गया है। हाथियों के इस दल में 21 सदस्य हैं जो रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ वनमंडल के हाथी परिक्षेत्र से बीती रात कुदमुरा पहुंचे। हाथियों का दल यहां के जंगलों में कुछ देर एक साथ विचरण करने के बाद इसमें से 6 हाथी दल से अलग हुए और आगे बढ़कर पसरखेत रेंज के कोल्गा सर्किल पहुंच गए जबकि 15 हाथी कुदमुरा सर्किल के जंगल में विचरण कर रहे हैं। पसरखेत पहुंचे हाथियों ने आते ही उत्पात मचाया और ग्रामीणों के खेतों में पहुंचकर वहां लगे धान के फसल को रौंद दिया। जिससे तीन ग्रामीण प्रभावित हुए हैं, उन्हें काफी नुकसान उठाना पड़ा है। ग्रामीणों द्वारा सूचना दिए जाने पर वन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी आज सुबह मौके पर पहुंचे और हाथियों की निगरानी करने के साथ आसपास के गांवों में मुनादी कराने का अभियान शुरू किया। बड़ी संख्या में हाथियों के विचरण करने से ग्रामीणों को खतरा बढ़ गया है। ज्ञात रहे 22 हाथी पहले से ही कोरबा वनमंडल में घूम रहे हैं जिनमें से 21 हाथी कोरबा

रेंज अंतर्गत कोरकोमा व केरवा के बीच झुंझमार जंगल में हैं जबकि एक दंतैल कोरबा के आसपास अकेला विचरणरत है। कोरबा रेंज में मौजूद हाथियों ने फिलहाल कोई नुकसान नहीं पहुंचाया है। वन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक क्षेत्र में घूम रहे हाथियों की निगरानी ड्रोन कैमरे व मैदानी अमले द्वारा लगातार की जा रही है। हाथियों की हर गतिविधियों पर नजर रखा जा रहा है। उधर कटघोरा वनमंडल के एतमानगर, जटगा व केंदई रेंज में भी हाथी समस्या लगातार जारी है। यहां के जंगलों में 46 के लगभग हाथी अलग-अलग झुंडों में विचरण कर रहे हैं।

मौसम का मिला साथ किसानों को, खरीफ सीजन के लिए कृषि कार्यों ने पकड़ा जोर

कोरबा। कोरबा जिले के पौड़ी उपरौड़ा विकासखंड में अच्छी बारिश के कारण अब कृषि कार्य में तेजी आई है। किसानों का मानना है कि इस वर्ष अब तक बारिश अच्छी हुई है जिससे खेतों में पानी की कोई कमी नहीं है। लेकिन मजदूर के मिलने में समस्या है इसलिए आपसी सहयोग से काम चलाना पड़ रहा है।

कोरबा जिले में खरीफ सीजन के लिए धान की मुख्य फसल किसान लेते हैं। कुछ स्थानों से इस प्रकार की खबरें आ रही है कि अधिकारियों का दौरा ना होने से किसान तकनीकी जानकारी और सहायता से वंचित हैं। कुछ क्षेत्रों में स्थिति थोड़ी बेहतर है, लेकिन ज्यादातर गांवों में किसान अपनी समझ और अनुभव के भरोसे खेती कर रहे हैं। तमाम तरह के दावों के बावजूद विभिन्न समितियां से सभी किसानों को समय पर उर्वरक की पूर्ति नहीं हो सकती ऐसे में उन्होंने निजी दुकानों का सहारा लिया।

जानकारी मिली है कि ज्यादा लाभ और दूसरे कारण से किसान अब पारंपरिक किस्मों की बजाय हाई ब्रीड धान की ओर रुख कर रहे हैं। यह किस्में न केवल अधिक पैदावार देती हैं बल्कि मौसम की अनिश्चितताओं में भी बेहतर प्रदर्शन करती हैं। समर्थन मूल्य 3100 रुपए प्रति क्विंटल मिलने के कारण किसान धान उत्पादन में दिलचस्पी दिखा रहे हैं। हालांकि पतले किस्म के धान से मुनाफा कम होता है, इसलिए इसे केवल घरेलू उपयोग के लिए उगाया जा रहा है।

सनातन परंपरा का हिस्सा है भगवा ध्वज :अजय

आरएसएस ने आयोजित किया गुरुपूजन

कोरबा। ग्राम हरदी बाजार में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित श्री गुरु पूर्णिमा उत्सव का कार्यक्रम आर्यन पब्लिक स्कूल, बस्ती रोड, हरदी बाजार, में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम मे मुख्य वक्ता सनातन संघर्ष समिति के जिला संयोजक अजय कुमार दुबे व मुख्य अतिथि के रूप में राकेश टंडन थे। मुख्य वक्ता अजय कुमार दुबे ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में परम पवित्र भगवा ध्वज को ही गुरु के रूप में स्वीकार किया गया है। क्योंकि संघ व्यक्तिनिष्ठ न होकर ध्येय निष्ठ है।परम पवित्र भगवा ध्वज सूर्य के तेज का, विकास का प्रतीक है जो कि हमारे सनातन परंपरा में प्राचीन काल से चला आ रहा है।उन्होंने कहा कि संघ में गुरु पूर्णिमा के दिन शाखा में स्वयं सेवकों द्वारा भगवा ध्वज की पूजा अर्चना की जाती है।

कार्यक्रम में शशिधर सोनी, अमरनाथ कौशिक, चुलेश्वर राठौर, निलेंद्र राठौर, रेखराम पाण्डेय, दिनेश गुरुद्वान , दुर्गेश डिक्सेना, कान्हूचरण, लहमोर, दिनदयाल आदि स्वयंसेवक बंधु शामिल हुए।

श्रमिक नेता सान्याल के निधन पर जताया शोक

कोरबा। छत्तीसगढ़ के श्रमिक एवं कर्मचारी वर्ग के जुझारू नेता और सीटू के वरिष्ठ नेता विश्वनाथ सान्याल हमारे बीच नहीं रहे। उनके आकस्मिक निधन से प्रदेश के मजदूर आंदोलन को एक अपूरणीय क्षति हुई है। अल्युमिनियम कामगार संघ (ऐक्टू) के अध्यक्ष बी.एल. नेताम ने एक बयान जारी कर कॉमरेड सान्याल के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि विश्वनाथ सान्याल न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे देश में बीमा कर्मचारी संघ के एक प्रमुख नेता रहे। उन्होंने लंबे समय तक मजदूर संगठन सीटू के प्रदेश नेतृत्व में सचिव और अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पदों की जिम्मेदारियों का निर्वहन किया।बालको के निजीकरण के खिलाफ हुए 67 दिनों के ऐतिहासिक आंदोलन में सीटू के वरिष्ठ नेता के रूप में विश्वनाथ सान्याल का योगदान अविस्मरणीय है।

आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को गोद लिया महिला मंडल ने

कोरबा। श्रद्धा महिला मंडल, एसईसीएल मुख्यालय, बिलासपुर की अध्यक्ष राशि दुहन के मार्गदर्शन में आकृति महिला समिति, सेंट्रल वर्कशॉप-सेंट्रल स्टोर्स, कोरबा द्वारा मानवता भरे कार्य को अंजाम दिया गया। समिति ने स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय एनसीडीसी कोरबा के दो छात्रों की पढ़ाई की पूरी जिम्मेदारी ली है।

शैक्षणिक वर्ष 2025-26 में कक्षा 11वीं में अध्ययनरत छात्र ईशा मंडावार और हरि साहू को गोद लिया गया है। समिति उनकी कक्षा 11वीं एवं आगामी कक्षा 12वीं की पढ़ाई की फीस, यूनिफॉर्म, कॉपी-पुस्तकें आदि का खर्च वहन करेगी। यह सराहनीय कार्य आकृति महिला समिति के सौजन्य से संभव हो पाया है। इस अवसर पर आकृति महिला समिति की अध्यक्ष श्रीमती धनलक्ष्मी सूर्यवंशी, सदस्यगण श्रीमती कविता राव, श्रीमती संगीता यादव, श्रीमती प्रमिला पण्डा, श्रीमती रेखा टंडन, श्रीमती दृष्टि नागपाल एवं श्रीमती अर्चना दुबे उपस्थित रहीं।

शटर तोड़कर चोरी तीन पकड़ाए

कोरबा। पंचमुखी हनुमान मंदिर के नजदीक एक हार्डवेयर दुकान को चोरी करने के मामले में मानिकपुर पुलिस ने तीन किशोरों को पकड़ा है। बताया गया कि उन्होंने यहां से 1500 रूपए नगद की चोरी की। पीड़ित पक्ष ने इस बारे में चौकी में रिपोर्ट दर्ज करायी। प्रभारी नवीन पटेल ने बताया कि मौके पर लगी सीसी टीवी फूटेज की जांच करने पर तीन किशोरों की हरकतों का पता चला।

नमः शिवाय
मकान/प्लाट उपलब्ध है
एचआईजी, एमआईजी
एम.पी.नगर में व आर.एस.एस नगर में 2400 स्क्वायर फीट प्लाट बिक्री हेतु उपलब्ध है।
संपर्क करें
62681-46606

बारिश ने पैदा किया सड़क के किनारे खतरा

कोरबा। पखवाड़ा भर पहले हुई भारी बारिश के कारण तिवरता से लिटियाखार के बीच रोड का किनारा पूरी तरह नाले में तब्दील हो चुका है। इससे जोखिम बढ़ गई है। यहां से आवागमन के दौरान हादसे का डर बना हुआ है।

बताया गया कि यह मार्ग चैतमा से होते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग 130 से जुड़ता है, जो पाली और दीपका के मुख्य मार्ग से भी संपर्क रखता है। इस रास्ते से रोजाना हजारों लोग बस, कार और मोटरसाइकिल से सफर करते हैं। जहां सड़क किनारा नाले में तब्दील हुआ है, वहीं एक अति

संवेदनशील अंधा मोड़ भी स्थित है। इस मोड़ पर पहले भी कई सड़क दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें कई लोगों की जान जा चुकी है। बावजूद इसके, अब तक न तो कोई बैरिकेडिंग की गई है और न ही इस मार्ग की मरम्मत को लेकर कोई पहल हुई है।

इस मार्ग से आसपास के कई गांवों के सरपंच, जनपद सदस्य, जिला स्तर के जनप्रतिनिधि और अधिकारीगण रोजाना गुजरते हैं। इसके बावजूद संबंधित विभाग का ध्यान अब तक इस ओर नहीं गया है। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि इस गंभीर समस्या का शीघ्र समाधान किया जाए, ताकि और हादसे न हों।

स्वामी कौशल किशोर मिश्र की ओर से प्रकाशक, मुद्रक सुभाष अग्रवाल द्वारा आकाश आफसेट प्रिंटर्स से मुद्रित कर तिलक मार्ग, ट्रांसपोर्ट नगर, कोरबा से प्रकाशित, संपादक सुभाष अग्रवाल फोन: 221149, मो. : 9425224167 आर.एन.आई. पंजी. नं. 50254/89, ई-मेल tarunpresskrb@gmail.com